खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-343

टाईगर अभी ज़िंदा है...

राजा का बढ़ेगा क़द - पार्टी में मिलेगा बड़ा पद

गोशामहल से लगातार तीन बार भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधायक टी. राजा सिंह लोध को भले ही भाजपा की राज्य इकाई ने चूका हुआ तीर मानकर दूरी बना ली हो, लेकिन जनता के बीच उनकी छवि का बाल भी बांका नहीं हो सकता। दरअसल हिन्दू हृदय सम्राट और टाईगर राजा की उनकी इमेज कोई एक दिन में नहीं बनी, जिसे कोई मिनटों में धूमिल कर दें। राजा सिंह को झुकाने और दबाने के लिए अनगिनत साजिशें रची गई, कई गंभीर आरोप भी लगे, किन्तु हर हमले के बाद राजा सिंह और अधिक उभर कर सामने आये। हाल ही में भाजपा ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निलंबित कर दिया, लेकिन विधायक के रूप में वे आज भी बरकरार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श मानने वाले टी. राजा सिंह स्वयं में एक ऐसा ब्रांड बन चुके हैं, जिन्हें पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहकर भी कभी दूर नहीं कर सकता। अंदरखाने यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक राजा सिंह को तेलंगाना का प्रमुख चेहरा बनाने की सोच रहे हैं और शीघ्र ही यह शुभ दिन आ सकता है।

गौरतलब है कि हाल ही में पार्टी के तेलंगाना सांसदों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना सांसदों की कार्यशैली को लेकर असंतोष जाहिर किया था। उनका मानना था कि यहाँ के सांसद न तो अपने क्षेत्र की जनता से जुड़े हैं और न ही क्षेत्रीय समस्या का उन्हें ज्ञान है। कुल मिलाकर तेलंगाना सांसदों को मोदी ने सख्त चेतावनी दी थी। इस मामले में गोशामहल विधायक का कोई सानि नहीं। वे न केवल जन-समस्याओं के प्रति गंभीर है, बल्कि क्षेत्र का लगातार/नियमित दौरा कर त्वरित समाधान भी करते हैं। गोशामहल में इस समय जगह-जगह तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं। कुछ समय पहले एमआईएम (मजलिस) के छुटभय्ये नेताओं ने गोशामहल में पैर जमाने के लिए चल रहे विकास कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही राजा सिंह ने मोर्चा संभाला, वे भाग खडे हुए। इन्हें ऐसी गलतफहमी हो गई थी कि राजा की पकड़ लोगों पर पहले जैसी नहीं रही, क्यूंकि वे भाजपा में नहीं है। किन्तु राजा के मैदान में उतरते ही जनता-जनार्दन और उनके साथी कार्पोरेटरों का प्रेम भाव रत्ती भर भी कम नहीं हुआ। राजा के समर्थन से कार्पोरेटर बने क्षेत्र के सभी नेता राजा भाई को ही अपना गुरू/नेता मानते हैं।

महाराष्ट्र के गोंदिया में लोध समाज के कार्यक्रम में भाग लेते राजा सिंह।

कोठी स्थित वुमेंस कॉलेज छात्रावास का दौरा करते गोशामहल विधायक।

जीएचएमसी वार्ड विभाजन को मजलिस के अनुकूल बताने वाले राजा ने सबसे सलाह-मशविरा कर अपनी आपत्तियाँ भी दर्ज करवायी, साथ ही रचनात्मक सुझाव भी दिये। कोठी स्थित वुमेंस कालेज छात्रावास की छात्राओं द्वारा मेस प्रभारी के खिलाफ शी टीम से की गई शिकायत का तुरंत संज्ञान लिया और सोमवार को स्वयं कालेज पहुंच कर प्राचार्य व अन्य से बात की। और तो और महाराष्ट्र के गोंदिया में लोध समुदाय द्वारा आयोजित युवा परिचय सम्मेलन में राजा सिंह ने हजारों युवाओं को हिंदू धर्म के प्रति प्रेरित किया और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का प्रण लिया। राजा को सुनने के लिए हजारों युवा एकत्रित हुए।

दरअसल भाजपा आला कमान तक यह बात जा चुकी है कि राजा सिंह सिर्फ तेलंगाना में ही नहीं, पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र व कर्नाटक में भी अपना वर्चस्व रखते हैं और मराठवाड़ा तथा गुलबर्गा, बीदर में उन्हें चाहते वाले लाखों की संख्या में हैं। यही कारण है कि राजा को पार्टी में वापिस लाकर बड़ा पद देने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जॉर्डन पहुंचे

अम्मान, 15 दिसबंर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंच गये।हवाई अड्डे पर उनका जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

श्री मोदी के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिन की यात्रा पर सोमवार सुबह नयी दिल्ली से रवाना हुए थे। उन्होंने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि तीनों देशों के साथ भारत के पुराने सभ्यतागत और व्यापक समकालीन द्विपक्षीय संबंध हैं और उनकी यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का प्रतीक होगी।

प्रधानमंत्री, जार्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन के निमंत्रण पर यहां आये हैं। वह उनसे और श्री हसन के साथ विस्तार से बातचीत करेंगे और उनकी क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय के साथ भी मुलाकात की उम्मीद है। श्री मोदी जॉर्डन में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगे।

श्री मोदी, कल इथियोपिया की अपनी पहली यात्रा पर रवाना होंगे। वह इथियोपिया के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। इथियोपिया की राजधानी आदिस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। वर्ष 2023 में, भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी संघ को जी 20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। ▶10पर

पीएम मोदी का जॉर्डन में भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया

अम्मान, 15 दिसबंर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचे, जहाँ भारतीय समुदाय ने उन्हें गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय झंडे लिए हुए लोग मोदी मोदी और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए पीएम मोदी का उत्साहपूर्वक स्वागत कर रहे थे।

इस दौरान बच्चों को देखकर पीएम मोदी भी उनके साथ मिलकर खेलते नजर आए। स्वागत समारोह में नृत्य का भी आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम में चार चाँद लग गए।18 सालों से जॉर्डन में रह रहे शंकर ने कहा, हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। पीएम मोदी के आगमन से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत ▶10पर

कांग्रेस सरकार के दो साल

GHMC की प्रमुख पहलें हाशिए पर

हैदराबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। एक समय था जब कॉर्पोरेट अधिकारी, सेवानिवृत्त अधिकारी और प्रतिष्ठित हस्तियाँ हैदराबाद के तेज़ बुनियादी ढाँचे के विकास और यातायात की भीड़ को कम करने को दी गई प्राथमिकता की खुले तौर पर प्रशंसा करते थे।

शहर को अक्सर सड़क बुनियादी ढाँचे, फ्लाईओवर, लिंक रोड, सुगम हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी और सबवे के लिए एक मॉडल के रूप में उद्धृत किया जाता था। स्ट्रैटेजिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम (SRDP), स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम (SNDP), कॉम्प्रिहेंसिव रोड मेंटेनेंस प्रोग्राम (CRMP), एचआरडीसीएल (HRDCL) के माध्यम से लिंक रोड डेवलपमेंट जैसी प्रमुख पहल और कई अन्य परियोजनाओं ने शहर के परिदृश्य को बदल दिया था।

14 सितंबर, 2023 को, सिंजीन सॉल्यूशंस (Syngene Solutions) रिसर्च लैब के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए, बायोकॉन ग्रुप की चेयरमैन किरण मजूमदार शॉ ने कहा था कि हैदराबाद में 'ईज़ ऑफ लिविंग' (Ease of Living) बेंगलुरु की तुलना में बेहतर है, जिसका कारण यहाँ अपेक्षाकृत कम ट्रैफिक जाम और बेहतर बुनियादी ढाँचा है। उन्होंने कहा था, "मुझे कहना होगा कि आपने बुनियादी ढाँचे के साथ जो किया है, उसने 'ईज़ ऑफ लिविंग' को एक बेहतर अनुभव बना दिया है। अंततः किसी भी इकोसिस्टम के फलने-फूलने के लिए, यह अवसर पैदा करने और सरकारी समर्थन के बारे में है।" हालाँकि, जब से राज्य में कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभाली है, इनमें से कई पहलों को किनारे कर दिया गया है।

आलोचकों द्वारा पिछली बीआरएस सरकार की छाप मिटाने की राजनीतिक मंशा बताए जाने के कारण, वर्तमान सरकार ने न तो चल रही प्रमुख पहलों को जारी रखा है और न ही ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) की सीमाओं के भीतर जीवन की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से कोई नई योजना या नीति पेश की है।

सड़क के बुनियादी ढाँचे के अलावा, पहले के फोकस क्षेत्रों में तूफानी जल निकासी (स्टॉर्मवॉटर ड्रेन), आवास, स्ट्रीट लाइटिंग, निर्माण और विध्वंस मलबे का वैज्ञानिक निपटान और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए एक व्यापक प्रयास शामिल थे।

विभिन्न आय समूहों के नागरिकों की सेवा के लिए बस्ती दवाखाना, ओपन जिम, अन्नपूर्णा कैंटीन, खेल के मैदान, स्विमिंग पूल, स्टेडियम और मिनी विसर्जन कुंड जैसी सुविधाएँ स्थापित की गई थीं।

विशेष रूप से, अन्नपूर्णा कैंटीन में 5 रुपये की भोजन योजना कर्मचारियों, छात्रों और दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों के लिए एक वरदान साबित हुई थी। यहाँ तक कि सॉफ्टवेयर पेशेवरों को भी स्वच्छ, किफायती भोजन के लिए कैंटीन में कतार में देखा जाता था, जिससे उनके दैनिक खर्चों में काफी कमी आई थी।

हालाँकि, पिछले दो वर्षों में, इन सुविधाओं के प्रावधान और उन्नयन को नज़रअंदाज़ कर दिया गया है।इसके बजाय, कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित नई पहलों ने नागरिकों के बीच चिंता पैदा कर दी है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि मूसी कायाकल्प परियोजना को 55 किलोमीटर के दायरे में किसी भी कीमत पर शुरू किया जाएगा। इस परियोजना को रात के पर्यटन और नदी के किनारे उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया गया था, ▶10पर

2014-15 से 2022-23 तक GHMC सीमाओं में प्रमुख नागरिक सुविधाओं पर खर्चे

पहल का विवरण	खर्च (करोड़ रुपये में)
फुटपाथों का विकास और सड़कों का उन्नयन	5023.19
भूमि अधिग्रहण और सड़क चौड़ीकरण	2073
पुल, फ्लाईओवर, जंक्शन विकास	452.93
तूफानी जल निकासी (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन)	977.52
नाले, भूमि अधिग्रहण और भूमिगत जल निकासी	4115.62
SNDP (एसएनडीपी)	918.62
SRDP (एसआरडीपी)	8410
CRMP (सीआरएमपी)	1839
एलईडी स्ट्रीटलाइट परियोजना (सात वर्ष)	797.02
बस्ती दवाखाने	31.58
अन्नपूर्णा कैंटीन	247.17
सामुदायिक हॉल का निर्माण और आधुनिकीकरण	348.76

कार्टून कॉर्नर

कांग्रेस की रैली में 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगे

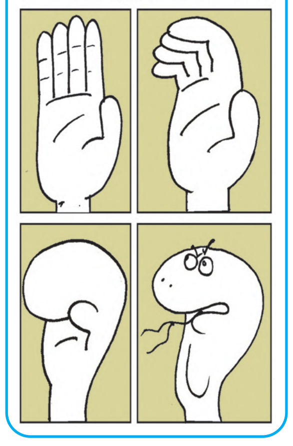

लश्कर का आतंकी था पहलगाम हमले का मास्टर माइंड, एनआईए की चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली, 15 दिसबंर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 7 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा एलईटी और उसके फ्रंट संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को भी आरोपी बनाया गया है।

एनआईए ने एलईटी/टीआरएफ को इस हमले की साजिश रचने और आतंकियों को निर्देश देने वाला कानूनी इकाई के रूप में दर्ज किया है। इस हमले में धर्म के आधार पर चुन-चुन कर की गई हत्याओं में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की जान गई थी। चार्जशीट में पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर साजिद जट्ट का नाम भी शामिल है। यह 1597 पन्नों की चार्जशीट

एनआईए की विशेष अदालत, जम्मू में दाखिल की गई है। इसके अलावा, तीन पाकिस्तानी आतंकियों को भी आरोपी बनाया गया है, जिन्हें सुरक्षा बलों ने जुलाई 2025 में श्रीनगर के डाचीगाम इलाके में ऑपरेशन महादेव के दौरान मार गिराया था। इन आतंकियों की पहचान फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है।

एनआईए ने एलईटी/टीआरएफ और इन चारों आतंकियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023, आर्म्स एक्ट 1959 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम -1967 की धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने से जुड़ी धाराएं भी लगाई गई हैं। ▶10पर

आंध्र प्रदेश में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा

नई दिल्ली, 15 दिसबंर (एजेंसियां)। सोमवार को सरकार ने राज्यसभा में बताया कि राज्य द्वारा सबसे ज्यादा वैट लगाए जाने से आंध्र प्रदेश में पेट्रोल और डीजल सबसे महंगा है। जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ईंधन की कीमतें सबसे कम हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने ईंधन की कीमतों में असमानताओं पर एक सवाल के जवाब में बताया कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 109.74 रुपये है, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इसकी कीमत 82.46 रुपये है। उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल

की अंतिम बिक्री कीमतों में केंद्र सरकार द्वारा तय एक्साइज ड्यूटी और संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा तय वैल्यू एडेड टैक्स (वैट)/टैक्स शामिल होता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग माल ढुलाई दरों और वैट के चलते पूरे देश में कीमतें अलग-अलग ▶10पर

नेपाल निर्वाचन आयोग नेआचार संहिता-2082 में नए प्रावधान जोड़े , आय-व्यय बैंकिंग प्रणाली से अनिवार्य

काठमांडू, 15 दिसंबर (एजेंसियां) । आगामी पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा सदस्य चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने सार्वजनिक निर्वाचन आचार संहिता-2082 में कुछ नए प्रावधान जोड़े हैं। नए प्रावधानों के अनुसार चुनाव से जुड़ा सभी खर्च और आय बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से ही करना होगा तथा प्रत्येक खर्च के बिल और रसीद सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, चुनावी खर्च के स्रोत में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है।

आचार संहिता के निर्वाचन खर्च संबंधी आचरण शीर्षक के अंतर्गत राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय चुनाव में होने वाले अनुमानित खर्च और उसके स्रोत का विवरण भी प्रस्तुत करना होगा। उम्मीदवारों को चुनावी खर्च के लिए बैंक या वित्तीय संस्था में अलग खाता खोलकर उसी खाते से खर्च करना अनिवार्य होगा। साथ ही, खर्च करने के लिए उम्मीदवार की ओर से एक जिम्मेदार पदाधिकारी नियुक्त करना होगा। उस पदाधिकारी का नाम-पता सहित विवरण संबंधित निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचन कार्यालय को सूचित करना भी जरूरी होगा।

प्रस्तावित आचार संहिता में यह भी उल्लेख है कि राजनीतिक दलों को चुनाव संबंधी खर्च के लिए अलग बैंक खाता खोलकर दल द्वारा नियुक्त जिम्मेदार पदाधिकारी के माध्यम से ही खर्च करना होगा। इसी तरह, 25 हजार रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता बैंक या वित्तीय संस्था के माध्यम से ही स्वीकार करनी होगी। किसी व्यक्ति या संस्था से स्वैच्छिक सहयोग के रूप में नकद राशि प्राप्त होने पर रसीद या भरपाई जारी कर उसे बैंक या वित्तीय संस्था में जमा कराना अनिवार्य होगा। आय-व्यय का पूरा विवरण तथा संबंधित बिल-भरपाई भी सुरक्षित रखनी होगी। आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार आय और खर्च का विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय या आयोग में प्रस्तुत करना होगा। यदि आयोग खर्च के बिल-भरपाई या बैंक खातों का विवरण प्रस्तुत करने का आदेश देता है, तो सभी मूल दस्तावेज जमा करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, निर्वाचन समाप्त होने के बाद निर्वाचन खर्च का विवरण सार्वजनिक कर प्रचलित चुनावी कानून में निर्धारित अवधि के भीतर आयोग या निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

कंबोडिया के साथ युद्ध : थाईलैंड ने दक्षिण-पूर्वी त्रात प्रांत में कर्फ्यू लगाया

बैंकाक। कंबोडिया के साथ लड़ाई एक विवादित सीमा क्षेत्र के तटीय इलाकों तक फैलने के बाद थाईलैंड ने अपने दक्षिण-पूर्वी त्रात प्रांत में कर्फ्यू लगा दिया। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के दो दिन बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों पक्ष लड़ाई रोकने पर सहमत हो गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने रविवार सुबह वर्तमान स्थिति पर अपडेट दिया। बैंकॉक पोस्ट ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रियर एडमिरल सुरसंत कोंगसिरी के हवाले से कहा कि थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत ही जवाबी कार्रवाई की। कंबोडिया ने पूर्वी थाईलैंड के त्राट प्रांत में ड्रोन भेजे और सुबह 4.15 बजे उत्तर-पूर्वी प्रांत सी सा केट में रॉकेट और गोले दागे। सुबह 5.15 बजे कंबोडिया ने थाईलैंड के उत्तर-पूर्व और पूर्व की पूरी सीमा पर फिर से हमले शुरू कर दिए। आरएडीम सुरसंत ने आरोप लगाया कि कंबोडिया युद्धविराम को तवज्जो नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा, 'कंबोडिया ने जैसा दावा किया था, वैसा सीजफायर नहीं किया है,' उन्होंने उस रिपोर्ट का जिक्र करते हुए यह बात कही जिसमें कहा गया था कि कंबोडिया ने मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के एक प्रस्ताव पर सहमति जताई थी, जो एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस के चेयरमैन हैं।

बांग्लादेश में चुनाव की घोषणा के बाद से हिंसक घटनाएं बढ़ी, चुनाव आयोग दफ्तर फूंका

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद देश में पहली बार चुनाव होने वाला है, आम चुनाव का शेड्यूल जारी हो चुका है और चुनावी माहौल बनते ही बांग्लादेश में बवाल शुरू हो गए हैं। हाल ही में निर्दलीय प्रत्याशी उस्मान हादी के सिर में गोली मारने की घटना सामने आई थी। इसके बाद अब खबर आ रही है कि चुनाव आयोग का दफ्तर आग के हवाले कर दिया गया है। चुनाव के ऐलान होने के बाद से अलग-अलग हिस्सों में हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। चुनावी हिंसा के ताजा मामले में लक्ष्मीपुर में चुनाव आयोग के दफ्तर को आग के हवाले कर लिया गया है। मीडिया के मुताबिक शनिवार को लक्ष्मीपुर शहर में स्थित जिला चुनाव ऑफिस में बदमाशों ने आग लगा दी। जिला चुनाव अधिकारी मोहम्मद अब्दुर रशीद ने बताया कि बदमाशों ने रात करीब 3 :30 बजे ऑफिस की खिड़कियों से पेट्रोल डालकर आग लगा दी और वहां से भाग गए। हालांकि, ऑफिस के सुरक्षा गार्ड ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझा दी। चुनाव अधिकारी रशीद ने कहा कि आग में कुछ दस्तावेज जल गए और इस बारे में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सूचना मिलने पर डिप्टी कमिश्नर, पुलिस और चुनाव अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बता दें बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। एक दिन पहले दिन दहाड़े निर्दलीय उम्मीदवार हादी को गोली मारकर घायल कर दिया था।

इजराइल का दावा- हमास के नंबर-2 चीफ राएद को मारा, गाजा में कार को निशाना बनाकर हमला किया

गाजा। गाजा सिटी में इजराइली हमले में हमास के सेकेंड-इन-कमांड राएद सईद की मौत हो गई है। इजराइली सेना ने शनिवार को यह दावा किया कि उसने गाजा सिटी में एक कार को निशाना बनाकर यह हमला किया। हालांकि, हमास ने अब तक राएद सईद की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। राएद, हमास अल-कासम ब्रिगेड का प्रमुख कमांडर था। अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि सईद हमास के हथियार बनाने वाले नेटवर्क का प्रमुख था और अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों की साजिश बनाने वालों में भी शामिल था। हमास के सूत्रों के मुताबिक राएद गाजा सिटी बटालियन का पूर्व प्रमुख भी रहा था। इजराइल का आरोप है कि सईद सीजफायर के बावजूद हमास की क्षमताओं को फिर से मजबूत करने और हथियार बनाने का काम कर रहा था, जो समझौते का उल्लंघन है। यह हमला हमास के इजराइली सैनिकों पर हमले के बाद हुआ। इसमें दो इजराइली सैनिक घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सईद को निशाना बनाने का आदेश दिया था।

एच-1बी वीजा संकट : अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन, 15 दिसंबर (एजेंसियां) । अमेरिका में कार्यरत सैकड़ों भारतीय पेशेवर इस समय गंभीर अनिश्चितता और मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दिसंबर में प्रस्तावित एच-1बी वीजा अचानक स्थगित कर दिए गए हैं, जिसके कारण कई भारतीय नागरिक भारत में ही फंसे हुए हैं। नए इंटरव्यू स्लॉट अब मार्च-अप्रैल 2026 या उससे भी आगे के लिए शिफ्ट कर दिए गए हैं। इस अप्रत्याशित फैसले से इन लोगों की नौकरियों पर सीधा खतरा मंडराने लगा है और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस संकट के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पेशेवरों ने मदद की गुहार लगाई है। इस संबंध में साझा की गई पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। पोस्ट में अमेरिका में रह रहे भारतीयों से अपील की गई है कि वे जनवरी और फरवरी के लिए उपलब्ध एच-1बी के लिए स्लॉट बुक न करें। जिन लोगों ने पहले से स्लॉट बुक कर रखे हैं, उनसे उन्हें रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि भारत में फंसे लोगों को जल्द इंटरव्यू का अवसर मिल सके और वे अपनी नौकरियों पर लौट सकें।

पोस्ट में भावुक शब्दों में लिखा गया है कि वे बेहद तनाव में हैं और उनके परिवार भी इस स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। उनके पास इंतजार करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इस अपील ने प्रवासी भारतीय समुदाय के भीतर गहरी संवेदना और सहयोग की भावना को जन्म दिया है। कई लोगों ने आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया और स्लॉट रद्द करने की पुष्टि भी की।

एक ओर अमेरिका में कुछ वर्ग एच-1बी वीजा व्यवस्था में सख्ती को स्थानीय श्रमिकों के हित में बता रहे हैं और इस कदम का समर्थन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय समुदाय ने आपसी एकजुटता और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की है। ऑनलाइन चर्चाओं में सैकड़ों प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने लिखा कि इस सहयोग को देखकर अच्छा लगा और यह दिखाता है कि मुश्किल समय में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी बताया कि लंबे समय तक भारत में रुकने से उनकी नौकरी पर खतरा बढ़ गया है। कई अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के बाहर से रिमोट काम करने की अनुमति नहीं देतीं। ऐसे में इंटरव्यू में देरी उनके करियर और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। सोमवार सुबह तक इस अपील से जुड़ी पोस्ट पर 1,300 से अधिक समर्थन प्रतिक्रियाएं और 462 से ज्यादा टिप्पणियां दर्ज की जा चुकी थीं। यह मामला सिर्फ एक वीजा संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामूहिक एकजुटता और इंसानियत की तस्वीर भी पेश करता है, जो कठिन परिस्थितियों में प्रवासी भारतीय समुदाय को एक-दूसरे के और करीब ले आती है।

अमेरिकी सैनिकों की हत्या का बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा - डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा रहे दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी सैनिकों की सीरिया में आतंकी हमले के दौरान जान चली गई। इसके बाद ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि शनिवार को हुए हमले में तीन सैनिक घायल भी हुए। उन्होंने लिखा, 'हम सीरिया में तीन अमेरिकी देशभक्तों की मौत पर दुख जताते हैं, जिनमें दो सैनिक और एक सिविलियन इंटरप्रेटर शामिल हैं। इसी तरह, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। यह सीरिया के एक बहुत खतरनाक हिस्से में हुआ, जो पूरी तरह से उनकी सरकार के कंट्रोल में नहीं है। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा इस हमले से बहुत गुस्से में और परेशान हैं। इसका बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा।' दरअसल, आतंकी संगठनों और गृह युद्ध से ग्रस्त इस अशांत क्षेत्र में अमेरिकी कर्मियों पर हमला पिछले साल दिसंबर में बशर अल-असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद सरकार में आई अहमद अल-शरा के साथ अमेरिकी सहयोग के लिए कड़ी चुनौती है। यह सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए भी एक परीक्षा है, क्योंकि एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, कथित हमलावर दमिश्क सरकार की सेनाओं का सदस्य था। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि यह क्षेत्र पूरी तरह दमिश्क के नियंत्रण में नहीं है। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, सरकारी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अमेरिका ने पलमायरा में खतरे की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जहां यह हमला हुआ।

भालू ने ली पर्वतारोही की जान, जीपीएस घड़ी ने किया अंतिम पलों का खुलासा

टोक्यो, 15 दिसंबर (एजेंसियां) । जापान के उत्तरी द्वीप होक्काइडो में भालू के हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में जान गंवाने वाले पर्वतारोही के अंतिम पलों का खुलासा उसकी जीपीएस घड़ी से हुआ, जिसने मौत से पहले की हर हलचल और दिल की धड़कन तक को रिकॉर्ड किया। यह घड़ी सैटेलाइट के जरिए न सिर्फ उसकी लोकेशन, बल्कि हार्ट रेट भी ट्रैक करती थी। घटनास्थल से बरामद इस घड़ी के डेटा ने उस भयावह संघर्ष की पूरी कहानी सामने रख दी।

मौत से पहले की हर हलचल और दिल की धड़कन तक को किया रिकॉर्ड

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 14 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे वह पर्वतारोही तय ट्रेल पर आगे बढ़ रहा था। सब कुछ सामान्य दिख रहा था, लेकिन कुछ ही पलों में हालात बदल गए। जीपीएस डेटा बताता है कि अचानक उसने ट्रेल छोड़ दिया और तेजी से नीचे जंगल की ओर बढ़ने लगा। झाड़ियों के बीच उसके कदम इधर-उधर लड़खड़ाते नजर आए, मानो वह किसी जानलेवा खतरे से बचने की कोशिश कर रहा हो। विशेषज्ञों का मानना है कि यही वह क्षण था, जब उसका सामना भालू से हुआ।

घड़ी में दर्ज हार्ट रेट के आंकड़े बताते हैं कि उस दौरान उसकी धड़कन असामान्य रूप से तेज हो गई थी, जो भय और संघर्ष की ओर इशारा करती है। कुछ ही देर बाद दिल की धड़कन रुक गई। इसका मतलब साफ था कि वहीं उसकी मौत हो गई। यह यहीं खत्म होता। कुछ घंटों बाद उसी जीपीएस घड़ी ने फिर से मूवमेंट रिकॉर्ड किया, जो कुछ सौ मीटर आगे तक गया। इससे आशंका जताई गई कि भालू दोबारा लौटा और मृत शरीर को घसीटते हुए दूसरी जगह ले गया।

15 अगस्त को अधिकारियों ने एक और दिल दहला देने वाला दृश्य देखा। एक भूरा भालू अपने दो शावकों के साथ मृत पर्वतारोही के शरीर को मुंह में दबाए ले जाता नजर आया। बाद में सुरक्षा कारणों से उस भालू और उसके दोनों शावकों को मार दिया गया। जब शव परिजनों को सौंपा गया, तो अधिकारियों ने माता-पिता से अनुरोध किया कि वे केवल चेहरे को ही देखें, क्योंकि शरीर के बाकी हिस्सों पर जख्म बहुत गहरे और डरावने थे।

मंदिर ढहा, चार लोगों की मौत

नटाल। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में एक निर्माणाधीन चार मंजिला हिंदू मंदिर ढह गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय मूल का व्यक्ति भी शामिल है। यह मंदिर शहर के उत्तर में एक पहाड़ी पर बना है। हादसे के वक्त साइट पर निर्माण मजदूरों के साथ मंदिर से जुड़े लोग भी मौजूद थे। शुरुआत में प्रशासन ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की थी, लेकिन मलबे से दो और शव निकाले जाने के बाद मृतकों की संख्या चार हो गई। मृतकों में 52 वर्षीय विकी जयराज पांडे भी शामिल हैं। वे मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य थे और निर्माण परियोजना के प्रबंधक के रूप में काम कर रहे थे। पिछले करीब दो साल से वे मंदिर के विकास कार्यों से जुड़े हुए थे। उनकी मौत की पुष्टि मंदिर से जुड़ी चैरिटी संस्था 'फूड फॉर लव' के निदेशक संवीर महाराज ने की। मंदिर को गुफा जैसे डिजाइन में विकसित किया जा रहा था। इसमें भारत से लाए गए पत्थरों और साइट पर खुदाई से निकली चट्टानों का इस्तेमाल हो रहा था। यहां भगवान नृसिंहदेव की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति स्थापित करने की योजना थी।

सिडनी हमला : आतंकियों का सामने आया पाक कनेक्शन, जांच में हुए कई बड़े खुलासे

सिडनी, 15 दिसंबर (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में स्थित सिडनी के प्रसिद्ध बोंडी बीच पर हुए भीषण हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 16 लोगों की जान चली गई। जांच में सामने आया है कि हमला करने वाले दो मुख्य आरोपी बाप-बेटे थे। उनकी पहचान साजिद अकरम (50 वर्ष) और नवीद अकरम (24 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों ने भीड़ को निशाना बनाते हुए हथियारों से हमला किया। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में साजिद अकरम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद अकरम गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस हमले में एक तीसरा व्यक्ति भी शामिल था, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक साजिद अकरम सिडनी में फलों की एक दुकान चलाता था। हमले से पहले दोनों ने अपने परिवार को बताया था कि वे वीकएंड में मछली पकड़ने की यात्रा पर जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद यह खौफनाक वारदात सामने आई। यह हमला यहूदियों के पर्व हनुक्का के दौरान आयोजित एक समारोह के समय किया गया, जिसके चलते इसे आधिकारिक तौर पर आतंकी हमला घोषित किया गया है। दोनों आरोपी पाकिस्तानी नागरिक बताए जा रहे हैं।

घटना के बाद सिडनी के पश्चिमी उपनगर बॉनीरिग स्थित उनके घर पर छापा मारा गया और कई अहम सुराग जुटाए गए। नवीद अकरम की मां ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उनका बेटा एक शांत स्वभाव का इंसान था, न तो नशा करता था और न ही किसी गलत संगत में था। उनके अनुसार नवीद घर के कामों में मदद करता था और रोजमर्रा की जिंदगी बेहद सामान्य थी।जांच में यह भी सामने आया है कि नवीद ने ऑस्ट्रेलिया के एक इस्लामिक केंद्र में शिक्षा प्राप्त की थी। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या वह किसी कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में था। फिलहाल किसी विदेशी साजिश की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह जांच की जा रही है कि कहीं इन दोनों का संबंध किसी प्रतिबंधित आतंकी संगठन से तो नहीं था।

ईरान कनेक्शन की भी जांच - जांच एजेंसियों की नजर ईरान की भूमिका पर भी है, क्योंकि हमला यहूदी त्योहार के दौरान किया गया। हाल के समय में इजरायल और यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसक गतिविधियों के संदर्भ में इस एंगल को गंभीरता से खंगाला जा रहा है।

पाकिस्तान से आई सुखद खबर, अब मुस्लिम छात्रों ने दिखाई संस्कृत में दिलचस्पी

इस्लामाबाद,15 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही राजनीतिक तनाव हो, लेकिन साझा विरासत की एक नई और सुखद तस्वीर सामने आई है। 1947 के बंटवारे के बाद पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की दो यूनिवर्सिटीज ने संस्कृत भाषा में शॉर्ट कोर्स शुरू किया है। इतना ही नहीं, भविष्य में वहां के छात्रों को हिंदू धर्मग्रंथ 'गीता' और 'महाभारत' पढ़ाने की भी योजना है। यह पहल लाहौर की सरकारी 'पंजाब यूनिवर्सिटी' और निजी संस्थान 'लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज' ने की है। दोनों संस्थानों ने इस शास्त्रीय भाषा का कोर्स लॉन्च किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साझा विरासत और पुरानी पांडुलिपियां इस कोर्स को शुरू करने के पीछे मुख्य वजह 'साझा विरासत' को सहेजना और पंजाब यूनिवर्सिटी में मौजूद संस्कृत की पुरानी पांडुलिपियों को पढ़ना है। पंजाब यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि तैयारियां पिछले साल शुरू हुई थीं, लेकिन पहला एडमिशन 2025 में हुआ। सबसे पहले एलयूएमएस ने बेसिक लेवल-1 और 2 शुरू किया, जिसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी ने भी इसे अपनाया।

बंटवारे के बाद पहली बार पंजाब प्रांत की दो यूनिवर्सिटीज ने पढ़ाई जाएगी संस्कृत

प्रोफेसर कुमार ने बताया कि 1947 के विभाजन के बाद, यहां शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा था जो इस शास्त्रीय भाषा को पढ़ा सके। उन्होंने बताया कि पंजाब यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में संस्कृत के अभिलेखागार का एक समृद्ध खजाना है, लेकिन उसका अध्ययन सबसे कम हुआ है। अब तक कोई भी स्थानीय व्यक्ति इसका उपयोग नहीं कर रहा था। संस्कृत सीखकर छात्र इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई नजर से देख पाएंगे। उन्होंने बताया कि यह कोर्स अभी भाषा की बेसिक जानकारी देता है। संस्कृत पर पकड़ बनाने के लिए एक छात्र को सात स्तर पूरे करने होंगे, जिसमें कम से कम तीन साल लगेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में यूनिवर्सिटी तीन साल का फुल-फ्लेज्ड कोर्स शुरू कर सकती है। अगर ऐसा होता है, तो तीन साल के कोर्स के बाद छात्र मूल 'गीता' और 'महाभारत' पढ़ने और समझने में सक्षम हो जाएंगे।

फिलहाल पंजाब यूनिवर्सिटी में 3 और एलयूएमएस में करीब आठ छात्र संस्कृत कोर्स में एनरोल हुए हैं। सबसे खास बात यह है कि संस्कृत सीखने के लिए दाखिला लेने वाले ज्यादातर छात्र मुस्लिम हैं, जो इस भाषा को सीखने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। यह पहल अकादमिक जगत में एक नई शुरुआत मानी जा रही है।

संजय सरावगी को मिली बिहार भाजपा अध्यक्ष की कमान

पटना, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दरभंगा के विधायक संजय सरावगी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को इसकी घोषणा की। राष्ट्रीय महासचिव ने नियुक्ति पत्र में कहा है कि जेपी नड्डा ने संजय सरावगी, विधायक, को भाजपा बिहार का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

संजय सरावगी 2005 से लगातार छह बार से बिहार विधानसभा के सदस्य हैं। पहली बार 2005 फरवरी में दरभंगा सदर विधानसभा से विधायक चुने गए। उसके बाद 2005 (नवंबर), 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार विधायक चुने गए। वैश्य जाति से आने वाले सरावगी छात्र जीवन में 10 वर्षों तक अखिल

भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभिन्न पदों पर रहे। 1999 में इन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इसके बाद 2001 में दरभंगा नगर मंडल भाजपा के अध्यक्ष रहे। विधायक संजय सरावगी 2017 में बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति रहे। फरवरी 2025 में उन्हें बिहार सरकार में राजस्व और भूमि सुधार मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।

संजय सरावगी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, सहित कई जिलों के संगठन चुनाव प्रभारी और सदस्यता प्रभारी का भी दायित्व संभाल चुके हैं। संजय सरावगी को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व द्वारा तब सौंपी गई है जब बिहार के मंत्री नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

पार्टी के भीतर संजय सरावगी को वैश्य समाज के प्रभावशाली चेहरे के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में उनका प्रदेश अध्यक्ष बनना सामाजिक संतुलन और चुनावी गणित के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है।

बता दें कि दिलीप जायसवाल के बिहार सरकार में मंत्री बनने के बाद से ही माना जा रहा था कि बिहार में अध्यक्ष की जिम्मेदारी दूसरे किसी को सौंपी जाएगी।

विश्व मानवाधिकार परिषद का राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह सम्पन्न

औरंगाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व मानवाधिकार परिषद (वीएमपी) ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह - 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि कर्नल निर्देश शाह, लेफ्टिनेंट कर्नल अमित प्रभु, उनकी बटालियन सीओ 136 टीए ईसीओ बीएन महार, और डॉ. एम. आर. अंसारी (एडवोकेट), (राष्ट्रीय अध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी), हाजी सैयद लायक (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी), एडवोकेट ज्योति तोषनीवाल-मालू (महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष, डब्ल्यूएचआरसी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य पदाधिकारियों की प्रतिष्ठित उपस्थिति में प्रतिष्ठित वीएमपी भारत गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया।यह पुरस्कार हैदराबाद के डॉ. वेदला श्रीनिवास (मानद) को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान और समर्पित सेवा की पहचान के रूप में प्रदान किया गया।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की अध्यक्ष संगीता बरुआ पिशारोती की भारी मतों से जीत

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए संगीता बरुआ पिशारोती भारी मतों से जीत गईं। उल्लेखनीय है प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के सात दशक के इतिहास में यह पहला मौका है जब एक महिला अध्यक्ष चुनी गई। यह सचमुच हमारे लिए गर्व की बात है । क्लब के अन्य सभी पदों पर भी उनका पैनल विजयी रहा। अफ़ज़ल इमाम महासचिव चुने गए। इसके अलावा जतिन गांधी उपाध्यक्ष, पीआर सुनील कुमार संयुक्त सचिव और अदिति राजपूत कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। इस बार चुनाव में उल्लेखनीय बात यह भी रही कि 'भक्ति मार्गी' पत्रकारों के समूह ने किसी भी पद के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारा। इससे पहले कई सालों से यह समूह लगातार अपनी कोशिशों में नाकाम होता आ रहा था।

बहरहाल प्रेस क्लब की नव निर्वाचित टीम को इस उम्मीद के साथ बधाई कि वह प्रेस क्लब के कामकाज को सुचारू रूप से संचालित करते हुए रचनात्मक और सकारात्मक गतिविधियों को तेज करने की दिशा में काम करेगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर टली सुनवाई, 7 जनवरी को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई। इस मामले में शीर्ष अदालत अब 7 जनवरी, 2026 को सुनवाई करेगी। गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत को अवैध बताया है। याचिका में कहा गया कि उनके पति को बिना ठोस आधार के हिरासत में रखा गया है। उन्होंने इसे कानून का दुरुपयोग के साथ-साथ मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने उनसे याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा था।आपको बताते चलें,

अंगमो ने अपनी नई पिटीशन में कहा है कि डिटेंशन ऑर्डर बिना सोचे-समझे पास कर दिया गया था और एनएसए के तहत जरूरी प्रोसीजरल सेफगार्ड्स का पालन नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा है कि अधिकारियों ने जल्दबाजी में काम किया है, समय पर और सही तरीके से डिटेंशन के सही कारण नहीं बताए, जिससे वांगचुक को अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला।

गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे। बाद में, 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने न्यायिक जांच की मांग उठाई थी।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र दुनिया के लिए बनेगा मिसाल : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत ने बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पिछले 11 वर्षों में भारत के ऊर्जा क्षेत्र की यात्रा इस बात का सबूत है कि साहसिक सोच, ईमानदारी और लगातार प्रयास एक राष्ट्र की तकदीर बदल सकते हैं। गोयल ने कहा कि यह बदलाव संयोग नहीं, बल्कि स्पष्ट विजन और लगातार प्रयासों का परिणाम है। भारत अब बिजली की कमी से बिजली सुरक्षा और आगे बिजली स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, हमारा ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक उदाहरण बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जबकि कोयला आयात लगभग 8 प्रतिशत घटा। सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 सालों में 46 गुना बढ़ी, इसमें भारत अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 2014 के 21

गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट हो गई।गोयल ने कहा कि भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बन चुका है और अपनी रिफाइनिंग क्षमता को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके अलावा, देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन स्वीकृत की गई, जिसमें से 25,923 किलोमीटर काम कर रही है। इन सभी उपायों से भारत का ऊर्जा नेटवर्क और भी मजबूत हो रहा है, जो भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करेगा।उन्होंने शांति विधेयक का भी जिक्र किया, जिसका उद्देश्य निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भाग लेने की अनुमति देना है।

गोयल ने आगे बताया कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सफलता 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ, सभी तक बिजली पहुंच है। भारत ने सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचाई है। इसके साथ ही, उजाला योजना के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं, जिससे बिजली के बिलों में कमी आई और कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है।दूसरा स्तंभ सस्ती बिजली है। भारत सरकार ने सौर, पवन और अन्य साफ ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, ईथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को 2030 से पहले ही 20 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया।तीसरा स्तंभ बिजली की उपलब्धता है। भारत ने 2013 में जहां 4.2 प्रतिशत बिजली की कमी अनुभव की थी, वही अब यह कमी 2025 तक 0.1 प्रतिशत रह गई है। इसके साथ ही, देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा किया।चौथा स्तंभ आर्थिक स्थिरता है। पीएम-उदय योजना के तहत बिजली वितरण कंपनियों में सुधार हुआ है और डिस्कॉम की देनदारी को 1.4 लाख करोड़ रुपए से घटाकर 6,500 करोड़ रुपए कर दिया गया है।पांचवां और आखिरी स्तंभ सतत विकास और वैश्विक जिम्मेदारी है। भारत ने पेरिस समझौते के लक्ष्य को पूरा किया है और अब देश की 50 प्रतिशत बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन से आ रही है।

दिल्ली ब्लास्ट मामला: अल फलाह यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जावेद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत 20 तक बढ़ी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) केस में अल फलाह यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर जावेद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत को साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। अदालत ने यह आदेश मामले की गंभीरता और जांच की स्थिति को देखते हुए दिया। जावेद अहमद सिद्दीकी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और प्रवर्तन एजेंसियां उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही हैं।

साकेत कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है और आर-ोपों की प्रकृति को देखते हुए न्यायिक हिरासत बढ़ाना जरूरी है।इससे पहले 12 दिसंबर को मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था। इनमें डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद शामिल थे। इन सभी को उनकी पिछली हिरासत अवधि पूरी होने के बाद अदालत के सामने पेश किया गया था। कोर्ट ने सुनवाई के बाद चारों आरोपियों को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था।एनआईए ने अदालत को बताया था कि आर-ोपी डॉ. मुजम्मिल, डॉ. उमर नबी, आदिल अहमद, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और इरफान अहमद मिलकर एक बड़ी साजिश रच रहे थे। एजेंसी के अनुसार, इस मॉड्यूल का उद्देश्य राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर अशांति फैलाना और संवेदनशील इलाकों को निशाना बनाना था। जांच में यह भी सामने आया है कि कार में हुए विस्फोट को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी था।

इंडी अलायंस के नेताओं को बार-बार बयान नहीं बदलने चाहिए : रोहन गुप्ता

हिमाचल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग अब जोर पकड़ने लगीज्वालामुखी। हिमाचल प्रदेश में मंदिरों के प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने को लेकर बहस छिडी है। हिमाचल प्रदेश में भी हिमाचल

प्रदेश मंदिर प्रबंधन बोर्ड के गठन की मांग जोर पकड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश में हिन्दू सार्वजनिक संस्थान एवं पूर्व विन्यास अधिनियम के तहत मंदिरों का सरकार ने अधिग्रहण किया था। जिसका मकसद मंदिरों में व्यवस्था को पारदर्शी बनाना, व्यवस्था में सुधार लाकर श्रद्धालुओं के लिये बेहतर माहौल तैयार करने के अलावा पूजा पाठ में सुधार लाने की बात थी। लेकिन मंदिरों के लिये मौजूदा व्यवस्था दोषपूर्ण बताया जा रहा है। चूंकि मंदिरों में सरकारी दखल बढ़ता जा रहा है।

हिमाचल में मंदिर आज पूजा पाठ नहीं,बल्कि राजनीति के अखाड़ा बनते जा रहे हैं। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के प्रबंधन ट्रस्ट बन रहे हैं, ऐसे लोग मनोनीत किये जा रहे हैं। जिनका सार्वजनिक जीवन में दूर तक कोई नाम नहीं है। मंदिरों में विधायकों की मर्जी के बिना कोई पत्ता तक नहीं हिला सकता। मंदिरों के प्रबंधन के लिये बनाये गये ट्रस्ट में शामिल होने वाले लोगों के लिये भी कोई ठोस नीति नहीं है। कि किस आधार पर उनका चयन हो।हिमाचल प्रदेश के करीब 52 हिन्दू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। जिनका प्रबंधन सरकार देखती है। लेकिन अब इसी व्यवस्था का विरोध होने लगा है। सरकार से मंदिर प्रबंधन में सुधार करने की मांग करने लगे हैं। दलील दी जा रही है कि तिरुपति से लेकर वैष्णो देवी तक मंदिरों में बेहतरीन व्यवस्था है। व अब उत्तराखंड के बाद अयोध्या का नया उदाहरण सबके सामने है।हिमाचल प्रदेश में सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों का जिम्मा प्रदेश भाषा विभाग के पास है। लेकिन जिलाधीश के पास इनका नियंत्रण है। जिलाधीश को मंदिर कमीशनर की जिम्मेवारी अतिरिक्त तौर पर दी गई है। व स्थानीय स्तर पर एसडीएम मंदिर न्यास के चेयरमैन हैं। वहीं मंदिर अधिकारी राजस्व महकमे से डेपुटेशन पर आये तहसीलदार हैं। किसी भी विभाग के पास मंदिरों का नियंत्रण नहीं है।

गोवा रेस्टोरेंट अग्निकांड में जांच तेज

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोवा पुलिस ने बताया कि बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा मंगलवार को थाईलैंड से दिल्ली पहुंच सकते हैं। दिल्ली पहुंचते ही दोनों भाइयों को गोवा पुलिस हिरासत में ले लेगी। थाई अधिकारियों ने भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अनुरोध पर जारी किए गए इंटरपोल ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर लूथरा भाइयों को हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए जाने के बाद, दोनों को ट्रांजिट रिमांड के लिए दिल्ली की एक अदालत में पेश किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें नाइटक्लब में लगी भीषण आग की घटना के सिलसिले में आगे की जांच के लिए गोवा लाया जाएगा।चल रही जांच के तहत, पुलिस आबकारी विभाग के अधिकारियों के बयान दर्ज कर रही है।इससे पहले, दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को सौरभ और गौरव लूथरा की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।सुनवाई के दौरान, गोवा पुलिस के वकील अभिनव मुखर्जी ने दलील दी कि भाइयों ने कारोबार में अपनी कम भागीदारी का झूठा दावा किया था और कहा था कि उनकी विदेश यात्रा पहले से प्लान थी।हालांकि, पुलिस ने इन दावों का खंडन करने के लिए कोर्ट के सामने कई दस्तावेज़ पेश किए, जिनमें सौरभ लूथरा द्वारा दायर एफएसएसएआई एप्लीकेशन, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड एप्लीकेशन और जीएसटी रिकॉर्ड शामिल थे, जिनमें दोनों भाइयों और अजय गुप्ता को कारोबार में पार्टनर के तौर पर लिस्ट किया गया था।लाइसेंस एग्रीमेंट को भी सबूत के तौर पर पेश किया गया ताकि यह दिखाया जा सके कि भाइयों के पास उस जगह को चलाने की इजाजत नहीं थी।अभियोजन पक्ष ने आगे कहा कि दोनों भाइयों ने आग लगने के तुरंत बाद, सुबह करीब 1.15 बजे की फ्लाइट बुक की और सुबह 5 बजे थाईलैंड के लिए निकल गए, इस कदम को गिरफ्तारी से बचने की कोशिश बताया गया।जांचकर्ताओं ने कहा कि लूथरा भाई नाइटक्लब में आग लगने की घटना के तुरंत बाद थाईलैंड चले गए, जिसमें 7 दिसंबर की सुबह 25 लोगों की मौत हो गई थी।अरपोरा नदी के बैकवाटर के पास स्थित क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की जान चली गई, जिसमें चार टूरिस्ट और 14 स्टाफ मेंबर शामिल थे।

ग्वालियर के तानसेन समारोह में होगा सुर, ताल और राग का संगम

ग्वालियर, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्य प्रदेश की संगीतधानी ग्वालियर में सोमवार की रात से तानसेन समारोह की शुरुआत होने वाली है। इस समारोह में 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक सुर, ताल और राग का संगम होगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार की देर शाम करेंगे। आयोजन में विभिन्न ख्यातिनाम कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से संगीत सम्राट तानसेन को याद करेंगे। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव 'तानसेन संगीत समारोह' की बेला आ गई है। ग्वालियर की फिजाएं अगले पांच दिनों तक सुर, ताल व राग की बारिश में सराबोर रहेंगी। तानसेन समारोह का यह 101वां आयोजन है। ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग से पूरी दुनिया को शून्य का परिचय करा रहे 'चतुर्भुज मंदिर' की थीम पर तानसेन समाधि के समीप बने भव्य एवं आकर्षक मंच पर सोमवार को सांध्य बेला में समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे।

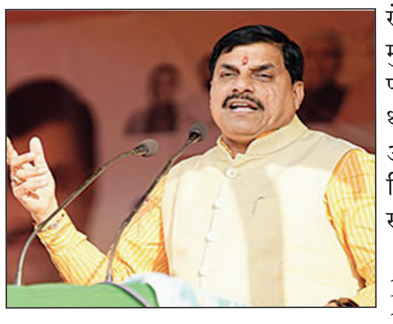

इस समारोह में देश और दुनिया के ब्रम्हनाद के शीर्षस्थ साधक संगीत सम्राट तानसेन को स्वरांजलि अर्पित करेंगे। तानसेन समारोह के शुभारंभ के साथ राष्ट्रीय तानसेन अलंकरण एवं राजा मानसिंह तोमर सम्मान समारोह का आयोजन भी होगा।

प्रख्यात शास्त्रीय गायक पं. राजा काले मुंबई को वर्ष 2024 एवं सुविख्यात संतूर वादक पं. तरुण भट्टाचार्य को वर्ष 2025 के तानसेन अलंकरण से विभूषित किया जाएगा। इसी तरह मण्डलेश्वर की साधना परमार्थिक संस्थान समिति को वर्ष 2024 एवं ग्वालियर की रागायन संगीत समिति को वर्ष 2025 का राजा मानसिंह तोमर सम्मान से अलंकृत किया जाएगा।

शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश और दुनिया के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव तानसेन समारोह में इस बार अलग ही रंग भरे गए हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्य सभाओं के लिए ग्वालियर किले पर स्थित ऐतिहासिक चतुर्भुज मंदिर की थीम पर बनाए गए भव्य मंच पर अतिथियों द्वारा औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद सांगीतिक सभाओं की शुरुआत होगी।

तानसेन संगीत समारोह में इस साल 10 संगीत सभाएं होंगी। पहली सभा 15 दिसंबर को सायंकाल तानसेन समाधि परिसर में बनाए गए भव्य मंच पर सजेगी। इसके बाद हर दिन यहीं पर प्रातः एवं सायंकालीन सभाएं होंगी। समारोह के तहत 18 दिसंबर को प्रातः काल 10 बजे से दो संगीत सभाएं समानांतर रूप से सजेंगीं। यह सभाएं तानसेन समाधि स्थल के मुख्य मंच और मुरैना जिले के सुप्रसिद्ध बटेश्वर मंदिर परिसर में संगीत सभा सजेगी।

समारोह के आखिरी दिन, यानी 19 दिसंबर को प्रातः कालीन सभा संगीत शिरोमणि तानसेन की जन्मस्थली बेहट में और इस साल के समारोह की अंतिम संगीत सभा सायंकाल गूजरी महल परिसर में सजेगी।

सिंहावलोकन 2025 : नए साल में पुरानी फिल्मों का दबदबा, 2016 की फ्लॉप फिल्म रही सुपरहिट

साल 2025 बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा के लिए शानदार रहा। नई फिल्में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पुरानी क्लासिक्स और कल्ट फिल्मों की री-रिलीज ने सिनेमाघरों को गुलजार रखा। दर्शकों का पुरानी फिल्मों से भावनात्मक लगाव इतना गहरा निकला कि कई ऐसी फिल्में, जो पहली रिलीज पर फ्लॉप हो गई थीं, इस बार सुपरहिट रहीं। नॉस्टैल्जिया वेव की सफलता बताती है कि दर्शक बड़े पर्दे पर यादें फिर से जीना चाहते हैं। सनम तेरी कसम :- साल की सबसे बड़ी सफलता रही हर्षवर्धन राणे और मावरा होकाने की 'सनम तेरी कसम'। साल 2016 में रिलीज हुई यह ट्रैजिक रोमांटिक ड्रामा उस समय फ्लॉप हो गई थी। बॉक्स ऑफिस पर महज 9 करोड़ के आसपास कमाकर दम तोड़ने वाली फिल्म इस साल वैलेंटाइन वीक में री-रिलीज हुई और कमाल दिखाया। ओपनिंग डे पर 4.50 करोड़ की कमाई और टोटल कलेक्शन 40 करोड़ के पार पहुंची। अधूरी प्रेम कहानी, इमोशनल सीन्स और ट्रैजिक लव स्टोरी दर्शकों को थिएटर खींच लाई।

ये जवानी है दीवानी:- नए साल की शुरुआत में 3 जनवरी को रणबीर कपूर-दीपिका पादुकोण की 'ये जवानी है दीवानी' थिएटर में फिर से लौटी। दोस्ती, प्यार, ट्रैवल और सपनों की यह रोम-कॉम मूवी दर्शकों को खूब पसंद आई। री-रिलीज में 20 करोड़ से ज्यादा की कमाई की।

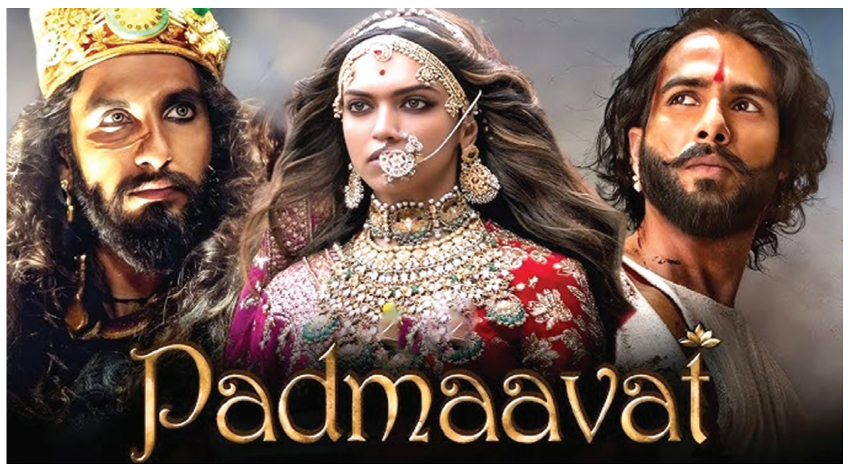

खास बात है कि फिल्म की कहानी के साथ ही 'बदतमीज दिल' और 'कबीरा' जैसे गाने भी दर्शकों को उतने ही फ्रेश लगे, जितनी कहानी।

अंदाज अपना अपना :- कल्ट कॉमेडी 'अंदाज अपना अपना' एक बार फिर से दर्शकों को हंसाने के लिए थिएटर में उतरी। आमिर खान-सलमान खान स्टारर साल 1994 की यह फिल्म पहली बार फ्लॉप थी। 4के वर्जन में री-रिलीज हुई तो दर्शकों का खासा प्यार मिला।

नमस्ते लंदन:- होली के मौके पर इस साल विपुल अमृतलाल शाह निर्देशित 'नमस्ते लंदन' भी फिर से रिलीज हुई। अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, ऋषि कपूर, क्लाइव स्टैंडन और जावेद शेख स्टारर यह फिल्म भारतीय कल्चर, परिवार और प्यार की यादें ताजा कर गई। एनआरआई दर्शकों ने भी फिल्म को खूब पसंद किया।

रंगीला :- इस साल रिलीज हुई फिल्मों की लिस्ट में उर्मिला मातोंडकर, जैकी श्रॉफ और आमिर खान स्टारर रंगीला का भी नाम शामिल है। 28 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

शोले :- हीमैन धर्मेंद्र के निधन (24 नवंबर) के बाद उनकी सबसे आइकॉनिक फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में फिर से रीलीज हुई। 12 दिसंबर को रिलीज हुई 'शोले: द फाइनल कट' 4के रिस्टोर्ड वर्जन में आई। दर्शकों ने खचाखच भरे थिएटरों में फिल्म देखी। वीरू बनकर धर्मेंद्र की जोड़ी जय (अमिताभ बच्चन) के साथ अमर हो गई। 1 हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज यह फिल्म धर्मेंद्र के लिए ट्रिब्यूट थी।

इन फिल्मों के अलावा, 'घूमर', रजनीकांत स्टारर 'पदयप्पा' की सुपरस्टारडम, रेखा की 'उमराव जान' की क्लासिक अदाकारी, 'धड़कन' की इमोशनल लव ट्रायंगल, 'जो जीता वही सिकंदर' की यूथ एनर्जी, और 'बाहुबली' की एपिक स्केल ने दर्शकों को बांधे रखा। आयुष्मान खुराना-यामी गौतम की 'विक्की डोनर' ने स्पर्म डोनेशन जैसे टैबू पर हंसाया-रुलाया।

राधिका आप्टे की 'हंटर', आलिया भट्ट-रणदीप हुड्डा की 'हाईवे' की खास जर्नी, संजय लीला भंसाली की 'पद्मावत', करिश्मा-सलमान की 'बीवी नंबर-1' ने भी अच्छी भीड़ खींची। वहीं, रोमांस लवर्स के लिए 'कहो ना प्यार है' ने ऋतिक की डेब्यू मैजिक याद दिलाई, 'कल हो ना हो' ने शाहरुख की इमोशनल जर्नी, 'लैला मजनू' ने इंटेंस लव स्टोरी, 'रॉकस्टार' ने रणबीर की म्यूजिकल सोल जर्नी, और 'रहना है तेरे दिल में' ने स्वीट रोमांस को सिनेमाघरों में फिर से दिखाया।

क्राइम और ड्रामा में अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने गैंगस्टर सागा की रॉ एनर्जी, 'तुम्बाड' ने हॉरर-फैंटसी की मास्टरपीस वाइब, 'सत्या' ने मनोज बाजपेयी की अंडरवर्ल्ड क्लासिक, और 'करण अर्जुन' ने शाहरुख-सलमान स्टारर फिल्म का धमाल दिखाया।

अहमदाबाद दौरे पर कार्तिक आर्यन का दिल के आकार की जलेबी पर आया दिल

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अहमदाबाद में अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन के दौरान स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। इस दौरान वह दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा का आनंद लेते नजर आए, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया। कार्तिक ने इस खास पल की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हुए और फिर उसका स्वाद लेते दिख रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से भरी प्लेट दिखाते नजर आए। इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए कार्तिक ने तलविंदर के गाने तेनु ज़्यादा मोहब्बत कर बैठे का जिक्र किया, जो उनकी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के साउंडट्रैक का हिस्सा है।

बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं, लेकिन पारिवारिक दबाव उनके रिश्ते की परीक्षा लेता है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ गाना तेनु ज़्यादा मोहब्बत प्यार के उस नाज़ुक और दर्दभरे पहलू को दर्शाता है। इस ट्रैक पर बात करते हुए कार्तिक ने कहा था कि दिल टूटना भी प्यार का एक रंग है। फिलहाल फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इस वर्ष 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

10 साल की डेटिंग के बाद कैसे शिलादित्य ने किया था श्रेया घोषाल को प्रपोज

'इंडियन आइडल' के सेट पर सुनाया किस्सा

4 साल की उम्र में संगीत की साधना कर रही प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल आज सुरों की मल्लिका बन चुकी हैं। सिंगल बॉलीवुड में हिट सॉन्ग देने के साथ-साथ सिंगिंग रियलिटी शो में बतौर जज के तौर पर दिखती हैं। अब उन्होंने 'इंडियन आइडल' शो में अपनी लव स्टोरी के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके बचपन के दोस्त शिलादित्य मुख-ोपाध्याय ने उन्हें प्रपोज किया। 'इंडियन आइडल' के मंच पर रोमांस की बातों ने शो के माहौल को बदल दिया। शो में होस्ट आदित्य ने श्रेया से पूछा कि कैसे उन्हें शिलादित्य ने प्रपोज किया था। इसपर सिंगर ने कहा कि हम पहले से एक दूसरे को जानते थे और एक दिन उन्होंने तय किया कि आज मैं पूछता ही लेता हूं, लेकिन वो बहुत साधारण सवाल था, क्योंकि मेरा जवाब पहले ही 'हां' ही होने वाला था। फिर एक दिन हम लोग अपने दोस्त की शादी में गए और उन्होंने अचानक से शादी के लिए प्रपोज किया और मेरा जवाब वही था।

उन्होंने कहा कि पता होने के बावजूद भी वो पल हमारे लिए बहुत खास था। शो में सिंगर पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति भी मौजूद थीं। उन्होंने अपनी लव स्टोरी बताते हुए कहा कि मैं घर पर बहुत लाड़-प्यार से पली थी और प्यार-मोहब्बत जैसी चीजों से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन जब पहली बार सुब्रमण्यम जी के घर पहुंची थी, तो अहसास हुआ कि इस घर में मेरे लिए खास जगह है। उन्होंने सामने से मुझे प्रपोज किया और मैंने 'हां' कर दी, लेकिन अगर वे सवाल नहीं करते, तो मैं अपनी गरिमा के साथ अलग अपनी जिंदगी जीती। बता दें कि सिंगर ने प्रसिद्ध वायलिन वादक और संगीतकार एल. सुब्रमण्यम से साल 1999 में शादी की थी। संगीतकार एल. सुब्रमण्यम की ये दूसरी शादी थी।

बात अगर श्रेया घोषाल की करें तो उनकी शादी उनके बचपन के दोस्त और इंजीनियर शिलादित्य मुखोपाध्याय के साथ हुई थी। उन्होंने साल 2015 में 10 साल की डेटिंग के बाद शादी की थी। शिलादित्य ने गोवा में एक शादी के दौरान प्रपोज किया था, जब तक वे रिंग निकालने की हिम्मत जुटा रहे थे, तब तक श्रेया को गिलहरी दिखाने के बहाने बिजी रखते रहे। जिसके बाद कपल ने बंगाली रीति-रिवाज के साथ विवाह संपन्न किया था और आज एक बच्चे के माता-पिता हैं।

किस किसको प्यार करूं 2 से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू, मां की बातों को याद कर हुईं भावुक

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है। अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है।

क्लासिक कल्ट फिल्म शोले में गब्बर बनने के लिए अमजद खान ने की खूब मेहनत, धोबी से ली थी प्रेरणा

क्लासिक कल्ट फिल्म 'शोले' सिनेमाघरों में शुक्रवार को री-रिलीज हो गई है। यह एक ऐसी ऐतिहासिक फिल्म रही, जिसके हर किरदार का अपना वजूद रहा। फिल्म के हर किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म में 'गब्बर' बने अभिनेता अमजद खान ने इस किरदार को अमर कर दिया। उन्होंने इस रोल के लिए बहुत मेहनत की थी। पर्दे पर विलेन बनकर डराने वाले 'गब्बर' असल जिंदगी में बेहद शांत और सुलझे हुए इंसान थे। अमजद फिल्म में 'गब्बर' के रोल के लिए पहली पसंद नहीं थे। अमजद खान से पहले 'गब्बर' के रोल के लिए रमेश सिप्पी ने डैनी डेन्जोंग्पा को चुना था, लेकिन वह पहले ही फिल्म 'धर्मात्मा' के लिए 'हां' कर चुके थे और उस वक्त सकारात्मक रोल निभाना चाहते थे। उन्होंने फिल्म के रिलीज के समय भी कहा था कि उन्हें 'शोले' ठुकराने का कोई अफसोस नहीं है। इसके बाद मेकर्स ने प्रेमनाथ को 'गब्बर' के रोल के लिए साइन करने की सोची, लेकिन प्रेमनाथ को लेकर शूटिंग के दौरान फैली बातों की वजह से मेकर्स नए गब्बर की तलाश में निकल पड़े।

अमजद खान और रमेश सिप्पी की पहली मुलाकात थिएटर में हुई थी। रमेश सिप्पी अपनी बहन के कहने पर अमजद खान का शो देखने पहुंचे थे। मंच पर अमजद खान की कद-काठी और चेहरे के हाव-भाव देखकर उन्हें 'गब्बर' के रोल के लिए चुना। अमजद खान के लिए ऐसी बड़ी फिल्म मिलना खुशी के साथ-साथ चुनौती भी थी। उन्होंने 'गब्बर' के किरदार को समझने के लिए बहुत तैयारी की।

'गब्बर' के किरदार को जीवंत करने के लिए अमजद खान ने पिता से सलाह ली। उन्होंने अपने पिता जयंत से किरदार के बारे में बात की और उन्होंने डाकुओं पर आधारित किताबें पढ़ने की सलाह दी। अमजद ने तरुण कुमार भादुड़ी की किताब 'अभिशप्त चंबल' पढ़ी और डाकुओं के पहनावे से लेकर उनकी चाल-ढाल को समझा और डायलॉग डिलीवरी को परफेक्ट बनाने के लिए धोबी की आवाज का सहारा लिया, जो उनके घर पर आया करता था। उन्होंने 'अरे ओ सांभा' का लहजा धोबी की आवाज से प्रेरित होकर ही लिया था। वे अपने लुक को बेहतरीन बनाने के लिए दांतों को काला करते थे, जिससे उनके किरदार का लुक अच्छे से निखर कर आ सके।

स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने किया याद

मंथन, भूमिका, गमन, चक्र, और 'बाजार' जैसी यादगार फिल्मों में काम कर भारतीय सिनेमा में अपने अभिनय की छाप छोड़ चुकी अभिनेत्री स्मिता पाटिल की पुण्य तिथि शनिवार को है। इस मौके पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर स्मिता पाटिल की तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, अभिनेत्री स्मिता पाटिल की पुण्यतिथि पर हम उन्हें याद करते हैं। वह हमारे दिल में सदैव रहेंगी। स्मिता अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती थीं। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अभिनेत्री एक न्यूज चैनल में बतौर एंकर कार्यरत थीं।

अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत 1975 की फिल्म 'चरणदास चोर' से की थी। इसके बाद स्मिता ने कई फिल्मों में काम किया, जिसके लिए उन्हें साल 1985 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। 1982 में 'भीगी पलके' की शूटिंग के दौरान स्मिता और राज की मुलाकात हुई थी, जो बाद में प्यार में बदल गई।

फिर कुछ सालों के बाद अभिनेत्री ने अभिनेता ाज बब्बर के साथ शादी की थी। हालांकि, प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशन के कारण उन्होंने 13 दिसंबर 1986 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

कहा जाता है कि स्मिता चाहती थी कि मरने के ाद उन्हें सुहागन की तरह सजाया जाए। अभिनेत्री क मेकअप आर्टिस्ट ने उनके निधन के बाद दुख ाहिर करते हुए कहा था, जब उनका निधन हुआ ा, तब उनकी मां ने मुझे मेकअप किट दी और ुझसे कहा कि ये उनकी इच्छा थी कि वह सुहागन क रूप में जाएं। मैं रोने लगा और उनका मेकअप किया। मैंने उनका अंतिम मेकअप किया था और न्हें दुल्हन की तरह सजाया था।

अभिनेता जैकी श्रॉफ की बात करें, तो वे जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगे। फिल्म में जैकी के अलावा, नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही आज से शुरू हो जाएगा खरमास

ग्रहों के राजा सूर्यदेव 16 दिसंबर को सुबह 4:18 मिनट पर सूर्य वृश्चिक राशि को छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही भगवान विष्णु के प्रिय धनुर्मास (खरमास) की शुरुआत होगी। इस दौरान सूर्य के कमजोर पड़ने से विवाह, मुंडन सहित सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लगेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्यदेव हर माह राशि परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष में सूर्यदेव को ग्रहों का राजा, पिता और आत्मा का कारक ग्रह माना गया है। सूर्य के राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर पड़ता है।

ज्योतिर्विज्ञान में सूर्य को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। सूर्य के शुभ असर से सेहत संबंधी परेशानी दूर होती है। आत्मविश्वास बढ़ता है। सरकारी काम पूरे हो जाते हैं। जॉब और बिजनेस में तरक्की मिलती है। बड़े लोगों और अधिकारियों से मदद मिलती है और सम्मान भी बढ़ता है। सूर्य के अशुभ असर के कारण नौकरी और बिजनेस में रुकावटें आती हैं। नुकसान भी होता है। बड़े लोगों से विवाद हो सकता है। आंखों से संबंधित परेशानी होती है। सिरदर्द भी होता है। कामकाज में रुकावटें आती हैं। विवाद और तनाव भी रहता है। सूर्य हर माह में राशि परिवर्तन करते हैं। सूर्य देव को ज्योतिष में विशेष स्थान प्राप्त है। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों का सोया हुआ भाग्य भी जाग जाएगा। ज्योतिष में सूर्य को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। सूर्य को आत्मा और पिता का कारक भी कहा गया है। सूर्य शुभ होने पर व्यक्ति को उच्च पद की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य को सिंह राशि का स्वामी माना गया है। मेष इसमें उच्च माना जाता है। वहीं सूर्य तुला राशि में नीच का हो जाता है।

प्रतिष्ठा में वृद्धि–सूर्य सूर्य की धनु संक्रांति विशेष मानी जाती है, क्योंकि धनु राशि के स्वामी बृहस्पति हैं और सूर्य का बृहस्पति से सम संबंध है। दोनों की साक्षी में धर्म से जुड़े सभी वैदिक कार्य उत्तम फलदायी माने गए हैं। इसलिए धनुर्मास के एक माह 16 दिसंबर से 14 जनवरी तक भगवत पारायण, व्रत, उपवास आदि धार्मिक कार्य किए जा सकते हैं। इससे भक्त को रोग, दोष, ताप से मुक्ति मिलती है तथा भाग्य में आने वाले अवरोध समाप्त होते हैं। पराक्रम प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है आत्मविश्वास प्रबल होता है और पूर्व के ज्ञात अज्ञात दोषों से निवृत्ति होती है।

अग्नि पुराण–भारतीय सनातन धर्म परंपरा में 18 महापुराणों का उल्लेख मिलता है। इनमें से अग्नि पुराण में सूर्य की उत्पत्ति तथा उपासना के संबंध में विशेषता को प्रकट की गई है। पौराणिक मान्यता यह कहती है कि धनुर्मास में अधिक से अधिक धर्म और आध्यात्म के कार्य करना चाहिए, जिससे आत्म उत्थान के साथ-साथ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति होती है। धनुर्मास में की गई देव आराधना प्रशासनिक व राजनीतिक क्षेत्र में इच्छित सफलता प्रदान करती है।

इस माह में 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा का विशिष्ट लाभ प्रदान करती है।

सूर्य का गोचर – सूर्य एक राशि में लगभग 30 दिनों तक रहता है। फिर सूर्य दूसरी राशि में गोचर करता है। 30 दिनों के बाद 12 राशियां बदलने का मतलब है कि सूर्य का पारगमन एक कैलेंडर वर्ष में 12 बार होता है। सूर्य के गोचर का प्रभाव आपकी चंद्र राशि पर निर्भर करता है। मूल रूप से जन्म के चंद्रमा से तीसरे, छठे, दसवें और ग्यारहवें भाव में स्थित सूर्य जातक को अच्छे परिणाम देता है। लेकिन अन्य भावों में सूर्य जातक को प्रतिकूल परिणाम दे सकता है। सूर्य अधिकार, शक्ति, पिता और सम्मान का ग्रह होने के कारण करियर और वैवाहिक जीवन पर एक अलग प्रभाव डालता है जहां जातक को करीबी लोगों के साथ बातचीत करनी होती है। सूर्य का सकारात्मक गोचर सभी रिश्तों और कार्यस्थलों में दूसरों पर बढ़त हासिल करने में असाधारण परिणाम दे सकता है। उसी प्रकार सूर्य का प्रतिकूल गोचर जातक को कमजोर और दूसरों के दबाव के आगे झुक सकता है।

देश–दुनिया पर असर– धनु राशि में सूर्य के आने से शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होंगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय – भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुड़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें। भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

सूर्य के धनु राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष : सूर्य गोचर से सबसे ज्यादा शुभ फल मिलेगा। इससे पिछले कुछ समय से चल रही परेशानियों से राहत मिल जाएगी।

वृषभ : इस राशि के जातकों को सूर्य के धनु राशि में रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इस दौरान विचार-विमर्श कर नई योजना बनाएं।

मिथुन : नौकरी-व्यवसाय करने वालों के लिए यह अच्छा समय है। इस दौरान पारिवारिक जीवन भी अच्छा रहने के योग बन रहे हैं।

कर्क : इस दौरान शत्रुओं पर विजय मिलेगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धर्म कार्य में हिस्सा लेंगे।

सिंह : इस राशि वालों के लिए सूर्य गोचर सामान्य रहेगा। वैवाहिक जीवन और संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। गुस्से में वृद्धि हो सकती है।

कन्या : इस दौरान पारिवारिक जीवन में तनाव आ सकता है। तनाव की स्थिति में क्रोध पर नियंत्रण रखकर इसके निराकरण के उपाय पर विचार करना हितकर रहेगा।

तुला : इस राशि वालों के पराक्रम में वृद्धि होगी। साहसिक कदम से व्यापारिक क्षेत्र में लाभ की स्थिति निर्मित हो सकती है।

वृश्चिक : सूर्य के राशि परिवर्तन से वाणी में कठोरता रहेगी। सरकारी तंत्र से लाभ मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

धनु : सूर्य धनु राशि में प्रवेश होने से भाग्योदय होगा। आपके अटके काम बनेंगे और आय में वृद्धि होगी। सरकारी तंत्र से लाभ होगा।

मकर : राजनीतिक विवाद में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इस समय विवादों से दूर रहना लाभप्रद रहेगा।

कुंभ : इस राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर लाभकारी रहेगा। नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है।

मीन : इस राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर लाभदायक रहेगा। राजनीतिक और व्यापारिक लाभ के योग बनेंगे।

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ तीर्थ : आस्था, इतिहास और भक्ति का अद्भुत केंद्र

राजस्थान की अरावली पर्वत शृंखला की गोद में, रेगिस्तानी रेतीले टीबों की ओट में, प्राकृतिक नयनाभिराम दृश्यों से घिरा हुआ श्री जैन श्वेताम्बर नाकोड़ा पार्श्वनाथ तीर्थ स्थित है। यह तीर्थ बाड़मेर जिले के बालोतरा कस्बे से लगभग 10 किलोमीटर तथा जोधपुर शहर से 110 किलोमीटर की दूरी पर है और रेल एवं सड़क मार्ग से सुगमतापूर्वक जुड़ा हुआ है।

भारत के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थों की श्रृंखला में श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ तीर्थ का एक विशिष्ट स्थान रहा है। ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र पहले 'विरमपुर' नामक नगर के रूप में प्रसिद्ध था, जहाँ जैन ओसवाल समाज के लगभग 2700 परिवार निवास करते थे। कालांतर में यहाँ के राजपरिवार के मनबले कुंवर द्वारा जैन समाज के अग्रणी सेठ साहब को दिए गए एक अनुचित वचन (शब्द) के कारण समाज में गहरी नाराजगी उत्पन्न हुई और परिणामस्वरूप समस्त परिवार अन्य नगरों की ओर पलायन कर गए। इसके पश्चात 17वीं शताब्दी से लेकर विक्रम संवत 1960 तक यह तीर्थ उजाड़ अवस्था में रहा।

उपरोक्त कालखंड के बाद प.पू. हितविजयजी म.सा. की शिष्या प.पू. सुत्वरश्रीजी म.सा. आदि ठाणा यहाँ पधारे। उन्होंने इस तीर्थ के पुनरुद्धार का संकल्प लिया और अपने गुरु के प्रेरणादायक मार्गदर्शन में तीव्र गति से विकास कार्य आरंभ कराया। इस पुनीत कार्य में श्रद्धालुओं का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। श्यामवर्णी, मनमोहक पार्श्व प्रभु की प्रतिमा के समक्ष भक्ति-आराधना कर सभी जन अत्यंत प्रफुल्लित हुए।

इसी क्रम में एक दिन नाकोड़ा भैरव देव ने साध्वीजी को स्वप्न में दर्शन दिए। इस शुभ संकेत को स्वीकार करते हुए साध्वीजी म.सा. ने अट्ठम तप (तीन उपवास) किया और भैरवदेव को तीर्थ अधिष्ठायक देव मानकर आराधना-साधना को और अधिक उत्साह एवं उमंग के साथ आगे बढ़ाया गया। इसके फलस्वरूप तीर्थ निर्माण कार्य ने और गति पकड़ी।

प.पू. सुन्दरश्रीजी म.सा. के पश्चात प.पू. गुरुदेव हिमाचल सूरीश्वरजी म.सा. ने तीर्थ के विकास एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। एक अवसर पर भैरव देव को जागृत करने हेतु गुरुदेव साधना में बैठे। साधना पूर्ण होने पर भैरव देव प्रकट हुए। तत्पश्चात जैसलमेर से पीला पत्थर मंगवाकर, गुरुदेव के निर्देशानुसार भैरवजी की अत्यंत भव्य एवं नयनाभिराम प्रतिमा का निर्माण किया गया। यह प्रतिमा विक्रम संवत 1991, माघ शुक्ल 13, गुरु पुष्य योग के शुभ अवसर पर विधि-विधानपूर्वक पार्श्वनाथ प्रभु के मूल गभारे के बाहर गोखले में विराजमान की गई।

नाकोड़ा तीर्थ में आदिश्वर भगवान का मंदिर, पार्श्वनाथजी का मंदिर, श्यामला पार्श्वनाथ, पंचतीर्थ नाकोड़ा भैरवदेव, शान्तिनाथ मंदिर में चार देवकुलिकाएँ सहित अनेक मंदिर प्रतिष्ठित हैं। इन सभी की प्रतिष्ठा प.पू. गुरुदेव हिमाचल सूरीश्वरजी म.सा. के वरदहस्त से सम्पन्न हुई।

यहाँ ज्ञानशाला भी अत्यंत सुचारु रूप से संचालित हो रही है, जहाँ छात्र-छात्राएँ धार्मिक अध्ययन कर पंडित बनते हैं तथा संयम मार्ग अपनाकर रत्नत्रयी की आराधना करते हैं। सिद्धचक्रजी मंदिर सहित इस तीर्थ क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 250 से 300 प्रतिमाएँ विराजमान हैं, जिनके दर्शन, वंदन एवं पूजन से आत्मा शुद्ध स्फटिक के समान निर्मल होती है।

मंदिर परिधि के बाहरी भाग में महावीर स्मृति भवन, प.पू. गुरुदेव जिनदत्तसूरीजी की दादावाड़ी स्थित है। वहीं पहाड़ी पर नेमिनाथ भगवान सहित तीन भगवानों की चरण पादुकाएँ विराजमान हैं। इसके अतिरिक्त भूतेश्वर महादेव, हनुमानजी, नागदेवता एवं ठाकुरजी के मंदिर भी यहाँ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। साधु-साध्वी भगवंतों के विश्राम एवं आराधना हेतु आराधना भवन, धरणेन्द्र भवन आदि का निर्माण किया गया है।

आगंतुक श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त आदिश्वर भवन, जिनेश्वर भवन, पारस भवन, गुरुवत्स भवन, नवकारसी भवन, भैरु कॉलोनी तथा धरणेन्द्र-पद्मावती हॉल आदि की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

वर्तमान समय में नाकोड़ा तीर्थ पर वर्ष भर मेलों एवं धार्मिक आयोजनों का आयोजन होता रहता है, जिनमें देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुँचते हैं। यहाँ का वातावरण निरंतर भक्तिमय रहता है। इस तीर्थ को 'उत्तर भारत का तिरुपति बालाजी' कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह तीर्थ केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि अन्य समाजों की भी आस्था का प्रमुख केंद्र है।

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में पोष दशमी के अवसर पर तीन दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। इन दिनों लाखों श्रद्धालु भक्त यहाँ पधारते हैं और अठम तप की तीन दिवसीय तपस्या करते हैं। वर्तमान में यह मेला तीर्थ क्षेत्र में लगा हुआ है।

–प्रेषक : जैन जसराज देवड़ा धोका
हैदराबाद (9849700046)

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

वृषभ राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वृषभ राशि के जातकों के जीवन में नई संभावनाओं का दौर शुरू होने जा रहा है। वर्ष 2026 वृषभ राशि के लोगों के लिए सफलता के नए द्वार खोलेगा और कुछ नए आयाम आपके सामने लेकर आएगा, जिससे आपकी आर्थिक समृद्धि हो और आपको सुख प्राप्त हो सके। आप वर्ष के मध्य में स्वयं को स्थापित करने में सफल हो सकते हैं। परिवार में थोड़ी अशांति परेशानी का कारण बन सकती है। आपकी सामाजिक रूप से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। जून के बाद से आपको सामाजिक सरोकारों से जुड़े कामों में ज्यादा सक्रिय रूप से काम करने का मौका मिलेगा। आपके अंदर नेतृत्व की क्षमता बढ़ेगी। पारिवारिक उलझनों को सुलझाने में भी आपका योगदान बना रहेगा।वृषभ राशि के जातक वर्ष की शुरुआत में द्वितीय भाव में बृहस्पति के प्रभाव से परिवार में नए लोगों का आगमन और खुशियों का रंग देख सकते हैं। राशि स्वामी की भाग्य भाव में जब स्थिति होगी तब मिलेगा आपको परिवार में अपने प्रभुत्व से लाभ। घर में किसी नए सदस्य के आगमन के संकेत होंगे और नया सदस्य परिवार में आनंद और उल्लास का कारण बनेगा। इस समय आपके परिवार के सदस्य एक दूसरे के प्रति अधिक सहायक और सहयोगी रहेंगे। आपसी समझ बढ़ेगी साथ ही पैतृक संपत्ति से जुड़े मामले भी हल हो सकते हैं। मार्च के समय राशि स्वामी शुक्र की मजबूत स्थिति से आप अपने काम के साथ साथ अपने घर के माहौल को प्रेम और शांति से बना पाएंगे।आपकी सामाजिक स्थिति में वृद्धि होने के संकेत हैं। इस समय आप समाज में अपनी छवि को और बेहतर बनाने में सफल होंगे। सामाजिक कार्यों में भागीदारी आपके लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का कारण बनेगी। आप समाज सेवा, सामाजिक गतिविधियों और समाज सुधार के लिए किसी संस्था का संचालन कर सकते हैं। इस समय आपके अंदर नेतृत्व की भावना जागृत होगी और आप समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में जाने जाएंगे। लोग आपकी सामाजिक गतिविधियों को सराहेंगे और आपके योगदान की कद्र करेंगे। आपके सामाजिक क्षेत्र में आपकी भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ेगी, जिससे आपके आत्मविश्वास में भी इजाफा होगा।

कैरियर– वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। लाभ भाव के स्वामी साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक आपके दूसरे भाव में रहेंगे और आपके छठे भाव को देखेंगे। ऐसे में, नौकरी में अनुकूलता बनी रहेगी और किसी भी तरह की कोई बड़ी परेशानी नहीं आएगी। जून से लेकर 31 अक्टूबर तक बृहस्पति ग्रह का नौकरी के भाव से कोई सीधा संबंध नहीं होगा। लेकिन फिर भी वह नौकरी के क्षेत्र में कोई परेशानी नहीं आने देंगे। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी, परंतु फिर भी आप उनसे अच्छे परिणाम की उम्मीद रख सकते हैं। मई, जून, जुलाई और अगस्त के महीने आपके लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होंगे। इस समय शनि की सकारात्मक शक्ति आपको अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और असाधारण प्रदर्शन करने में मदद करेगी। हालांकि करियर में मिली छोटी-छोटी उपलब्धियां आपके ध्यान को भटका सकती हैं और आप भावनात्मक निर्णय लेने की ओर बढ़ सकते हैं। दसवें घर में राहु का होना आपके करियर को अवसर और चुनौतियां दोनों देगा। वर्ष के अंतिम चरण, सितंबर से दिसंबर तक का समय आपके लिए अत्यंत शुभ है और इस दौरान आप नए-नए अवसरों को साधने में सफल होंगे तथा अपने परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगे।आपकी काम करने की ऊर्जा बदलावों को समझने का ढंग और विपरीत परिस्थितियों में काम करने का तरीका आपको एक कुशल व्यक्तित्व का धनी मनाएगा, जिससे वर्कप्लेस पर आपकी स्थिति मजबूत होगी। राहु केतु के प्रभाव से आप अपने काम को कई तरीकों से करने में सक्षम होंगे और इससे आपको उत्तम सफलता मिलेगी। साल की शुरुआत में काम के सिलसिले में आपकी यात्राएं होंगी, जो आपको जोश से भर देगी। इस समय अवधि में सरकारी नौकरी प्राप्ति के शुभ सूचना भी आपको मिल सकती है।

आर्थिक स्थिति –भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया कि यह वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करने और धन, संपत्ति से संबंधित विभिन्न अवसरों को प्राप्त करने के लिहाज से सकारात्मक है। इस दौरान आपको अपनी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होता हुआ दिखाई देगा, जिससे आपकी जीवनशैली में भी बदलाव का समय दिखाई देगा। वर्ष का पहला भाग वृषभ राशि के लिए आर्थिक दृष्टि से बेहतर रह सकता है फिर चाहे लाभ के स्वामी हों या धनेश की स्थिति दोनों ही मिलकर अत्यधिक शुभ परिणाम दे सकते हैं। इस समय आपके आय के स्रोतों में वृद्धि होगी और आप अपनी आय में अच्छे खासे इजाफे का अनुभव करेंगे। फरवरी मध्य के बाद का समय वेतन में वृद्धि के योग भी दे सकता है। इस समय आपको अपने फाइनेंशियल निवेश की नई नीतियों पर काम करने का मौका मिल सकता है। फैसलों को समझदारी से लेने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में लाभ मिल सके। आपके द्वारा किए गए कुछ निवेश सही दिशा में होंगे और आप आर्थिक रूप से समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ेंगे। धन भाव में बृहस्पति का प्रभाव आपके लिए और भी लाभकारी साबित होगा। द्वितीय भाव धन और परिवार के भाव से संबंधित है और बृहस्पति का यह प्रभाव आपको रत्नों और आभूषणों से संबंधित सुख-सुविधाएं प्राप्त करने में मदद करेगा। इस दौरान आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी और आप अपने परिवार के लिए जरूरी सुख-सुविधाएं प्राप्त करने में सफल होंगे। सोने, चांदी या किसी भी तरह के रत्न, आभूषण खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो यह समय उसके लिए उपयुक्त रहेगा। बृहस्पति का यह प्रभाव आपको अपने जीवन को भव्य और समृद्ध बनाने के लिए उत्तम अवसर प्रदान करेगा। आप इस वर्ष धन संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं और शेयर बाजार में निवेश करके लाभ कमा सकते हैं। आपकी आय के स्रोतों में बढ़ोतरी होगी और अपनी आय में अच्छा इजाफा देखने को मिल सकता है। फरवरी के बाद से इनकम बढ़ेगी और जॉब करते हैं, तो सैलरी में इंक्रीमेंट मिलेगा। आप कुछ नई फाइनेंशियल स्कीम में इन्वेस्ट कर सकते हैं। बृहस्पति का प्रभाव ज्वेलरी से संबंधित लाभ दे सकता है।

परिवार– वृषभ राशि के जातकों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 अच्छा रहेगा। विशेष रूप से साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक दूसरे भाव में बृहस्पति का गोचर इस बात की तरफ संकेत कर रहा है कि परिवार के सदस्यों में आपसी सामंजस्य अच्छा बना रहेगा और घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य भी हो सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

साथ ही, परिवार और रिश्तेदार इकट्ठा होकर कुछ विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। एक-दूसरे से बातचीत और एक-दूसरे की भलाई करने के बारे में सोच-विचार कर सकते हैं। 2 जून से 31 अक्टूबर तक बृहस्पति देव न आपको अनुकूल और न ही प्रतिकूल परिणाम देंगे। ऐसे में, परिजन अपने-अपने काम में व्यस्त दिखाई दे सकते हैं। इस प्रकार, परिवार के सदस्य भले ही एक-दूसरे की चिंता न करें, लेकिन एक-दूसरे को परेशान भी नहीं करेंगे। लेकिन, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की स्थिति की वजह से आपको परिवार का माहौल सामान्य रखने के लिए काफ़ी मेहनत करनी पड़ सकती है क्योंकि इस दौरान किसी बात को लेकर घर में तनाव रह सकता है जिसका असर रिश्तो पर नज़र आ सकता है। इन सबके बावजूद ज्यादातर समय अनुकूल रहेगा। वृषभ राशि के जातकों के लिए वैवाहिक जीवन में साल के पहले भाग में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। हालांकि, आपके रिश्ते में मजबूत बंधन और सामंजस्य बना रहेगा। यह समय आपके दांपत्य जीवन में खुशियाँ लाने वाला है, लेकिन कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, खासकर पारिवारिक मामलों को लेकर। आपको अपने साथी के परिवार और उसके कार्यों को समझने की आवश्यकता होगी, ताकि आप दोनों के बीच किसी भी प्रकार का टकराव न हो। वृषभ जातकों को अपने साथी के स्वास्थ्य, करियर और परिवार की स्थिति का ध्यान भी रखना होगा, ताकि पार्टनर भी आपके प्रति संवेदनशील बन पाएगा।

प्रेम – रोमांस – इस साल लव के मामले में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल। वृषभ राशि का स्वामी शुक्र ग्रह है, जो प्रेम, सौंदर्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इस कारण वृषभ राशि के जातकों को प्रेम और रिश्तों के मामले में विशेष अनुभव इस साल दिखाई देगा जो इनके लव भाव के स्वामी बुध के प्रभाव में भी होगा। साल के पहले भाग में वृषभ राशि वालों के लिए लव और वैवाहिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस समय आप अपनी प्रेम जीवन में कुछ अच्छे पल महसूस करेंगे और रिश्तों में एक नई गर्मी का अनुभव करेंगे। साथ ही, दांपत्य जीवन में भी सुधार होगा, लेकिन कुछ सावधानियों की जरूरत भी है। इस समय आपको अपने प्रेम पर विश्वास को बनाए रखने की जरूरत होगी। साल के आरंभिक समय में आपने लव से जुड़े ग्रहों का असर नवम भाव में होगा और साथ ही इस समय लग्नेश का भी इससे संबंध जब बनेगा तो प्रेम की सफलता भी देखने को मिलेगी। पुरानी बातें भूलकर अब आप अपने सच्चे रिश्तों को जानेंगे। वृषभ राशि वालों के लिए साल का पहला भाग लव लाइफ के दृष्टिकोण से बहुत शुभ रहेगा। आपके रिश्तों में एक नई ऊर्जा का संचार होगा। अगर आप किसी के साथ प्रेम संबंध में हैं, तो आपकी आपसी समझ बढ़ेगी और आप दोनों एक-दूसरे के प्रति अधिक समर्पित महसूस करेंगे। आपकी भावनाओं में गहराई आएगी और आप अपने साथी के साथ अच्छा समय बिता पाएंगे। अगर आप अकेले हैं, तो इस समय आपको कोई खास व्यक्ति मिल सकता है, जो आपके दिल के करीब हो। बृहस्पति का गोचर प्रेम जीवन के लिए न तो अनुकूल और न ही नकारात्मक रहेगा। लेकिन, शनि देव इस वर्ष प्रेम जीवन में आपको औसत परिणाम दे सकते हैं, विशेषकर सच्चे मन और ईमानदारी से प्रेम करने वालों को। वहीं, छलकपट या प्रेम का दिखावा करने वालों को रिश्ते में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि लाभ भाव में शनि की उपस्थिति को अच्छा माना जाता है। लेकिन, इनकी दृष्टि को अशुभ माना गया है। शनि सामान्य तौर पर न्यायप्रिय ग्रह हैं। ऐसे में, जो जिसका हकदार है उसका वह हक उसे मिलना चाहिए। सामान्य शब्दों में कहें तो, सच्चा प्रेम करने वाले लोग निराश नहीं होंगे। शुक्र का गोचर भी आपके पक्ष में रहेगा। कुल मिलाकर प्रेम जीवन के लिए यह वर्ष 2026 मिलाजुला रह सकता है।

शिक्षा–वृषभ राशि के जातकों के लिए वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। उच्च शिक्षा के कारक बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक आपके दूसरे भाव में रहेंगे। ऐसे में, आपके आसपास का माहौल अच्छा रहेगा और इसके परिणामस्वरूप, आप थोड़ी सी कोशिश करके भी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। साथ ही, आप बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। 2 जून से 31 अक्टूबर तक उच्च शिक्षा के कारक बृहस्पति देव जो आपके लाभ भाव और आठवें भाव के भी स्वामी है, वह तीसरे भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे। इसे भी एक अनुकूल स्थिति कहा जा सकता है। इनकी भाग्य भाव पर दृष्टि शिक्षा के क्षेत्र में मददगार बनेगी। शोध से जुड़े छात्रों को बृहस्पति की कृपा से काफ़ी अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। खासकर 31 अक्टूबर तक का समय सभी विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहेगा। कानून और पर्यटन की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए भी समय सकारात्मक रहेगा, विशेषकर 2 जून से 31 अक्टूबर की अवधि ट्रैवल से जुड़े छात्रों के लिए अनुकूलता लेकर आ सकती है। बुध का गोचर आपके लिए औसत से बेहतर रह सकता है। बृहस्पति की स्थिति भी काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगी। लेकिन, शनि, राहु और केतु के गोचर को ध्यान में रखते हुए आप तार्किक होकर अपने विषयों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करेंगे, तो आपको सफलता की प्राप्ति हो सकती है। कुल मिलाकर, शिक्षा के लिए वर्ष 2026 वृषभ राशि वालों के लिए अच्छा रहेगा। ऐसे में कोशिश करके आप भाग्य और कर्म का सहारा लेकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। आपकी राशि के स्वामी आपके छठे भाव के भी स्वामी है। इन दोनों स्थानों के स्वामी शुक्र देव हैं और ऐसे में, इनका गोचर आपके लिए ज्यादातर अच्छा रहेगा। अतः शुक्र आपको परेशान नहीं करेंगे और बृहस्पति देव भी औसत या औसत से बेहतर परिणाम दे सकते हैं।

स्वास्थ्य–साल 2026 वृषभ राशि के जातकों के लिए सेहत के मामले में कुछ अच्छे परिणाम देगा, तो कुछ ऐसे ध्यान देने वाले समय अवधि को भी आपके सामने लेकर आएगा। आपको शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। वर्ष की शुरुआत में इसमें समस्या होगी। मानसिक स्वास्थ्य में सुधार धीरे-धीरे देखने को मिलेगा, लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य मे बदलाव लाने के लिए आपको अपने जीवन शैली को बदलना होगा। आप कुछ नई चीजों से जुड़ाव महसूस करेंगे, जो आपके हेल्थ को नए आयाम तक पहुंचाएगी और आपकी मानसिक शांति को बढ़ाएगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य में भी बढ़ोतरी करेगी। जनवरी के अंत से आगे के समय में सेहत में कुछ सुधार दिखाई देगा। स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, और इस वर्ष आप इन दोनों पहलुओं पर विशेष ध्यान देंगे। आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की प्रेरणा मिलेगी और आप अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से व्यायाम को शामिल करेंगे। योग, ध्यान, या हल्की-फुल्की कसरत आपके स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक साबित होगी। इस दौरान आप का मन उन चीजों को खाने में भी अधिक होगा जो मिठास वाली हो सकती हैं, इसलिए इस समय शुगर प्रभावित लोगों को थोड़ा ध्यान देने की जरूरत होगी। अच्छे बैलेंस फूड का उपयोग करने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा, बल्कि मानसिक शांति भी बनी रहेगी। इस दौरान आप अपनी जीवनशैली में अधिक फल, सब्जियां, और पौष्टिक खाने की चीजों को शामिल करेंगे जो आपके स्वास्थ्य को और बेहतर बनाएगा। सही आहार और नियमित व्यायाम से आपको मानसिक संतुलन भी मिलेगा और आपके शरीर की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। बृहस्पति का शुभ प्रभाव आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी साबित होगा। यह ग्रह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से सशक्त बनाएगा। बृहस्पति के सकारात्मक प्रभाव से आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और आप स्वस्थ रहेंगे।

ज्योतिष उपाय –9 वर्ष से छोटी कन्याओं को भोजन कराए और उनके चरण छूकर प्रतिदिन उनका आशीर्वाद लें। शुक्रवार के दिन सफेद मिठाई का दान करें। शनिवार के दिन चीटियों को आटा डालें और गौ-माता की सेवा करें। कनकधारा स्रोत का पाठ करें। पीपल के पेड़ के नीचे तेल का दीपक जलाएं।

संपादकीय

मैसी के नाम पर 'महाभारत'

फुटबॉल के जादूगर, विश्व चैंपियन खिलाड़ी, लियोनेल मैसी कोलकाता आए और उनके फैन्स ने जो उत्पात मचाया, कमोबेश उसे खेल की दीवानगी तो नहीं माना जा सकता। चूंकि मैसी-प्रेमी अपने चहेते खिलाड़ी की झलक तक नहीं पा सके, उनसे बातचीत करना या ऑटोग्राफ लेना तो बहुत दूर की कौड़ी था, लिहाजा दर्शक भडक़ उठे। उन्होंने 'सॉल्ट लेक स्टेडियम' में पानी की बोतलें फेंकी, कुर्सियां उछालीं और तोड़-फोड़ की, होर्डिंग्स फाड़ दिए, तंबू उखाड़ फेंके, आगजनी तक की और मैसी के लिए बनाई 'कैनोपी' तक को नहीं बख्शा। यह दीवानगी के नाम पर अराजकता, गुंडागर्दी थी और आयोजन की अव्यवस्था, प्रबंधनहीनता की पराकाष्ठा थी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इसे फुटबॉल प्रेमियों के लिए 'काला दिन' करार दिया है। यह वाकई शर्मनाक रहा। विश्व चैम्पियन कप्तान मैसी मैदान पर एक किक तक नहीं मार पाए, क्योंकि सुरक्षा के घेरे टूटने तक की नौबत आ गई थी। फुटबॉल का जादूगर आया और बिना कोई करिश्मा दिखाए 10 मिनट में ही स्टेडियम से बाहर चला गया। कुछ पल हाथ जरूर हिलाया, लेकिन फैन्स उसे साझा नहीं कर सके। बेशक बहुत कुछ कलंकित हुआ है। भारत 2026 के ओलिंपिक खेल आयोजन की बोलियां लगा रहा है, दावे कर रहा है, लेकिन उसके एक खेल-प्रेमी शहर में खेल के संस्कार ऐसे हैं, जो खेल की दृष्टि से निंदनीय और अस्वीकार्य हैं। कोलकाता अपनी चिरंतन सभ्यता, संस्कृति, भद्रलोक की छवि के लिए विख्यात रहा है। फुटबॉल वहां की दीवानगी है, पागलपन की हद तक है। गली-गली में बच्चे फुटबॉल खेलते दिख जाएंगे। यदि फुटबॉल के विश्व चैम्पियन खिलाड़ी मैसी के सम्मान में 70 फुट ऊंची प्रतिमा का सार्वजनिक अनावरण किया जाना था, तो सबसे बेहतर यह रहता कि उनका कुछ खेल देखा जाता, उन्हें एक सुरक्षित वाहन पर सवार कर स्टेडियम में घुमाया जाता, नेताओं को भी तो घुमाया जाता है, मैसी के प्रशंसक हाथ हिला कर या हाथ जोड़ कर अथवा किसी भी तरह अपने 'करिश्माई खिलाड़ी' का अभिनंदन कर सकते। दुर्भाग्य है कि आयोजक यह तय नहीं कर पाए। कुछ वीआईपी चेहरों, मंत्रियों, स्थानीय प्रतिनिधियों समेत दर्जनों सुरक्षाकर्मियों ने मैसी को इस कदर ढक लिया था कि फैन्स अपने 'हीरो' की झलक तक नहीं पा सके। दर्शकों ने कम से कम 3500 रुपए और अधिकतम 25,000 रुपए के टिकट खरीदे थे। ब्लैक में टिकट 40,000 रुपए तक बेचे गए। वह काला धन किसकी जेब में गया? इस महाभारत ने न केवल बंगाल की छवि को कलंकित किया है, बल्कि देश की खेल मानसिकता को भी बदनाम किया है। हमें याद है कि फुटबॉल के शाश्वत जादूगर रहे महान पेले जब भारत आए थे, तो कमोबेश वह खेल दिखा पाए थे। ऐसी अराजकता और अव्यवस्था तो मैसी के इसी दौरे के दौरान हैदराबाद में नहीं हुई, जहां मैसी ने अपने खेल के कुछ 'जादुई स्पर्श' दिखाए, लेकिन वहां भी यह सवालिया जरूर रहा कि मैसी के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए 10-10 लाख रुपए वसूले गए। क्या फुटबॉल का जादूगर कोई उत्पाद है, जिसकी बोली लगाई गई? मैसी 14 लंबे सालों के बाद भारत आए हैं, जाहिर है कि जिन्होंने पूरे प्रवास का आयोजन किया है, तो उन्होंने मैसी का कुल पारिश्रमिक भी तय किया होगा! मैसी मुंबई में हैं और उन्हें दिल्ली भी आना है। उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात भी होनी है। क्या प्रधानमंत्री भी मैसी से खेद जताएंगे, हालांकि वह इसके लिए प्रत्यक्ष रूप से कसूरवार या जवाबदेह नहीं हैं? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व चैम्पियन कप्तान और उनके साथी खिलाडियों से माफी मांगी है और एक जांच समिति का गठन किया है। मुख्य आयोजक को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन पुलिस ने फुटबॉल प्रेमियों को दौड़ा-दौड़ा कर, उन पर लाठीचार्ज क्यों किया? ऐसी स्थितियों में कोई भी आक्रोशित हो सकता है। खेल प्रेमियों ने देश के कई हिस्सों से कोलकाता पहुंच कर मैसी को करीब से देखने के शुल्क अदा किए थे। अपने 'सुपर हीरो' से फैन्स रूबरू क्यों नहीं हो पाए? यह आयोजन के छिद्र हैं, उन्हें दुरुस्त किया जाना चाहिए।

भारत 2026 के ओलिंपिक खेल आयोजन की बोलियां लगा रहा है, दावे कर रहा है, लेकिन उसके एक खेल-प्रेमी शहर में खेल के संस्कार ऐसे हैं, जो खेल की दृष्टि से निंदनीय और अस्वीकार्य हैं। कोलकाता अपनी चिरंतन सभ्यता, संस्कृति, भद्रलोक की छवि के लिए विख्यात रहा है। फुटबॉल वहां की दीवानगी है, पागलपन की हद तक है। गली-गली में बच्चे फुटबॉल खेलते दिख जाएंगे। यदि फुटबॉल के विश्व चैम्पियन खिलाड़ी मैसी के सम्मान में 70 फुट ऊंची प्रतिमा का सार्वजनिक अनावरण किया जाना था, तो सबसे बेहतर यह रहता कि उनका कुछ खेल देखा जाता, उन्हें एक सुरक्षित वाहन पर सवार कर स्टेडियम में घुमाया जाता, नेताओं को भी तो घुमाया जाता है, मैसी के प्रशंसक हाथ हिला कर या हाथ जोड़ कर अथवा किसी भी तरह अपने 'करिश्माई खिलाड़ी' का अभिनंदन कर सकते। दुर्भाग्य है कि आयोजक यह तय नहीं कर पाए। कुछ वीआईपी चेहरों, मंत्रियों, स्थानीय प्रतिनिधियों समेत दर्जनों सुरक्षाकर्मियों ने मैसी को इस कदर ढक लिया था कि फैन्स अपने 'हीरो' की झलक तक नहीं पा सके। दर्शकों ने कम से कम 3500 रुपए और अधिकतम 25,000 रुपए के टिकट खरीदे थे। ब्लैक में टिकट 40,000 रुपए तक बेचे गए। वह काला धन किसकी जेब में गया? इस महाभारत ने न केवल बंगाल की छवि को कलंकित किया है, बल्कि देश की खेल मानसिकता को भी बदनाम किया है। हमें याद है कि फुटबॉल के शाश्वत जादूगर रहे महान पेले जब भारत आए थे, तो कमोबेश वह खेल दिखा पाए थे। ऐसी अराजकता और अव्यवस्था तो मैसी के इसी दौरे के दौरान हैदराबाद में नहीं हुई, जहां मैसी ने अपने खेल के कुछ 'जादुई स्पर्श' दिखाए, लेकिन वहां भी यह सवालिया जरूर रहा कि मैसी के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए 10-10 लाख रुपए वसूले गए।

भारतीय कंपनियों की तरफ से रूस में उर्वरक संयंत्र लगाने का रास्ता साफ हो गया

भारत-रूस व्यापार का नया दौर

पुतिन की भारत यात्रा के दौरान 5 दिसंबर को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े 16 महत्वपूर्ण समझौते किए और और चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। ये घोषणाएं रूसी पर्यटकों को भारत के द्वारा 30 दिनों के लिए ई वीजा, रूसी नागरिकों को समूह में पर्यटन वीजा, वर्ष 2030 तक भारत-रूस आर्थिक सहयोग के तहत विशेष प्रोग्राम शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 64 से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने के मद्देनजर तैयार किए गए रणनीतिक आर्थिक रोडमैप से संबंधित हैं। इस तरह तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश के बीच भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने की नींव रखी है। दोनों देशों के नए व्यापार-आर्थिक आधारों की कई बातें उभर कर दिखाई दे रही हैं। रूस ने भारतीय निर्यात को बढ़ाने के लिए गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को दूर करने के जरूरी कदम आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान 5 दिसंबर को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े 16 महत्वपूर्ण समझौते किए और और चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। ये घोषणाएं रूसी पर्यटकों को भारत के द्वारा 30 दिनों के लिए ई वीजा, रूसी नागरिकों को समूह में पर्यटन वीजा, वर्ष 2030 तक भारत-रूस आर्थिक सहयोग के तहत विशेष प्रोग्राम शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 64 से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने के मद्देनजर तैयार किए गए रणनीतिक आर्थिक रोडमैप से संबंधित हैं। इस तरह तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश के बीच भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने की नींव रखी है। दोनों देशों के नए व्यापार-आर्थिक आधारों की कई बातें उभर कर दिखाई दे रही हैं। रूस ने भारतीय निर्यात को बढ़ाने के लिए गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को दूर करने के जरूरी कदम आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों के बीच उर्वरक की आपूर्ति, ध्रुवीय क्षेत्रों में भारतीय नाविकों के प्रशिक्षण में सहयोग के लिए भी समझौता किया गया है। अब भारतीय कंपनियों की तरफ से रूस में उर्वरक संयंत्र लगाने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों देशों ने श्रम गतिशीलता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका लाभ यह होगा कि रूसी उद्योगों की जरूरत के मुताबिक भारत से प्रशिक्षित श्रमिकों की आपूर्ति हो सकेगी। खासतौर से भारत से रूस को निर्माण, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्रों को श्रमिकों की नियुक्ति करने में मदद मिलेगी। रूस में भारत से करीब 50 लाख कुशल श्रमिकों की आपूर्ति की संभावनाएं हैं। गैर कानूनी तौर पर श्रमिकों की आवाजाही पर रोकने में सहयोग करने संबंधी समझौता भी महत्वपूर्ण है। खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता में सहयोग संबंधी समझौते से भारत से रूस को निर्यात बढ़ सकेगा। रूस द्वारा समर्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए भारत में अन्य स्थल संबंधी चर्चा की गई है। दोनों देशों ने भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने की जरूरत पर बल दिया है। दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे, उत्तरी समुद्री मार्ग तथा चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे के माध्यम से संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-रूस दोस्ती को ध्रुव तारा बताया और कहा कि यह दोस्ती दुनिया में आए उतार-चढ़ावों के बीच विगत आठ दशक से मजबूत है। पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और वे नियमित रूप से द्विपक्षीय संबंधों पर नजर रखते हैं। उन्होंने इस बात पर भी फोकस किया कि वर्ष 2024 -25 में भारत-रूस व्यापार 12 फीसदी बढक़र लगभग 64 अरब डॉलर हो गया, जिसमें से 96

फीसदी दोनों देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं में है। पुतिन ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के शेष रिएक्टरों को पूरा करने, चिकित्सा और कृषि जैसे गैर-ऊर्जा अनुप्रयोगों में सहयोग का विस्तार करने संबंधी विशेष वक्तव्य भी दिया है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और हर चीज का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहेगा। पुतिन ने यह भी कहा कि दोनों देश शुल्क और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने, लॉजिस्टिक्स में सरलता लाने, सुचारू भुगतान तंत्र सुनिश्चित करने और बीमा के मुद्दों के समाधान खोजने संबंधी मुद्दों पर भी प्राथमिकता से ध्यान देंगे। निश्चित रूप से अब भारत-रूस व्यापार की अनुकूलताएं बढ़ी हैं। ऐसे में भारत को व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढऩा होगा। रूस के साथ संतुलित व्यापार के लिए रूस को भारत से निर्यात को बढ़ाने की जरूरत है। वित्त वर्ष 2022-23 में रूस से भारत का आयात 5.48 अरब डॉलर से बढक़र वित्त वर्ष 2024-25 में 63.8 अरब डॉलर हो गया, जबकि रूस को भारत से निर्यात 3.5 अरब डॉलर से बढक़र केवल 4.88 अरब डॉलर हुआ है। परिणामस्वरूप रूस के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2022-23 में 1.98 अरब डॉलर से बढक़र वित्त वर्ष 2024-25 में 58.92 अरब डॉलर हो गया। ऐसे में अब भारत व रूस के बीच वार्ता के दौरान व्यापार असंतुलन कम करने के लिए जो प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है, उसके मद्देनजर अब रूस को ध्यान देना होगा कि भारत के कृषि निर्यातकों को लंबी रूसी प्रमाणन और लिस्टिंग प्रक्रियाओं से संबंधित गैर-शुल्क बाधाएं कम की जाएं। कृषि निर्यात के मामले में रूस जिस तरह भारतीय इकाइयों के पंजीकरण और निरीक्षण की प्रणाली का पालन करता है, उसकी गति बढ़ाई जाए। फार्मास्युटिकल निर्यातकों को यूरेशियन मानकों से संबंधित बाधाओं को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। इसके साथ-साथ लॉजिस्टिक्स में अड़चनों को दूर करने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सुचारू भुगतान तंत्र सुनिश्चित करने, बीमा व पुनर्बीमा के मुद्दों के समाधान के साथ-साथ रूस के द्वारा समुद्री उत्पाद, डेरी, पोल्ट्री और औषधि क्षेत्रों में गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की दिशा में प्रभावी कदम आगे बढ़ाए जाएं, ताकि भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की नई राह प्रशस्त की जा सके। निश्चित रूप से भारत-रूस शिखर वार्ता अत्यधिक सफल रही है और इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार की नई संभावनाओं के साथ-साथ आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की संभावनाओं को भी आगे बढ़ाया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के द्वारा एक के बाद एक अत्यधिक प्रभावी द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों को आकार दिया जा रहा है । मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़ें प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़ रहे हैं। एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है। भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इसी वर्ष अक्टूबर माह में भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है। अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं वर्ष 2025 के अंत तक अमेरिका व यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इनके अलावा भारत के द्वारा कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए शीघ्र ही आकार लेते हुए दिखाई देंगे। उम्मीद करें कि 5 दिसंबर को रूस के साथ व्यापार असंतुलन कम करने तथा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य और विभिन्न देशों के साथ एफटीए के लाभ व आर्थिक विकास की नई संभावनाओं को मुट्ठी में लिए जाने से भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। भारत-रूस के बीच साझेदारी अब जरूर बढ़ेगी।

देश दुनिया से

नेपाल ने फिर छेड़ा काली का राग

नेपाल ने लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और काला पानी को दर्शाने वाले मानचित्र के साथ अपना 100 रुपये का नया करेंसी नोट जारी कर भारत के साथ दो सदी से भी पुराने सीमा विवाद को एक बार फिर हवा दे दी है। मई 2020 में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने भी एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को नेपाल का क्षेत्र दिखाया गया था। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच नयी दिल्ली में गत 18 अगस्त को हुयी वार्ता में आपसी व्यापार के लिये जिन तीन नये रास्ते खोलने पर सहमति बनी है उनमें से एक लिपुलेख भी है जिस पर नेपाल ने आपत्ति जताई है। जिस कूटी यांग्ती नदी को नेपाल काली बता रहा है, वह पश्चिम से पूरब की ओर बहती है जिसमें दो किनारों की विभाजक दिशाएं पूरब पश्चिम नहीं बल्कि उत्तर -दक्षिण हैं। इस कूटी घाटी के निचले आबादी वाले क्षेत्र में नदी के दोनों ओर भारत और नेपाल के गांव हैं जबकि भारत जिस नदी को काली मानता है वह उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। इसलिये संधि के हिसाब से पूरब में नेपाल के दार्चुला जिले के छांगरू, दिलीगाड़, तिंकर और कौआ गांव हैं, जबकि पश्चिम में भारत की गुंजी, नपलच्यू, रौंगकौंग, नाबी, कूटी, गर्ब्यांग और बुदी ग्राम सभाएं हैं। उत्तराखण्ड में मुख्य सचिव और मुख्य सूचना आयुक्त रह चुके नृपसिंह नपलच्याल का गांव इसी क्षेत्र के नपलच्यू में है। गुंजी, नाभी और कूटी के एक दर्जन से अधिक आइएएस, आइपीएस, पीपीएस और पीसीएस अधिकारी उत्तराखण्ड और भारत सरकार की सेवा में हैं। यह विवाद नया नहीं है जिसे नेपाल पिछले 208 सालों से यदाकदा उठाता रहा हैं। भारत जिस नदी को काली नदी मानता है, नेपाल उसकी जगह कूटी यांग्ती को असली काली नदी बताता है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के बीच 2 दिसम्बर 1815 को सम्पन्न हुयी सुगोली की संधि में काली नदी को ही भारत और नेपाल के बीच विभाजन रेखा माना गया है। नेपाल की नवीनतम् आपत्ति इस बात को लेकर है कि दोनों देशों ने लिपुलेख से व्यापार खोलने पर संधि कर ली जबकि काली नदी की उसकी अपनी परिभाषा के अनुसार यह क्षेत्र नेपाल का भू भाग है। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुयी सहमति के परिणाम स्वरूप भारत की ओर से लिपुलेख,

शिप्की लॉ और नाथू लॉ से प्राचीन व्यापारिक मार्ग खुलने हैं। लेकिन इस सहमति के बाद नेपाल ने अड़ंगा खड़ा करने के लिये एक बाद फिर नये नोट पर विवादित मानचित्र छाप कर पुराने विवाद को हवा दे दी। भारत के लिये लिपुलेख दर्रा आर्थिक, सामरिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त महत्व का है। यहीं से चीन के साथ व्यापार शुरू होने के साथ ही यही कैलाश मानसरोवर का रास्ता भी है। यही वह दर्रा है जो 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सबसे मजबूत मोर्चा साबित हुआ था। इसलिये तभी से यहां पर भारत की सुरक्षा चौकियां स्थापित हैं। हालांकि नेपाल का यह सपना कभी साकार होने वाला नहीं है फिर भी नेपाल में भारत विरोधी तत्व सदैव काली नदी के विवाद को दोनों देशों के बीच तनातनी का मुद्दा बनाये रखेंगे। चीन भी ऐसे तत्वों को हवा देता रहेगा। सुगोली में 2 दिसम्बर 1815 को नेपाल के महाराजा विक्रमशाह बहादुर शमशेर जंग के प्रतिनिधि राजगुरू गजराज मिश्र और चन्द्रशेखर उपाध्याय तथा कंपनी की ओर से ले0 कर्नल ब्रैडशॉ ने जिस संधि पर हस्ताक्षर किये थे, उसमें सतलज से लेकर घाघरा और मेची के बीच का सारा भूभाग अंग्रेजों के अधीन मान लिया गया था। नेपाल इस संधि को तो मानता है, लेकिन वह कालापानी से 16 किमी दूर लिम्पिया धुरा से निकलने वाली उस नदी को काली नदी मानता है जिसे भारत कूटी यांग्ती मानता रहा हैं। अगर नेपाल का दावा मान लिया जाय तो न केवल लिपुलेख दर्रा और कालापानी अपितु उत्तराखण्ड राज्य के पिथौरागढ़ जिले की 7 ग्राम सभाएं भी नेपाल में चली जाती हैं। सुगोली की संधि की धारा 5 में साफ लिखा गया है कि काली नदी के पश्चिम वाला हिस्सा ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिक्षेत्र होगा और उस क्षेत्र पर तथा क्षेत्र वासियों पर नेपाल का राजा या उसके उत्तराधिकारी कभी दावा नहीं करेंगे। इन दोनों जलधाराओं का गुंजी के निकट मनीला में संगम होता है। तवाघाट में काली नदी में धौली, जौलजीवी में गोरी, पीपली में चरमा और पंचेश्वर में सरयू नदियां मिलती हैं। टनकपुर से काली नदी शरदा और लखीमपुर से घाघरा हो जाती है। दरअसल सुगोली की संधि के बाद से ही नेपाल अंग्रेजों से ही काली नदी को लेकर विवाद करने लग गया। कारण यह कि संधि के समय उस क्षेत्र का कोई नक्शा ही नहीं था। वह क्षेत्र इतना दुर्गम था कि उस समय के शासकों के लिये उससे राजस्व की कोई उम्मीद ही नहीं थी। हिमालयन गजेटियर (सन 1884: वाल्यूम-2 पार्ट-2: 679-680) में ई.टी. एटकिन्सन लिखता है कि संधि के अनुसार टौंस से शारदा तक पूरा क्षेत्र ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण में आ गया, मगर उत्तर में केवल एक छोटे तथा महत्वहीन क्षेत्र पर विवाद बना रहा। इसके साथ ही संधि के अनुसार ब्यांस परगना के दो हिस्से हो गये थे, जबकि अब तक वह कुमाऊं का अभिन्न हिस्सा था। वैसे भी यह जुमला और डोटी से अलग क्षेत्र था। नेपाल ने कुमांऊ के कमिश्नर और नेपाल के रेजिडेंट ई0 गार्डनर को 4 फरवरी 1817 को परगना ब्यांस में काली के पूर्व में पड़ने वाले तिंकर और छांगरू गावों पर अपना दावा पेश करते हुये पत्र लिखा तो वे सचमुच काली नदी के पूरब में थे, इसलिये उन्हें डोटी के तत्कालीन सूबेदार बमशाह के अधिकार में दे दिया गया। इससे भी नेपाल सन्तुष्ट नहीं हुआ और उसने कूटी तथा नाभी की भी मांग करनी शुरू कर दी।इस पर नेपाल के रेजिडेंट एवं कुमाऊं कमिश्नर ने कैप्टन वेब से नेपाल के दावे की जांच कराई तो उसने सन 1818 तक कुमाऊं का व्यापक दौरा किया। 11अगस्त और 20 अगस्त 1817 को सौंपी गयी अपनी रिपोर्ट में वेब ने माना कि पवित्र कालापानी चश्मे से निकलने वाली, मगर कम पानी वाली जलधारा ही सदैव काली की मुख्य शाखा मानी जाती रही है। कालापानी के कारण ही उसका नाम काली रखा गया। इस नदी का काली नाम तब तक रहता है जब तक वह पहाड़ों में बहती है और मैदान में उतरने पर वह शारदा नदी हो जाती है। इसलिये ब्रिटिश सरकार ने नेपाल का दावा खारिज कर नाभी और कूटी गावों को अपने पास ही रखने का निर्णय लिया और तब से ये गांव ब्रिटिश ब्यांस के ही हिस्से रहे। ब्यांस घाटी के ये सभी गांव रं भोटिया जनजाति के हैं।

कुछ अलग

आंखों पर विदेशी लेंस

उसने बड़े ही इत्मीनान और अदब से आंखों पर चढ़े लेंस साफ किए। उसकी दृष्टि का बोध बदल चुका था। वह सामान्य वस्तुओं को भी आंखें खोलकर देखने लगा था। शरीर का सारा विश्वास और खुद की नजरों में ऊपर उठने का लगाव उसकी आंखों में समाहित हो चुका था। मोतियाबिंद आपरेशन के दौरान उसके पर्स को तराजू पर रखकर डाक्टर ने पूछा था, कौनसे लेंस चिपका दूं। उसकी माली हैसियत पूछी गई थी, संतुष्ट हो जाने पर डाक्टर ने अपनी आंखें फैला कर विदेशी लेंस को अति उत्तम बताया था। विदेशी लेंस महंगा होने के बावजूद भारतीय की आंख पर फिट हो गया। डाक्टर ने डॉलर गिनते-गिनते उसकी आंखों पर पड़ी स्वदेशी गर्द को हटा दिया था। वह अब बिना मोल भाव किए डॉलर यानी ट्रंप के कब्जे में था। आखिर भारतीय आंखों का सवाल था, इसलिए अमरीकी आयात पर क्या कहता। उसने स्वीकार कर लिया कि अब दुनिया को ट्रंप के डॉलर की आंखों से ही देखूंगा। आपरेशन सफल था, लेकिन अब उसकी आंखें भारतीय रुपए पर चाहकर भी भरोसा नहीं कर रही थीं। उसकी आंख के इशारे बदल गए, 'कई बार मन में आया कि ट्रंप पर चीखूं-चिल्लाऊं।

आप का नज़रिया

ये मैगी के बाजार

सडक़ को व्यापार का चौराहा बनाने की बदकिस्मती यह कि कांगड़ा के बगलामुखी मंदिर के पास, मैगी खरीदना दो युवाओं को महंगा पड़ गया। भरवाईं से रानीताल रोड की तरफ सडक़ के किनारे खड़े एक खोखे ने पंजाब के युवकों को आकर्षित किया, लेकिन अगले ही पल तीव्र गति से गुजरते ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। एक वीभत्स दृश्य में हिमाचल का हाईवे टूरिज्म कत्लगाह साबित हो गया। सडक़ों के किनारे अब दर्द देते हैं, तेरे कातिल इसी ओर निकले हैं। हम पहली दृष्टि में किसी ट्रक चालक को यमदूत मान लेंगे, लेकिन सडक़ों के किनारे बिना किसी पार्किंग के चल रही दुकानदारी का दोष नहीं देखेंगे, क्योंकि पूरे हिमाचल में ऐसा बाजार उभर आया है। यह बाजार पर्यटन के नगमे गाता हुआ, मातम को बुलावा दे रहा है। हिमाचल का सारा व्यापार जैसे सडक़ पर उतर आया हो। इतना ही नहीं, सडक़ों पर अतिक्रमण को दावत देती व्यवस्था का आलम यह है कि सारा प्रदेश वाहनों की चरागाह बन गया है। सडक़ पर वाहन, निर्माण सामग्री और दुकानदारी अपने पांव फैला कर बैठी है। किसी भी शहर का कोई ट्रैफिक प्लान नहीं और न ही बड़े समूहों को रोकने की क्षमता। दिन में आधा हिमाचल सडक़ पर और सडक़ के जरिए अपनी आजीविका के मसले हल करता दिखाई देता है। किसी सडक़ पर आंदोलनकारी शहरों की कानून-व्यवस्था को तार-तार कर देते हैं, तो कहीं कमाई की धूप देखने के लिए छोटे-छोटे धंधे सडक़ों पर अपना काम ढूंढ लेते हैं। अगर यह हाईवे टूरिज्म है, तो क्यों नहीं हर बीस-पच्चीस किलोमीटर के फासले पर पर्यटन, व्यापार और सुविधा केंद्र विकसित किए जाएं। हिमाचल में व्यापार से व्यापार टकरा रहा है, जबकि पर्यटन और परिवहन के बदलते परिदृश्य में बाजार की मौजूदगी को अलग परिप्रेक्ष्य में संवारना होगा। व्यापार या तो परिवहन के जरिए या पर्यटक के मार्फत, सडक़ पर नई मंजिलें तराश रहा है, तो इस संभावना को हाईवे टूरिज्म की आवश्यकताओं के अनुरूप अधोसंरचना प्रदान करनी होगी। हिमाचल में फोरलेन के अलावा बाकी सभी तरह की सडक़ें एक तरह से स्थानीय जुनून से जोखिम बढ़ा रही हैं। यही स्थानीय व्यापारिक जुनून पूरे प्रदेश की हैसियत को ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था, अनियंत्रित वाहन गति या पैट्रिलिंग के अभाव में जोखिम बढ़ा रहा है। विडंबना यह है कि प्रदेश के प्रमुख चौराहे अभी विकसित ही नहीं हुए, इसलिए ट्रैफिक की न कोई दिशा और न ही बचाव की शर्तें पूरी हुईं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क उसी पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जबकि यातायात में गति, यात्रियों की सुविधा में नए विकल्प और स्थानीय परिवहन सेवाओं में निजी वाहनों की मौजूदगी बढ़ रही है। ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार तथा ई-बिजनेस के प्रसार के कारण बढ़ा यातायात अभी तक समझा ही नहीं गया। इसी तरह पर्यटक वाहनों की सघनता, साइट सीइंग के ट्रैफिक प्लान और बढ़ती टैक्सियों की शुमारी में यह सोचा ही नहीं गया कि सडक़ों को बेहतर परिवहन व्यवस्था के योग्य कैसे बनाएं। हिमाचल में माल ढुलाई प्रमुख तौर पर सडक़ परिवहन के जरिए ही होती है, लेकिन पूरे प्रदेश में एक भी ट्रांसपोर्ट नगर आज तक विकसित नहीं हुआ। किसी भी शहर में माल ढुलाई संबंधित यह योजना नहीं कि कब ट्रकों को किस सडक़ से गुजरने की अनुमति दी जाए और उस स्थिति में इन्हें कहां पार्क किया जाए। शहरों में एक अजीब सी परिवहन चारदीवारी इसलिए खड़ी हो रही है, क्योंकि हर सडक़, बाइपास या खुले स्थानों पर बिना किसी सुविधा या अनुमति के बसें, टैक्सियां, ट्रक और निजी वोल्वो बसें खड़ी होकर यातायात को असुरक्षित बना देती हैं। ऐसे में तुरंत प्रभाव से हर शहर में कम से कम चारों दिशाओं में एक-एक सामुदायिक, व्यापारिक, खेल या पार्किंग मैदान विकसित करना होगा। हर गांव में बस स्टॉप विकसित करने के अलावा एक बड़ा मैदान भी बनाना होगा, ताकि ट्रैफिक के भूत सडक़ों के किनारे खड़े न हों।

सडक़ों के किनारे अब दर्द देते हैं, तेरे कातिल इसी ओर निकले हैं। हम पहली दृष्टि में किसी ट्रक चालक को यमदूत मान लेंगे, लेकिन सडक़ों के किनारे बिना किसी पार्किंग के चल रही दुकानदारी का दोष नहीं देखेंगे, क्योंकि पूरे हिमाचल में ऐसा बाजार उभर आया है। यह बाजार पर्यटन के नगमे गाता हुआ, मातम को बुलावा दे रहा है। हिमाचल का सारा व्यापार जैसे सडक़ पर उतर आया हो। इतना ही नहीं, सडक़ों पर अतिक्रमण को दावत देती व्यवस्था का आलम यह है कि सारा प्रदेश वाहनों की चरागाह बन गया है। सडक़ पर वाहन, निर्माण सामग्री और दुकानदारी अपने पांव फैला कर बैठी है। किसी भी शहर का कोई ट्रैफिक प्लान नहीं और न ही बड़े समूहों को रोकने की क्षमता। दिन में आधा हिमाचल सडक़ पर और सडक़ के जरिए अपनी आजीविका के मसले हल करता दिखाई देता है। किसी सडक़ पर आंदोलनकारी शहरों की कानून-व्यवस्था को तार-तार कर देते हैं, तो कहीं कमाई की धूप देखने के लिए छोटे-छोटे धंधे सडक़ों पर अपना काम ढूंढ लेते हैं। अगर यह हाईवे टूरिज्म है, तो क्यों नहीं हर बीस-पच्चीस किलोमीटर के फासले पर पर्यटन, व्यापार और सुविधा केंद्र विकसित किए जाएं। हिमाचल में व्यापार से व्यापार टकरा रहा है, जबकि पर्यटन और परिवहन के बदलते परिदृश्य में बाजार की मौजूदगी को अलग परिप्रेक्ष्य में संवारना होगा। व्यापार या तो परिवहन के जरिए या पर्यटक के मार्फत, सडक़ पर नई मंजिलें तराश रहा है, तो इस संभावना को हाईवे टूरिज्म की आवश्यकताओं के अनुरूप अधोसंरचना प्रदान करनी होगी। हिमाचल में फोरलेन के अलावा बाकी सभी तरह की सडक़ें एक तरह से स्थानीय जुनून से जोखिम बढ़ा रही हैं।

दृष्टि कोण

महान बनने के भ्रम में ओछी अमेरिकी हरकतें

जब से ट्रंप अमेरिका में सत्ता में दोबारा आए हैं, वे हर दिन कोई न कोई ऐसी घोषणा करते रहते हैं, जिससे दुनिया में हड़कम्प मच जाता है। उनका कहना है कि वह अमेरिका को दोबारा महान बनाना चाहते हैं, इसलिए हर काम वह करेंगे, जिससे अमेरिका के लोगों को फायदा हो। अपने संसाधनों का फायदा वे उठा सकें। इसलिए वे तरह-तरह की घोषणाएं कर रहे हैं। उनका लेबर डिपार्टमेंट एक्स पर लिख रहा है कि अमेरिका में नौकरियां अमेरिकी लोगों के लिए ही होनी चाहिए। यों इसमें कुछ गलत भी नहीं है क्योंकि हर देश का नेता चाहता है कि उसके लोगों में बेरोजगारी घटे। लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका ने जो तरक्की की है, धरती से लेकर अंतरिक्ष तक जो परचम लहराया है, इसमें बाहरी लोगों का बहुत बड़ा योगदान है। इनमें भारतीय सबसे अधिक हैं। थोड़े दिन पहले बिल गेट्स ने कहा था कि यदि हम भारतीय इंजीनियर्स को रोकेंगे, तो वे अपना गूगल बना लेंगे। अन्य बड़े कार्पोरेट्स भी ऐसा ही कह रहे हैं। पिछले दिनों एक पूर्व गुप्तचर अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोगों के साथ अमेरिका में बुरा व्यवहार किया जा रहा है, इसके लिए माफी मांगी जानी चाहिए। जिस सिलिकॉन वैली की दुहाई दी जाती है, उसे यहां तक पहुंचाने में हमारे देश के लोगों और प्रतिभाओं का भारी हाथ है। अमेरिका ने दुनियाभर में एक ताकतवर देश की छवि बनाई है। डालर के मुकाबले दुनियाभर की अधिकांश मुद्राएं कमजोर मानी जाती हैं। युवा समझते हैं कि वे अपने सपनों को अमेरिका जाकर ही पूरा कर सकते हैं। कुछ साल पहले एक खबर आई थी कि पूरे विश्व से दस करोड़ लोग अमेरिका जाना चाहते हैं। यह अफसोस की बात है कि युवा सिर्फ अमेरिका जाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यही है। लेकिन उन बातों को क्या कहिए जो हर रोज अमेरिका में हो रही हैं। जिन्हें इन्हीं युवाओं को झेलना है। पिछले दिनों ही दो खबरें आईं कि अब अमेरिका ने एच वन और एच फोर वीजा के तमाम आवेदनों को रोक दिया है। इसके अलावा बहुत से देशों के लोगों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया

है। उनका कहना है कि आवेदनकर्ताओं के पहले वे सोशल मीडिया अकाउंट्स चैक करेंगे, जिससे कि पता चल सके कि कोई अमेरिका विरोधी तो यहां नहीं आना चाहता। एच वन वीजा को वर्क वीजा कहा जाता है। इसी के आधार पर आप वहां काम कर सकते हैं। इसे पाना युवाओं की सबसे बड़ी इच्छा होती है। इसके अलावा एच फोर वीजा पति या पत्नी के लिए होता है। इसके होने पर आप वहां काम नहीं कर सकते। इसे मौलिक अधिकार की तरह अब तक देखा जाता रहा है, लेकिन जैसे अब इस सोच के दिन लद गए हैं। यही नहीं, उन्होंने बारह देश के नागरिकों पर अमेरिका में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये देश हैं— अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, गुएना, एरिट्रिया, हेती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन। इससे पहले भी बहुत से देशों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि जिस भारत से मैत्री की कसमें ट्रंप लगातार खाते रहे हैं, उनके निशाने पर सबसे अधिक भारतीय ही हैं। ट्रंप को लड़ना आतंकवाद से था, लेकिन वे भारतीयों से लड़ रहे हैं। उनका मानना है कि बड़ी संख्या में यहां के लोगों ने अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन ली हैं। जबकि देखा जाए, तो वहां भारतीय कठिन परिस्थिति में काम करते हैं। उन्हें वेतन भी कम मिलता है। उन्हें छिपे हुए नस्लवाद का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन अब यह नस्लवाद छिपा हुआ नहीं रहा। खुलेआम व्हाइट सुप्रीमेसी की बात की जा रही है। हालांकि, ट्रंप की जीत में ग्रामीण अमेरिका के गोरों के साथ-साथ, वहां के उन नागरिकों का भी हाथ रहा है, जिनकी जड़ें भारत में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं । आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं. दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोडों को आपस मे मिलने का सही समय हैं एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें । आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान–प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते. कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार–बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा । शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी–मोटी नोंक–झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें । आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 11:59 तक
नक्षत्र : स्वाति दोपहर 02:09 तक
योग : अतिगंड दोपहर 01:21 तक
करण : कौलव प्रातः 10:40 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एकादशी व्रत का पारणा ,
धनु मास आरंभ , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्यान्ह तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान सेवा अपनाते हुए प्रदेश की मंडियों को बनाएं रॉल मॉडल : नायब सिंह

चंडीगढ़, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान सेवा को पर्याय बनाते हुए प्रदेश की मंडियों को ऐसा मॉडल बनाएं जिसका अनुसरण पूरा देश करे। इसके अलावा मंडी शुल्क वसूली, व्यवहार में शत–प्रतिशत ईमानदारी बरतें और किसानों का विश्वास बनाएं। इसके साथ ही मंडियों को देश की सबसे आधुनिक, पारदर्शी और किसान हितैषी मंडी व्यवस्था बनाई जाए। मुख्यमंत्री मार्केटिंग बोर्ड के नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक को अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मार्केट कमेटियों के चेयरमैन एवं वाईस चेयरमैन के अलावा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनियां, डॉ. अर्चना गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी बी भारती सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केटिंग बोर्ड के पदाधिकारियों की नींव अन्नदाता की समृद्धि और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती टिकी हुई है। मंडी व्यवस्था किसानों के पसीने की कमाई को सही मूल्य और सम्मान दिलाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है जिससे किसान सशक्त होगा तो हरियाणा प्रदेश सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटियां सिर्फ सरकारी दफ्तर नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के शक्ति केंद्र हैं। इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी मंडियों का उचित प्रबंधन करना है। साथ ही, किसान और व्यापारी के आपसी संबंधों को ओर अधिक विश्वसनीय व मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि मंडियों में ऐसी व्यवस्था बनाना है जहां किसान को उपज लाते ही सही माप, मूल्य और समय पर भुगतान मिले और व्यापारी को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और व्यापार करने का बेहतर वातावरण मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटियों ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल क्रांति को अपनाने में सराहनीय कार्य किया है। ई–खरीद और डी.बी.टी. को सफलतापूर्वक सुनिश्चित किया है ताकि, किसान के खाते में उसकी फसल का पैसा सीधे और समय पर पहुंचे। बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर, किसानों को उसकी मेहनत का पूरा हक दिलवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गेट पास जारी करने से लेकर मंडी शुल्क की वसूली तक हर प्रक्रिया को पूर्ण रूप से डिजिटल बनाना होगा, ताकि कार्य में पारदर्शिता बनी रहे। भ्रष्टाचार की जड़ें काटने के लिए हमें और अधिक टेक्नोलॉजी को अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन–2024 से किसानों की फसल खरीद का पैसा फसल का गेट पास कटने के 48 घंटे के अन्दर डी.बी.टी. के माध्यम से दे दिया जा रहा है। प्रदेश भर की मंडियों में शेड, पीने का पानी, शौचालय और किसानों के लिए विश्राम गृह जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने का काम तेजी से हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फल–सब्जी उत्पादक किसानों के लिए फार्म–गेट के पास कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटियों के पदाधिकारी अपने क्षेत्र में पी.पी.पी. मॉडल के तहत कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के प्रस्तावों को प्राथमिकता दें। मंडियों तक पहुंचने वाली सड़कों की मरम्मत और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएं ताकि, किसानों को मंडियों में अपनी उपज लाने में कोई परेशानी न हो।

सफाई कर्मियों की मौत मामले में

केंद्र सरकार बताए कि वो पहले झूठ बोल रही थी या अब झूठ बोल रही है: दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में सवाल किया कि पिछले दस वर्षों के दौरान हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों की मृत्यु की संख्या संबंधी वर्ष–वार और राज्य–वार ब्यौरा क्या है। जिसके जवाब में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री (रामदास आठवले) ने कहाकि हाथ से मैला उठाने के कारण किसी मौत की सूचना नहीं मिली है। इससे पहले 02–08–2022 को लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 2726 के जवाब में सरकार ने बताया कि 2017 – 2021 के दौरान पूरे देश में कुल 330 व्यक्तियों की मृत्यु हुई जिसमें से 36 कर्मियों की मौत अकेले हरियाणा में हुई। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार बताए कि सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में वो पहले झूठ बोल रही थी कि अब झूठ बोल रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि सीवर/सेप्टिक–टैंक सफाई का 100% मशीनीकरण लागू किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सभी पीड़ित परिवारों को समय–सीमा में अनिवार्य मुआवज़ा, नौकरी और पुनर्वास दिया जाए। अपने सवाल में दीपेन्द्र हुड्डा ने सीवर/सेप्टिक–टैंक सफाई कार्य के दौरान जान गँवाने वाले कर्मियों के परिवारों को दिए गए मुआवजे और हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन के संबंध में भी सवाल पूछा। जिसका सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार तकनीकी शब्दों में मैनुअल स्कैवेंजिंग को परिभाषित कर मौतों को नकार रही है। सरकार हाथ से मैला ढोने और सीवर/सेप्टिक टैंक में सफाई के बीच तकनीकी अंतर बताकर मौतों को नकारती है ताकि उसे मुआवजा न देना पड़े। सरकार कहती है कोई मौत की सूचना नहीं जबकि आधिकारिक तौर पर 5 साल में 330 मौतें दर्ज हैं। जो सरकार के शून्य मौत के दावे के बिल्कुल विपरीत है।

सुप्रीम कोर्ट ने खुद हरियाणा सरकार को इस मामले में फटकार लगाई है। क्योंकि उसने एक सफाईकर्मी की विधवा की अर्जी पर कार्रवाई नहीं की।

जिससे साबित होता है कि मौतें हुई हैं और राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। सर्वोच्च न्यायालय लगातार राज्यों को सेप्टिक–टैंक/सीवर में मरने वाले मजदूरों के परिजनों को मुआवज़ा देने के निर्देश देता रहा है। अगर मौतें नहीं होतीं, तो सुप्रीम कोर्ट मुआवज़े के आदेश क्यों देता? सरकार सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों के लिए राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता इकोसिस्टम कार्ययोजना (नमस्ते) योजना शुरू करने का दावा तो करती है लेकिन जमीनी स्तर पर शून्य मृत्यु दर प्राप्त करने में विफल रही है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल कागजों में नियम बनते है, धरातल पर सरकार का काम जीरो : चौटाला

चंडीगढ़, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बढ़ते प्रदूषण पर हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चिंता जाहिर करते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि हर बार सरकार प्रदूषण का सारा दोष किसानों के माथे पर मढ़ देती है, जबकि खुद प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस समाधान पर कार्य नहीं करती है। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाणा में पराली जली ही नहीं तो फिर इतना प्रदूषण कैसे फैला? इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के लिए सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है, क्योंकि केवल कागजों में ही प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियम बनाए और लागू किए जाते है, जबकि धरातल उन्हें लागू करने में सरकार फेल साबित हो रही है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज देशभर में हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर, सोनीपत, बहादुरगढ़, धारूहेड़ा, रोहतक जैसे अनेक शहर टॉप प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल है, जहां लोगों का सांस लेना दूभर हो चुका है। यहां तक कि दिल्ली एनसीआर में ग्रैप–4 लागू कर दिया गया है, जबकि धरातल पर अधिकारी इन नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकाम है।

आजादी के आंदोलन में भी मीडिया की रही अहम भूमिका : आरती सिंह

चंडीगढ़, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आजादी के आंदोलन में भी मीडिया की अहम् भूमिका रही है। आज सूचना के अनेक माध्यम हैं, लेकिन फिर भी लोगों का प्रिंट मीडिया पर विश्वास है, यह विश्वास ही प्रिंट मीडिया की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वास्थ्य मंत्री आज चंडीगढ़ में द कन्फेडरशन ऑफ़ न्यूज़पेपर एंड न्यूज़ एजेंसी एम्पलॉयज ऑर्गेनाइजेशन की ऑल इंडिया मीडिया मीट में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी। उन्होंने मीडिया को समाज का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में प्रिंट मीडिया ने सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस किया और जनता की आवाज़ बनकर खड़ा हुआ। यही कारण है कि प्रिंट मीडिया का महत्व केवल खबरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने समाज को सोचने, समझने और सही–गलत में फर्क करने की दृष्टि भी दी।स्वास्थ्य मंत्री ने प्रिंट मीडिया का महत्व बताते हुए कहा कि जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विस्तार हुआ, विशेषकर टेलीविजन के माध्यम से खबरें घर–घर तक पहुँचने लगीं, तब यह माना जाने लगा कि अब प्रिंट मीडिया का प्रभाव कम हो जाएगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन बनाने से गांवों और पंचायतों के लोगों को लाभ मिल सकेगा : कन्हैयालाल चौधरी

टोडारायसिंह, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उपखण्ड के कस्बा मोर में नवक्रमोन्नत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर किया गया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार छोटे गांवों और कस्बों का विकास कर गांवों में भी शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कस्बा मोर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन बनाने से आस–पास के गांवों और पंचायतों के लोगों को लाभ मिल सकेगा। गांवों और छोटे कस्बों में बिजली, चिकित्सा, घर घर पानी तथा शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि बिजली 24 घंटे मिले इसके लिए मोर में 1 करोड़ रुपए सब्सिडी सोलर पावर के लिए दिए जाने हैं, ताकि गरीब और अन्य लोगों को बिजली आपूर्ति नियमित रूप मिले। उन्होंने कहा कि स्टेट हाइवे 37 ए से पंद्राहेडा, रिण्डलिया रामपुरा होते हुए बावड़ी तक सडक़ बनने से क्षेत्र के लोगों सहित बावड़ी माता जी जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी तथा आवागमन सुगम हो सकेगा। इस सडक़ की लागत में 47.50 करोड़ रुपए खर्च होंगे तथा 7.5 मीटर चौड़ी और 20.50 किमी बनाई जाएगी। इसी तरह मोर में पंवालिया रोड पर चामुण्डा माता मंदिर तक मिसिंग लिंक रोड 1.90 किमी लागत 95 लाख रुपए, स्टेट हाइवे 116 से पम्प से लाखोलाई मिसिंग लिंक रोड 1.60 किमी लागत 85 लाख रुपए और आयुर्वेदिक औषधालय भवन निर्माण कार्य 20 लाख रुपए की लागत बनाए जाएंगे।

मनरेगा का नाम बदलने की कवायद महात्मा गांधी का अपमान : अशोक गहलोत

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को मनरेगा का नाम बदलने की एनडीए सरकार की कवायद पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति सरकार की ओछी मानसिकता और असम्मान का प्रमाण बताया है। गहलोत ने अपने बयान में कहा है कि एनडीए सरकार पहले 'पूज्य बापू' के नाम का शिगूफा छोड़ती है तथा फजीहत होने पर अब 'विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (तइ–ऋ ठच् ऋ)' जैसा नाम थोपना चाहती है। बार–बार नाम बदलने की यह बेचैनी भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के अपराधबोध को दर्शाती है। गहलोत के अनुसार वैश्विक मंच पर गांधी जी के सम्मान का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने याद दिलाया कि एक ओर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ऋ–20 के तमाम राष्ट्राध्यक्ष राजघाट जाकर बापू को नमन करते हैं। आजादी के बाद से ही भारत आने वाले सभी राष्ट्राध्यक्ष राजघाट जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिससे विश्व पटल पर गांधी जी का कद पता चलता है। वहीं दूसरी ओर, यह विडंबना है कि अपने ही देश में उन्हें मिटाने की साजिश रची जा रही है।

भीलवाड़ा में मेडिकल ऑफिसर 11 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा–द्वितीय द्वारा आज कार्यवाही करते हुए आरोपी डॉ पंकज छीपा मेडिकल ऑफिसर, केशव पोरवाल हॉस्पिटल भीलवाड़ा को 11लाख रूपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा–द्वितीय को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के अस्पताल (श्री सिद्धी विनायक हॉस्पीटल भीलवाडा) के मुख्यमन्त्री आयुष्मान आरोग्य योजना के बिलो को नोटिस नहीं देने व अनियमितता सैटल करने व बिल पास करने की एवज में रिश्वत राशि की मांग कर आरोपी द्वारा परेशान किया जा रहा था। जिसका आज दिनांक 15.12.2025 को परिवादी को आरोपी डॉ पंकज छीपा के पास भेजकर नियमानुसार रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया तो आरोपी द्वारा 9.50 लाख रूपये डॉ कुलदीप (सीनियर डॉक्टर) के लिये एंव 1.50 लाख रूपये स्वंय के लिए रिश्वत की मांग की गई। जिस पर एसीबी अजमेर रेंज के पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत के सुपरवीजन में ए.सी.बी. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा–द्वितीय के नेतृत्व में आज दिनांक 15.12.2025 को नरपत सिंह चारण, पुलिस निरीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाडा–द्वितीय ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी डॉ पंकज छीपा हाल मेडीकल आफिसर, केशव पोरवाल हॉस्पीटल भीलवाडा को मांग के अनुसरण में 2.00 लाख भारतीय चलन मुद्रा के असल नोट एवं 9.00 लाख के डमी नोट की रिश्वत राशि (कुल 11.00 लाख रूपये) लेते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है।

भजनलाल शर्मा ने दिए मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को विस्तारित करने के निर्देश

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को विस्तारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को जवाहर कला केन्द्र पर राज्य सरकार के दो वर्ष के उपलक्ष्य पर आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के में खान एवं भूविज्ञान विभाग के स्टॉल का अवलोकन करते समय यह कहा। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिजों से भरा प्रदेश है। गत दो वर्षों में मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉक तैयार करने से लेकर ऑक्शन तक के कार्य में तेजी आई है। इसके बावजूद प्रदेश में विपुल संभावनाओं को देखते हुए खनिज खोज कार्य को और अधिक गति दी जाएगी ताकि प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा का वैज्ञानिक खनन किया जा सके। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि खनिज खोज कार्य में नवीन तकनीक और नवाचारों को शामिल किया जा रहा है और अब आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग जैसी तकनीक के प्रयोग के लिए देश के जाने माने संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने का निर्णय किया है। खान, भूविज्ञान व पेट्रोलियम विभाग की स्टॉल में एचआरआरएल रिफाइनरी का प्रगति मॉडल एवं स्ट्रेटेजिक व क्रिटिकल मिनरल सहित प्रमुख मिनरलों को प्रदर्शित करने के साथ ही पठनीय सामग्री भी प्रदर्शित की गई है।

नेहरू ने कश्मीर को बनाया विवादित क्षेत्र, जिससे देश को मिली उग्रवाद-अलगाववाद की समस्या : योगी

लखनऊ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। सीएम योगी ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर रियासत कहां शामिल हो, इसे लेकर असमंजस की स्थिति थी, तब जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि मैं पहल करूंगा। जम्मू-कश्मीर पं. नेहरू के हाथों में था, लेकिन उन्होंने जम्मू-कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया कि आजादी के बाद से वह लगातार भारत को डसता रहा। नेहरू के कारण उसी कश्मीर से देश को उग्रवाद, अलगाववाद प्राप्त हुआ था।

देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी है, जिन्होंने लौहपुरुष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा-370 को समाप्त कर कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान के संकल्प को आगे बढ़ाया। सीएम योगी ने कहा कि गृहमंत्री के रूप में भारत में सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार, तमाम विवादों के समाधान के लिए तंत्र विकसित करने और भारत की प्रशासनिक सेवा को वर्तमान स्वरूप देने का कार्य भी लौहपुरुष के कारण हो पाया। सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता, लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका

नश्वर शरीर जवाब दे गया।

उनकी स्मृतियां, देश के प्रति उनकी सेवाएं व योगदान हम सबके लिए चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। हर भारतवासी बड़ी श्रद्धा, सम्मान के साथ भारत मां के महान सपूत लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने को तत्पर रहता है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता, लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति सेवाएं व योगदान चिरस्मरणीय अध्याय बन गए। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद में सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने परिश्रम से उच्च शिक्षा अर्जित की। इसके पीछे उनका उद्देश्य आजीविका प्राप्त कर विदेशी हुकुमूत की नौकरी करना नहीं, बल्कि देश-दुनिया को समझकर अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ भारत मां के चरणों में समर्पित करना था। सरदार पटेल ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व दिया। कई बार जेल की यातनाएं सहीं, लेकिन आजादी के आंदोलन से विचलित नहीं हुए। देश जब आजाद हो रहा था, उस समय उन्होंने पुरजोर तरीके से भारत के विभाजन का विरोध किया। उन्होंने 567 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जूनागढ़ का नवाब व हैदराबाद का निजाम भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहते थे। जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने टू-नेशन थ्योरी को लागू किया और देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत गणराज्य में शामिल हों, पाकिस्तान में शामिल हों या स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखें।

सभी हिंदू रियासतों ने भारत का हिस्सा बनने पर सहमति दी, लेकिन जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम ने मना कर दिया। सरदार पटेल की सूझबूझ के परिणामस्वरूप उनके रक्तहीन क्रांति के माध्यम से दोनों रिसायतें भारत का हिस्सा बनीं। जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम को देश छोड़कर भागना पड़ा।

राम मंदिर आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने वाले रामविलास वेदांती का निधन

अयोध्या,15 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का निधन हो गया है। उन्होंने मध्य प्रदेश के रीवा में अंतिम सांसें ली, जहां उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर मिलते ही अयोध्या और पूरे संत समाज में गहरा शोक छा गया है। साथ ही राजनीतिक जगत में भी उनके चले जाने से भारी दुख का माहौल है। दरअसल, रामविलास वेदांती पिछले दिनों रीवा के दौरे पर गए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सोमवार दोपहर उनका निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर जल्द ही उनके

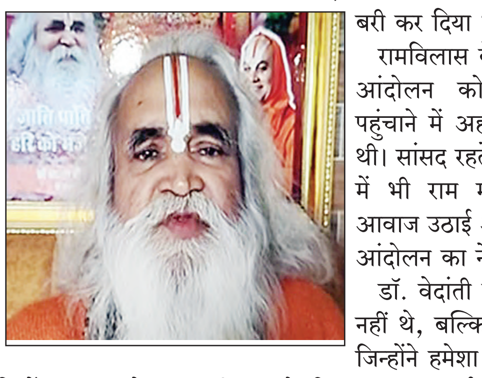

उत्तराधिकारियों और सहयोगियों द्वारा अयोध्या ले जाया जाएगा। अयोध्या पहुंचने के बाद उनका अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार किया जाएगा। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

रामविलास वेदांती का जन्म 7 अक्टूबर 1958 को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के गुढ़वा गांव में हुआ था। वे 12वीं लोकसभा में यूपी के प्रतापगढ़ से भाजपा के सांसद चुने गए थे। इससे पहले 1996 में वे मछली शहर सीट से भी सांसद रहे। उनके राजनीतिक जीवन और धार्मिक नेतृत्व ने हमेशा समाज को मार्गदर्शन दिया।

6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचा विध्वंस के मामले में जिन नेताओं पर मुकदमा चला, उनमें डॉ. वेदांती का नाम भी शामिल था, हालांकि सीबीआई की विशेष अदालत ने अंत में सभी आरोपियों को बरी कर दिया था।

रामविलास वेदांती ने जन्मभूमि आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। सांसद रहते हुए उन्होंने संसद में भी राम मंदिर निर्माण की आवाज उठाई और सड़कों पर भी आंदोलन का नेतृत्व किया।

डॉ. वेदांती सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक ऐसे नेता थे जिन्होंने हमेशा धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई। उनका जीवन राम मंदिर आंदोलन और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने न केवल संसद में, बल्कि समाज के हर वर्ग तक अपनी आवाज पहुंचाई। उनके नेतृत्व में कई लोग प्रेरित हुए और राम जन्मभूमि आंदोलन में डॉ. वेदांती का नाम हमेशा याद रखा जाएगा। वेदांती का निधन निश्चित रूप से एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनके कार्य और योगदान सदैव लोगों के बीच रहेंगे।

फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

ग्रेटर नोएडा,15 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिसाहड़ा रोड पर स्थित एक फैक्ट्री में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री से उठती आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह फैक्ट्री कूलर निर्माण के कार्य से जुड़ी हुई थी, जहां बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, मोटर, पैकिंग सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान रखा हुआ था। आग लगते ही फैक्ट्री में मौजूद कच्चा और तैयार माल जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, आग से फैक्ट्री को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर विभाग को अवगत कराया। सूचना पर फायर विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि फैक्ट्री में रखा ज्वलनशील सामान आग को और भड़काने का काम कर रहा था। फायर विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आज दिनांक 15 दिसंबर 2025 को थाना जारचा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिसाहड़ा, दादरी स्थित कंपनी एस्ट्रोनेंस कूलिंग सॉल्यूशंस में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी।

सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग की तत्परता से आग को पूरी तरह बुझा दिया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गनीमत यह रही कि घटना के समय फैक्ट्री में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस और फायर विभाग की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

यूपी सरकार के निवेश विजन का असर, नया औद्योगिक और शहरी विकास का केंद्र बना हापुड़

लखनऊ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का बड़ा गंतव्य बनाने की ओर अग्रसर है। इसी क्रम में अब दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक नया निवेश केंद्र तेजी से उभर रहा है और वह हापुड़ है। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा हाल ही में आयोजित 'इन्वेस्ट इन हापुड़ समिट 2025' ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में हापुड़ भी गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम की तर्ज पर बड़े निवेश केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा। समिट के दौरान कुल 1,300 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। इस समिट का उद्देश्य हापुड़-पिलखुवा क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को निवेशकों के सामने प्रस्तुत करना और क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश को आकर्षित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना रहे। उन्होंने समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार की पारदर्शी नीतियां, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और निवेश अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश आज देश के शीर्ष निवेश गंतव्य स्थलों में शामिल हो गया है।

वित्त मंत्री ने 100 से अधिक निवेशकों के समक्ष कहा कि दिल्ली-एनसीआर का विकास अब केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। हापुड़ जैसे क्षेत्र अब नए विकास इंजन के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) के वाइस चेयरमैन डॉ. नितिन गौड़ (आईएएस) के प्रयासों की सराहना करते हुए

कहा कि प्राधिकरण ने सीमित समय में वित्तीय मजबूती और नियोजित विकास का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। समिट में प्रस्तुत आंकड़ों ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है।

पिछले दो वर्षों में हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण का कुल लाभ 172 करोड़ से बढ़कर 435 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, नक्शों और विभिन्न स्वीकृतियों से होने वाली आय 5.3 करोड़ रुपए से बढ़कर 26.32 करोड़ रुपए हो गई है। यह वृद्धि प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था और तेज निर्णय प्रक्रिया को दर्शाती है।समिट के माध्यम से निवेशकों को यह संदेश दिया गया कि हापुड़ अब केवल ग्रामीण छवि वाला क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह दिल्ली से लगभग 15 मिनट की दूरी पर स्थित एक उभरता हुआ शहरी और औद्योगिक केंद्र है। हापुड़ का मास्टर प्लान वर्ष 2024 में स्वीकृत हो चुका है। क्षेत्र की रोड कनेक्टिविटी मजबूत है और यह दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ से कुछ मिनटों की दूरी पर स्थित है। समिट में उद्योगपति, बिल्डर्स, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज और ग्रुप हाउसिंग से जुड़े निवेशकों को आमंत्रित किया गया। निवेशकों को आवासीय और औद्योगिक भूमि की जानकारी ग्रामवार खसरे सहित उपलब्ध कराई गई है, ताकि उन्हें भूमि खोजने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। यह योगी आदित्यनाथ सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस मॉडल का व्यावहारिक उदाहरण है।

समिट के दौरान कुल 1,300 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सामने आए। यशोदा ग्रुप सहित कई बड़े निवेशकों ने हापुड़ में निवेश का आश्वासन दिया। इसमें मैक्स, मेदांता हॉस्पिटल, न्यूट्रिमा, भारती, यशोदा समूह शामिल रहे। यशोदा हॉस्पिटल ग्रुप ने 300 करोड़ रुपए, एस्पायर 150 करोड़ रुपए, दिव्यांश ग्रुप 200 करोड़ रुपए, आनंतम 150 करोड़ रुपए, आईटी पार्क बाई विशाल त्यागी 200 करोड़ रुपए, एमएंडएम 100 करोड़ रुपए, वी मैप्स 150 करोड़ रुपए और पार्क सिटी ने 100 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है।

हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि यह पहली बार है, जब प्राधिकरण स्तर पर इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर हरिपुर आवासीय योजना के अंतर्गत 30 हेक्टेयर का नया लैंड बैंक विकसित किया जा रहा है। इसमें से 21 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण अब तक पूरा हो चुका है। हापुड़ की कनेक्टिविटी नेशनल हाईवे-9, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे से है।

सुशासन दिवस पर प्रधानमंत्री करेंगे राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण

232 करोड़ रूपए खर्च,65 एकड़ में बना राष्ट्र प्रेरणा स्थल

लखनऊ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में 232 करोड़ रूपए खर्च कर 65 एकड़ में बनाए गए राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को करेंगे।लखनऊ की वसंत कुंज योजना में बने कमल के आकार वाले राष्ट्र प्रेरणा स्थल परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर लोकार्पण कार्यक्रम के साक्षी करीब डेढ़ लाख लोग होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के रूप में 25 दिसंबर का दिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। 25 दिसंबर को होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में प्रदेश भर से लोगों को लाने के लिए रोडवेज की 2,500 बसों का इंतजाम है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित भी करेंगे। पीएम मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर लगाई गई पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का लोकार्पण करेंगे। इन प्रतिमाओं के निर्माण पर करीब 21 करोड़ रुपए खर्च हुए है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां ज़ोरों से चल रही हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद तैयारियों पर नजर रख रहे है। वीसी एलडीए प्रथमेश कुमार प्रेरणा स्थल पर ही अस्थायी कार्यालय बनाकर बनाए जा रहे विशाल पंडाल का कार्य देख रहे हैं। एक सप्ताह से पंडाल बनाया जा रहा है। इस पर वाटरप्रूफ तिरपाल लगाया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर जिस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को संबोधित करेंगे उसे सजाया जा रहा है। म्यूजियम ब्लॉक के समीप एक स्थायी मंच है, जिसके सामने 3000 लोगों की क्षमता का एम्फीथिएटर है जिसमें वीआईपी बैठेंगे।राष्ट्र प्रेरणा स्थल जिन तीन महापुरुषों पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे उन पर प्रोजेक्शन लाइटें लगाई जा रही हैं। हर प्रतिमा की ऊंचाई 65 फीट है।तीनों महापुरुषों के जीवन यात्रा से जुड़े संस्मरणों को संजोने के लिए यहां पर एक म्यूजियम भी बनाया गया है। प्रधानमंत्री 25 दिसंबर को दिल्ली से लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट आएंगे। वहां से वह हेलीकॉप्टर से प्रेरणा स्थल पहुंचेंगे। प्रेरणा स्थल पर तीन हेलीपैड बनाए गए हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल 65 एकड़ में बनाया बना है।इसका निर्माण दिसंबर 2022 में शुरू हुआ था।इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपए खर्च हुए है। तीन महापुरुषों की 65 फीट ऊंची प्रतिमा लगी। तीन प्रतिमाओं के निर्माण में 21 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य : योगी

लखनऊ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'जनता दर्शन' के जरिए प्रदेशवासियों से मिलकर सीधे उनकी समस्या सुनने और उसके निराकरण की पहल निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भी 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक फरियादी से मिले, समस्याएं सुनीं। प्रार्थना पत्र लिया और अधिकारियों को सख्त व उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में पीएसी के सिपाही ने अपनी समस्या से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए मामले के उचित निस्तारण का निर्देश दिया। शाहजहांपुर से आए किसान ने मुख्यमंत्री जी से धान खरीद केंद्र की लापरवाही की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अन्नदाता किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्हें किसी प्रकार की समस्या न हो, शासन-प्रशासन के अधिकारी इसका ध्यान रखें। मुख्यमंत्री जी ने शाहजहांपुर के डीएम को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण करें।

किसी भी केंद्र पर धान ले जाने वाले किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रयागराज से भी कुछ फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री संबंधित मामले में प्रयागराज के जिला व पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया कि इन समस्याओं का निस्तारण कराएं। हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है। सरकार पहले दिन से ही लोगों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। साढ़े 8 वर्ष में जनता की समस्या सुनने और उसके निराकरण के लिए सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है।

लोधी समाज ने विपरीत परिस्थितियों में सेवा की सीख दी : ब्रजेश पाठक

लखनऊ ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोधी समाज ने विपरीत परिस्थितियों में भी सेवा का भाव नहीं छोड़ा, समाज के हर तबके की मदद की। देश और प्रदेश की राजनीति में लोधी समाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। गोमतीनगर स्थित सीएमएस के सभागार में सोमवार को अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा का प्रथम स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोधी समाज ने समाज की हर मदद की और देश-प्रदेश को आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मैं कंधेसेकंधा मिलाकर आपके साथ हूं। हम सब मिलकर हक के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

लोधी राजपूत कल्याण महासभा शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रही है। महासंघ को सामाजिकराजनीतिक सक्रियता और बढ़ाने की जरूरत है।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' में एक पोस्ट में लिखा कि सोमवार को लखनऊ में अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी जी महाराज, राष्ट्रीय संरक्षक राजवीर सिंह राजू भैया, पूर्व सांसद व राष्ट्रीय महामंत्री गंगाचरण राजपूत, पशुधप एवं दुध्य विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद चन्द्रभान सिंह लोधी मौजूद रहे। इसके अलावा, रामपुर के पूर्व सांसद व महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री धनश्याम सिंह लोधी, आगरा फतेहबाद विधायक छोटेलाल वर्मा, राष्ट्रीय मंत्री व कन्नौज तिर्वा से विधायक कैलाश सिंह राजपूत, राष्ट्रीय संघठन मंत्री व पूर्व मंत्री भैया साहब लोधी, छत्तीसगढ़ भिलाई की पूर्व मेयर नीता लोधी, महासंभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सौरभ सिंह वर्मा, बुलंदशहर स्याना विधायक देवेंद्र सिंह लोधी, प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह भी उपस्थित रहे।

हर समस्या का कराएंगे उचित निस्तारण : योगी

लखनऊ,15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'जनता दर्शन' के जरिए प्रदेशवासियों से मिलकर सीधे उनकी समस्या सुनने और उसके निराकरण की पहल निरंतर जारी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को भी 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक फरियादी से मिले, समस्याएं सुनीं, सभी का प्रार्थना पत्र लिया और अधिकारियों को सख्त व उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में पीएसी के सिपाही ने अपनी समस्या से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए मामले के उचित निस्तारण का निर्देश दिया। शाहजहांपुर से आए किसान ने मुख्यमंत्री जी से धान खरीद केंद्र की लापरवाही की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अन्नदाता किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्हें किसी प्रकार की समस्या न हो, शासन-प्रशासन के अधिकारी इसका ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर के डीएम को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। किसी भी केंद्र पर धान ले जाने वाले किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

प्रयागराज से भी कुछ फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित मामले में प्रयागराज के जिला व पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया कि इन समस्याओं का निस्तारण कराएं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है। सरकार पहले दिन से ही लोगों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। साढ़े 8 वर्ष में जनता की समस्या सुनने और उसके निराकरण के लिए सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने 'जनता दर्शन' में आए लोगों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का उचित निस्तारण कराएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी से नाम पूछा, चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ने करने को कहा। सीएम ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।

वानखेड़े में पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी 20 सीरीज, 16 से 18 दिसंबर तक होंगे मुकाबले

मुंबई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुंबई का प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम 16 से 18 दिसंबर के बीच एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक क्रिकेट आयोजन की मेजबानी करेगा। यहां पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी-20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी तीनों मुकाबले इसी मैदान पर खेले जाएंगे। यह आयोजन समावेशिता, साहस और खेल भावना का सशक्त संदेश देगा।

तीन दिवसीय इस टी20 सीरीज का उद्देश्य शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा, मेहनत और जज़्बे को मंच देना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट की बढ़ती पहचान के बीच वानखेड़े स्टेडियम जैसे ऐतिहासिक मैदान पर यह सीरीज़ एक अहम पड़ाव मानी जा रही है।

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के महासचिव उन्मेष खानविलकर ने कहा, 'पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज़ की मेजबानी करना एमसीए के लिए गर्व का क्षण है। यह आयोजन न सिर्फ खिलाड़ियों के जज़्बे का सम्मान करता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि क्रिकेट हर किसी का खेल है। हमारे अध्यक्ष अजिंक्य नाइक दिव्यांग क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और एमसीए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करता रहेगा।' डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रवि चौहान ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों के लिए यह बेहद खास मौका है। उसी वानखेड़े स्टेडियम में खेलना, जहां भारत ने 2011 विश्व कप जीता था, खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और प्रेरणा को कई गुना बढ़ाएगा। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक और पूरी संस्था का हम आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट को निरंतर समर्थन दिया है।' उन्होंने यह भी बताया कि बीसीसीआई के सहयोग से देशभर में फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट के विकास और विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सीरीज़ का हर मुकाबला प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट का उदाहरण होगा, जिसमें खिलाड़ियों का कौशल, टीमवर्क और दृढ़ संकल्प देखने को मिलेगा। यह आयोजन खेल को समानता और सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए डॉर्टमुंड की जीत फिसली, फ्राइबर्ग से 1-1 की बराबरी

फ्राइबर्ग। बुंडेसलीगा में बोरूसिया डॉर्टमुंड रविवार को फ्राइबर्ग के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर रुक गया। दूसरे हाफ की शुरुआत में जोबे बेलिंगहैम के रेड कार्ड के बाद डॉर्टमुंड को भारी नुकसान उठाना पड़ा और टीम 75वें मिनट में गोल खाकर बढ़त गंवा बैठी। इस ड्रॉ के साथ डॉर्टमुंड दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका चूक गया। मैच के पहले हाफ में डॉर्टमुंड पूरी तरह हावी रहा। टीम ने कई सुनहरे मौके गंवाए और 21वें मिनट में कार्नी चुक्वुएमेका का शॉट पोस्ट से टकराया। आखिरकार 31वें मिनट में रामी बेन्सेबैनी ने नजदीक से गोल कर डॉर्टमुंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 53वें मिनट में मैच का रुख बदल गया, जब जोबे बेलिंगहैम को फिलिप ट्रू पर आखिरी खिलाड़ी के तौर पर फाउल करने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। यह फाउल गोलकीपर ग्रेगर कोबेल की एक गलत पास के बाद हुआ। एक खिलाड़ी ज्यादा होने का फायदा उठाते हुए फ्राइबर्ग ने दबाव बढ़ाया। 64वें मिनट में ट्रू का कर्लिंग शॉट बाहर चला गया, जबकि 73वें मिनट में कोबेल ने युइतो सुजुकी के शॉट को बार पर टिप कर दिया। लेकिन 75वें मिनट में लुकास होलर ने शानदार नियंत्रण के बाद वॉली मारकर गेंद को टॉप कॉर्नर में डालते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

यूएस किड्स गोल्फ इंडियन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा मानेसर

नई दिल्ली। देशभर में जूनियर गोल्फ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यू.एस. किड्स गोल्फ इंडियन चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 17 से 19 दिसंबर तक मानेसर स्थित क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का पांचवां संस्करण होगा। तीन दिवसीय यह टूर्नामेंट वर्ल्ड एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग और जूनियर गोल्फ स्कोरबोर्ड से मान्यता प्राप्त है, जो वैश्विक जूनियर गोल्फ कैलेंडर पर इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और प्रतिस्पर्धात्मक विश्वसनीयता को दर्शाता है। इस चैंपियनशिप में करीब 100 युवा गोल्फ खिलाड़ी—लड़के और लड़कियां दोनों—भाग लेने की उम्मीद है। ये खिलाड़ी भारत सहित एशिया के कई देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिताएं अंडर-7 से लेकर अंडर-18 आयु वर्ग तक विभिन्न श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी। यूएस किड्स गोल्फ एशिया के अंतर्गत इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों में सिंगापुर, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, फिलीपींस और भारत शामिल हैं, जो इस आयोजन के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को दर्शाता है।

U.S. KIDS GOLF India ...leading the world in kids golf

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी की चमक कम हुई, खराब फार्म बना प्रबंधन की परेशानी

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से अपनी चमक खोती दिख रही है। पहले जहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेज गेंदबाज उनके निशाने पर रहते थे। इसी कारण उनकी तुलना मिस्टर 360 डिग्री कहे जाने वाले ए बी डिविलयर्स से होती थी। सूर्या मैदान में किसी भी हिस्से पर खेल कर बाउंड्री से बाहर भेज देते थे। वहीं पिछले एक साल से वह इसमें असफल होते दिख रहे हैं। जिन तेज गेंदबाजों के खिलाफ वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आसानी से बड़े शॉट लगाते थे। उन्हीं तेज गेंदबाजों के खिलाफ अब रन बनाने में असफल हो रहे हैं। इसका अंदाजा उनके आंकड़े दे रहे हैं। इससे आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन की चिन्ताएं भी बढ़ गयी हैं। सूर्यकुमार टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस साल तेज गेंदबाजों के खिलाफ 18 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए केवल 122 रन ही बना पाए हैं। वहीं उन्होंने 18 में से 14 बार अपना विकेट तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही खोय है। उनका बल्लेबाजी औसत 8.71 रन का रहा है। वहीं स्ट्राइक रेट 115.09 का है। पहले जहां उन्हें गेंदबाजी करने से गेंदबाज डरते थे कयोंकि वह मैदान में कहीं भी बड़े छक्के लगा देते थे। वहीं अब ऐसा नहीं है। उनके खराब फॉर्म का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पिछले 20 पारियों में एक भी 50 रन नहीं बनाये हैं। आखिरी बार उनके बल्ले से अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक आया था। उसके बाद से ही वह लगातार संघर्ष करते हुए दिख रहे हैं। आखिरी अर्धशतक के बाद 20 पारियों में सूर्या ने सिर्फ दो बार ही प्रभावी खेल दिखाया जब एशिया कप में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 47 रन बनाए थे।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड खिलाड़ियों के लिए लागू करेगा कोड ऑफ कंडक्ट

देहरादून, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) ने राज्य के क्रिकेट खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए एक नया और विस्तृत कोड ऑफ कंडक्ट लागू करने का फैसला लिया है। जल्द ही विस्तृत गाइडलाइंस और स्वीकृति फॉर्म जारी किया जाएगा। अपेक्स काउंसिल की सोमवार की हुई बैठक में इस कोड को मंजूरी दी गई। यह नियम आगामी क्रिकेट सत्र से सभी आयु वर्गों और स्तरों पर लागू होंगे।

सीएयू जल्द ही विस्तृत गाइडलाइंस और स्वीकृति फॉर्म जारी करेगा, जिसकी जानकारी सभी क्लबों और खिलाड़ियों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम उत्तराखंड क्रिकेट को अधिक पेशेवर और अनुशासित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। सीएयू के अध्यक्ष दीपक मेहरा ने कहा कि यह कोड उत्तराखंड क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन करें और मैदान के बाहर भी अनुशासित एवं आदर्श बनें। इन सख्त नियमों से युवा प्रतिभाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी और राज्य का क्रिकेट और मजबूत होगा।

सचिव किरण रौतेला वर्मा ने कहा कि अनुशासन, ईमानदारी और फिटनेस क्रिकेट के विकास की नींव हैं। यह कोड पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा और सभी खिलाड़ियों को बराबर अवसर देगा। हमें उम्मीद है कि इससे उत्तराखंड के क्रिकेटर राष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर करेंगे और राज्य को गौरवान्वित करेंगे ।बैठक में सचिव किरन रौतेला वर्मा किरण, अध्यक्ष दीपक मेहरा, उपाध्यक्ष अजय पांडे, कोषाध्यक्ष मानस मेगवाल, संयुक्त सचिव नूर आलम,काउंसलर मनोज नौटियाल, सीईओ मोहित डोभाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोड ऑफ कंडक्ट के मुख्य प्रावधान:

व्यवहार और अनुशासन: खिलाड़ियों को कोच, साथी खिलाड़ी, विरोधी टीम, अंपायर और अधिकारियों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखना होगा। झगड़ा, अपशब्द, मौखिक दुर्व्यवहार या नकारात्मक बॉडी लैंग्वेज पर सख्त कार्रवाई।

बेईमानी पर रोक: चोट का नाटक करना, चोट छिपाना या स्टाफ को गुमराह करना पूरी तरह प्रतिबंधित।

उपस्थिति और पाबंदी: प्रैक्टिस, मीटिंग और मैचों में समय पर पहुंचना अनिवार्य। बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थिति को मिसकंडक्ट माना जाएगा, जिस पर निलंबन तक की सजा हो सकती है।

ईमानदारी और फिटनेस: चोट या फिटनेस मुद्दों की सच्चाई से रिपोर्टिंग जरूरी। बीसीसीआई के फिटनेस मानकों का पालन अनिवार्य।

सुविधाओं का सम्मान: किट, ग्राउंड, जिम और उपकरणों का दुरुपयोग पर दंड।

सोशल मीडिया और सार्वजनिक व्यवहार: टीम या अधिकारियों को बदनाम करने वाली पोस्ट प्रतिबंधित। आंतरिक मामलों पर नकारात्मक चर्चा नहीं ।मैदान पर व्यवहार:अंपायर से बहस, उपकरण फेंकना या अस्पोर्ट्समैनशिप पर सजा।

टीम कमिटमेंट: टीम हित को व्यक्तिगत अहंकार से ऊपर रखना। नकारात्मक गॉसिप या दोषारोपण प्रतिबंधित।

उल्लंघन पर सजा: उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर चेतावनी, जुर्माना (मैच फीस का 50%), मैच बैन या गंभीर मामलों में एक साल तक घरेलू क्रिकेट से प्रतिबंध। चोट छिपाने या बिना सूचना अनुपस्थिति पर तत्काल सत्र से हटाया जा सकता है।

शिकायतों के लिए निर्धारित चैनल का पालन अनिवार्य होगा। मैच रेफरी 24 घंटे में सुनवाई करेंगे। सभी खिलाड़ियों को कोड की स्वीकृति पर हस्ताक्षर करना होगा।

मैंने बस सही लेंथ पर गेंद डाली और विकेट का फायदा उठाया : अर्शदीप सिंह

धर्मशाला, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद अपनी सफलता का श्रेय बुनियादी बातों पर टिके रहने और धर्मशाला की अनुकूल परिस्थितियों का सही इस्तेमाल करने को दिया।

एचपीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अर्शदीप ने चार ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत की सात विकेट से जीत की मजबूत नींव रखी। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद अर्शदीप ने कहा, 'कुछ भी नहीं बदला। मैंने बस सही लेंथ पर गेंद डाली और विकेट से मिलने वाली मदद का पूरा फायदा उठाया। ठंडे मौसम के कारण स्विंग और सीम दोनों मिल रही थीं। मैंने चीजों को सरल रखा और उसका इनाम मिला।'

उन्होंने न्यू चंडीगढ़ में पिछले मैच के बाद वापसी को लेकर भी बात की। अर्शदीप ने कहा, 'जब मैं मैदान पर उतरा तो लोग कह रहे थे कि यह भी तुम्हारा होम ग्राउंड है, लेकिन मैंने कहा कि यह मेरा होम ग्राउंड नहीं है। इसके बाद सिर्फ बुनियादी चीजों पर भरोसा किया। इस स्तर पर खेलते हुए कभी-कभी एक दिन खराब हो सकता है, लेकिन यह अच्छा लगता है कि इस मैच में मैं बेहतर कर पाया।'

रीजा हेंड्रिक्स के खिलाफ डीआरएस लेने को लेकर अर्शदीप ने कहा कि यह फैसला सूर्यकुमार यादव का था।

उन्होंने कहा, 'पैड पर लगते ही मुझे पता था कि वह आउट है। जितेश से भी सहमति मिल गई थी। सूर्या भाई ने बस थोड़ा सस्पेंस बनाने के लिए इंतजार किया।'

वहीं डेवॉल्ड ब्रेविस के खिलाफ रिव्यू न लेने पर उन्होंने हंसते हुए कहा, 'एक गेंदबाज हर रिव्यू लेना चाहता है। मुझे लगा गेंद पैड पर दो बार लगी थी, इसलिए कन्फ्यूजन हुआ। अगली बार ध्यान रखूंगा।' इस मुकाबले में किफायती गेंदबाजी करने वाले वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट लेकर पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय में 50 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड बनाया। वरुण ने कहा कि ठंडे हालात चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन टीम की तैयारी शानदार रही। उन्होंने कहा, 'मैंने इतनी ठंड में पहले कभी नहीं खेला। परिस्थितियां मुश्किल थीं, लेकिन हमारी तैयारी अच्छी थी।'

न्यू चंडीगढ़ में हार के बाद बदलाव को लेकर वरुण ने कहा, 'हमारी एक अच्छी गेंदबाजी मीटिंग हुई, जिसमें खुलकर बातचीत हुई। हमने अपनी गलतियों को पहचाना और सही अप्रोच पर काम किया। इसका नतीजा दिखा।

फुटबॉलर लियोनेल मेसी की गॉट इंडिया टूर में पीएम मोदी से नहीं होगी मुलाकात

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी की गोट इंडिया टूर के तहत नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने वाली मुलाकात रद्द कर दी गई है। यह मुलाकात सोमवार को प्रस्तावित थी, जिसके लिए 21 मिनट का प्रोटोकॉल भी तैयार किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बैठक रद्द होने का कारण उनका विदेश दौरा बताया गया है। मेसी इस समय भारत के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में उनके पहले कार्यक्रम के दौरान कुछ अव्यवस्थाएं देखने को मिली थीं, हालांकि इसके बाद हैदराबाद और मुंबई में उनका दौरा पूरी तरह सुचारु रहा। नई दिल्ली प्रवास के दौरान लियोनेल मेसी के भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत सहित कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करने की संभावना है। मेसी का भारत दौरा अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित एक सम्मान समारोह के साथ संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में वे एक कोचिंग क्लिनिक का आयोजन करेंगे, जिसके बाद मिनर्वा अकादमी के युवा खिलाड़ियों के साथ मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि मिनर्वा अकादमी की टीम ने इसी वर्ष तीन यूरोपीय यूथ ट्रॉफी जीती हैं।

हार्मर और शेफाली वर्मा बने नवंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नवंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर को पुरुष वर्ग में, जबकि भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को महिला वर्ग में यह सम्मान दिया गया है।

हार्मर को पहली बार मिला पुरुष वर्ग का अवॉर्ड

दक्षिण अफ्रीका के 36 वर्षीय ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने बांग्लादेश के ताइजुल इस्लाम और पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। हार्मर को यह सम्मान भारत के खिलाफ खेली गई दो मैचों की आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए मिला।

हार्मर ने इस सीरीज में कुल 17 विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका को भारत में 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कोलकाता टेस्ट में उन्होंने 4/30 और 4/21 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि गुवाहाटी टेस्ट में 3/64 और शानदार 6/37 की गेंदबाजी की। पूरी सीरीज में उनका औसत 8.94 और इकॉनमी 1.91 रही।

अवॉर्ड मिलने पर हार्मर ने कहा कि देश के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है और इस उपलब्धि का श्रेय वह अपनी टीम, कोचिंग स्टाफ और परिवार को देते हैं।

शेफाली वर्मा को महिला वर्ग का सम्मान

भारतीय महिला टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग और यूएई की एशा ओजा को पछाड़ते हुए पहली बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता। खास बात यह रही कि शेफाली को चोटिल प्रतीका रावल के स्थान पर लेट रिप्लेसमेंट के तौर पर वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया था।

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में शेफाली ने 78 गेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली, जो महिला वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भारतीय ओपनर का सर्वोच्च स्कोर है। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

इसके अलावा शेफाली ने गेंदबाजी में भी अहम योगदान देते हुए सुने लूस और मरिज़ाने कैप के विकेट चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

शेफाली ने कहा कि उनका पहला वर्ल्ड कप अनुभव उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन अंत बेहद यादगार रहा। उन्होंने इस सम्मान को टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत और घरेलू दर्शकों के सामने मिली सफलता को समर्पित किया।

इस तरह नवंबर, 2025 में हार्मर और शेफाली ने अपने-अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी के सर्वोच्च मासिक सम्मान पर कब्जा जमाया।

एडिलेड ओवल में तीसरा एशेज टेस्ट बुधवार से, मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय

एडिलेड टेस्ट से पहले बोले नाथन लियोन, किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

एडिलेड, 15 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने आगामी तीसरे एशेज टेस्ट से पहले साफ कहा है कि उन्हें किसी को भी कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। बुधवार से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय मानी जा रही है, जहां गर्म मौसम और सूखी पिच स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल रहने की उम्मीद है।

नाथन लियोन एक बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड के भी करीब हैं। उनके नाम फिलहाल 562 टेस्ट विकेट हैं और वे महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (563 विकेट) के रिकॉर्ड से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं। 140 टेस्ट मैच खेल चुके लियोन को पिछले तीन मैचों में से दो में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उनके खेलने की प्रबल संभावना है, जहां ऑस्ट्रेलिया 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। इस मैच में पैट कमिंस भी कप्तान के रूप में वापसी करेंगे।

लियोन ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'व्यक्तिगत तौर पर यह निराशाजनक था, लेकिन मैंने 140 टेस्ट खेले हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को कुछ साबित करना है। मुझे अपनी भूमिका साफ तौर पर पता है। मुझे ड्रेसिंग रूम में सभी के साथ खेलना और ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना बेहद पसंद है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर मुझे फिर से मौका मिलता है, तो मैं वही करता रहूंगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते रहना मेरा सपना है। किसी को भी चयन का स्थायी अधिकार नहीं होता। आपको कड़ी मेहनत करनी होती है ताकि आप चयन के हकदार बन सकें।'

सोमवार का दिन लियोन के लिए खास भी रहा, क्योंकि उन्हें औपचारिक रूप से एडिलेड ओवल की 'एवेन्यू ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया। यह वही मैदान है, जहां वे कभी ग्राउंड स्टाफ के रूप में काम किया करते थे। अब सभी की नजरें एडिलेड टेस्ट पर हैं, जहां लियोन न सिर्फ टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं, बल्कि इतिहास भी रच सकते हैं।

लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आप एक स्पिनर से पूछ रहे हैं, तो जाहिर है कि स्पिन बेहद अहम है। टेस्ट क्रिकेट पांच दिन का खेल है और पिच के टूटने के साथ स्पिनरों के लिए मौके बढ़ते हैं। जैसे ही गेंद घूमती है, टीवी पर ज्यादा नजरें टिक जाती हैं।'

उन्होंने भारत दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि स्पिन वाली परिस्थितियों में खेल और भी रोमांचक हो जाता है और दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ती है।

'मेरे लिए स्पिन क्रिकेट के हर प्रारूप में अहम भूमिका निभाता है—चाहे जूनियर क्रिकेट हो, फर्स्ट क्लास, व्हाइट-बॉल या रेड-बॉल।' इस पर लियोन ने कहा, 'मेरे इतिहास को देखते हुए यह किसी परीकथा जैसा हो सकता है। 2010-11 में मेरा पहला टेस्ट यहीं हुआ था। ग्लेन मैक्ग्रा को पीछे छोड़ना वाकई अविश्वसनीय होगा।

कवच 4.0 रेल सुरक्षा प्रणाली विकसित करने नोवा और टाटा एलेक्सी ने की साझेदारी

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

नोवा कंट्रोल टेक्नॉलजिक्स, ईटुई ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की डीपटेक क्षेत्र की सहायक कंपनी, और टाटा एलेक्सी ने मिलकर भारत की स्वदेशी स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 की अगली पीढ़ी विकसित करने का निर्णय लिया है।

कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख रुपए

इस साझेदारी के तहत नोवा प्राथमिक ओईएम के रूप में विनिर्माण, परीक्षण और एकीकरण की जिम्मेदारी संभालेगी, जबकि टाटा एलेक्सी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, सुरक्षा प्रमाणन और साइबर सुरक्षा इंजीनियरिंग का नेतृत्व करेगी। नोवा के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार कवच प्रणाली की प्रति किलोमीटर लागत लगभग 50-60 लाख है। प्रारंभिक रूप से भारतीय रेलवे के लगभग 40,000 किलोमीटर नेटवर्क में इसे लागू किया जाएगा। प्रत्येक रेल इंजन के लिए शुरुआती निवेश 70-80 लाख रुपए होगा। इसके चलते चरण-1 के लिए कुल निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। परियोजना का कार्यान्वयन अगले 6-7 वर्षों में पूरा होने की संभावना है। कंपनियां दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे निर्यात बाजार को भी लक्षित कर रही हैं, जिससे भविष्य में कारोबार में वृद्धि की संभावना है। टाटा एलेक्सी के प्रमुख ने बताया कि कवच 4.0 का डिज़ाइन इस तरह से किया जा रहा है कि भविष्य में कवच 5.0, जिसमें साइबर सुरक्षा और मूविंग ब्लॉक जैसी सुविधाएँ होंगी, आसानी से जोड़ी जा सके। 2013-14 में भारतीय रेलवे द्वारा सुरक्षा पर खर्च 39,463 करोड़ था, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। इस परियोजना से भारतीय रेलवे के सुरक्षा नेटवर्क को आधुनिक और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

नया स्मार्टफोन पोको सी 85 5जी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। पोको कंपनी ने अपना नया स्मार्टफोन पोको सी 85 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट 4जीबी प्लस 128जीबी, 6जीबी प्लस128जीबी और 8जीबी प्लस128जीबी में पेश किया है, जिसमें वर्चुअल रैम सपोर्ट के साथ कुल रैम 16जीबी तक बढ़ाई जा सकती है। यह फोन 6000एमएएच की बड़ी बैटरी, 6.9 इंच के डिस्प्ले और 50एमपी एआई कैमरा जैसे फीचर्स के साथ आता है। कीमत की बात करें तो 4जीबी मॉडल रुपए 11,999, 6जीबी मॉडल रुपए 12,999 और 8जीबी मॉडल रुपए 14,499 में उपलब्ध होगा। फोन की बिक्री 16 दिसंबर से फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी। पोको सी85 5जी में 6.9-इंच एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। प्रोसेसर के रूप में इसमें मिडियाटेक डायमेंसिटी 6300 चिपसेट मिलता है। इसमें एलपीडीडीआर4 एक्स रैम और यूएफएस 2.2 स्टोरेज का इस्तेमाल किया गया है। कनेक्टिविटी में 5जी, वायफाय 5, ब्ल्यूटूथ 5.4, यूएसबी टाइप-सी, जीपीएस और 3.5 एमएमहेडफोन जैक शामिल हैं। यह मिस्टिक पर्पल, स्प्रिंग ग्रीन और पाव ब्लैक रंगों में उपलब्ध होगा। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50एमपी का मेन रियर कैमरा और 8एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। फोन की 6000एमएएच बैटरी 33वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। सुरक्षा के लिए इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है।

नया स्मार्टफोन ओप्पो ए6एल चीन में लॉन्च

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपनी ए6 सीरीज के नए स्मार्टफोन ओप्पो ए6एल को चीन में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे 12जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया है, जिसकी कीमत चीन में करीब रुपए 22,900 रखी गई है। यह फोन अपनी पावरफुल 7000एएमएच बैटरी, मजबूत ड्यूरेबिलिटी और हाई-एंड कैमरा फीचर्स की वजह से चर्चा में है। यह तीन रंगों मैग्नोलिया व्हाइट, बिगोनिया पिंक और ओशन ब्लू में उपलब्ध होगा। ओप्पो ए6एल में 6.8-इंच का ओएलईडी फ्लैट डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 1600 निट्स पीक ब्राइटनेस सपोर्ट करता है। डिस्प्ले को क्रिस्टल शील्ड ग्लास से प्रोटेक्ट किया गया है। फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 7 जेन 3 प्रोसेसर मिलता है, जिससे यह परफॉर्मेंस के मामले में काफी मजबूत बन जाता है। डिवाइस में यूएफएस 3.1 स्टोरेज और एलपीडीडीआर4एक्स रैम का संयोजन दिया गया है। डिवाइस ऐंड्रॉयड 15 आधारित कलर ओएस 15 पर चलता है और रेटिंग के साथ आता है, यानी यह धूल और पानी से मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है।

किआ कंपनी पेश करेगी नई 2026 सेल्टोस

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस के 2026 मॉडल को किआ कंपनी ग्लोबली लॉन्च करने जा रही है।

सर्दियों के उड़ान शेड्यूल में इंडिगो आगे, एयरइंडिया समूह पीछे

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या में बड़ा बदलाव, बाजार हिस्सेदारी में भी उलटफेर

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

इस सर्दियों के उड़ान शेड्यूल (अक्टूबर से मार्च) में भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और सीटों की संख्या के मामले में एयरइंडिया समूह को पीछे छोड़ दिया है। एक वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेज़ी से विस्तार किया है, जबकि एयरइंडिया समूह को घरेलू और संचालन संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक विमानन डेटा कंपनी के मुताबिक, इस सर्दियों में इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या 14.5 प्रतिशत बढ़कर 44,035 हो गई है।

पिछली सर्दियों में यह आंकड़ा 38,481 था। साथ ही इंडिगो ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीटों की संख्या 74 लाख से बढ़ाकर 86 लाख कर दी है। इसके चलते भारत से आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। एयरइंडिया और एयर इंडियन एक्सप्रेस को मिलाकर बने एयरइंडिया समूह ने इस सर्दियों में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 9 प्रतिशत से अधिक की कटौती की है। पिछले साल जहां समूह की 45,958 उड़ानें थीं, वहीं इस बार यह संख्या घटकर 41,626 रह गई है। सीटों के मामले में भी गिरावट दर्ज की गई है।

पिछले सर्दियों में 92 लाख सीटों के मुकाबले इस बार यह संख्या घटकर 83 लाख रह गई है, जिससे समूह की बाजार हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, पर्याप्त पायलटों के बिना तेजी से विस्तार और नए फ्लाइट ड्यूटी नियम एयरइंडिया की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की नीति के तहत विदेशी एयरलाइनों को व्यस्त भारतीय रूट्स पर सीमित अनुमति मिलने से घरेलू एयरलाइनों को फायदा हुआ है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि इससे प्रतिस्पर्धा और यात्रियों के विकल्प सीमित हो सकते हैं। इस सर्दियों में कई विदेशी एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें घटाई हैं। वहीं, भारतीय एयरलाइन अकासा एयर ने सबसे तेज़ बढ़त दर्ज की है, हालांकि बड़े विमानों की कमी के कारण वह लंबी दूरी के रूट्स पर उड़ानें नहीं चला पा रही है।

वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई को सिर्फ 2 ग्राहकों ने खरीदा

नई दिल्ली । नवंबर 2025 में वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई प्रीमियम स्पोर्ट्स कार को सिर्फ 2 ग्राहकों ने खरीदा। जून 2025 के बाद से इसकी बिक्री में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसके पीछे एक अहम वजह यह भी है कि वोक्सवैगन इंडिया इसे लिमिटेड यूनिट्स में ही बेच रही है। कंपनी भारत में इसकी केवल 150 यूनिट लाने की योजना पर काम कर रही थी, जिनमें से 138 यूनिट जून में ही बिक चुकी थीं। वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई की एक्स-शोरूम कीमत 53 लाख रुपये से शुरू होती है, जो इसे भारत की सबसे महंगी हैचबैक कारों में शामिल करती है। यह कार सिंगल, फुली-लोडेड वेरिएंट में उपलब्ध है और चार कलर ऑप्शन—मूनस्टोन ग्रे, ओरिक्स व्हाइट, किंग्स रेड मेटैलिक और ग्रेनेडिला ब्लैक मेटैलिक आती है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 2.0-लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 261 बीएचपी की पावर और 370 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 7-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से लैस है। कार सिर्फ 5.9 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है, जबकि इसकी टॉप स्पीड इलेक्ट्रॉनिक रूप से 250 किमी/घंटा तक सीमित है। डिजाइन के मोर्चे पर गोल्फ जीटीआई का स्पोर्टी अंदाज साफ झलकता है। फ्रंट में हनीकॉम्ब पैटर्न वाला बड़ा एयर डैम, एक्स-शेप फॉग लाइट्स, रेड 'जीटीआई' बैज और 18-इंच एलॉय व्हील्स इसे खास बनाते हैं। पीछे स्मोक्ड एलईडी टेललाइट्स, रूफ स्पॉइलर और ट्विन एग्जॉस्ट टिप्स दिए गए हैं। इंटीरियर में 12.9-इंच फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन, 7-स्पीकर साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जिंग और लेदर-रैप्ड स्पोर्ट्स स्टीयरिंग व्हील जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलते हैं। बता दें कि वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई को दुनियाभर में एक आइकॉनिक हॉट हैचबैक के तौर पर जाना जाता है, लेकिन भारतीय बाजार में इसकी कहानी कुछ अलग ही रही।

इंस्टा मीट-2025 का शानदार आयोजन

हैदराबाद, 15 दिसंबर । हैदराबाद इंस्टा मीट-2025 एक शानदार सफलता साबित हुआ। शहर में सातवीं बार आयोजित इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसने प्रभावशाली व्यक्तियों (इंफ्लुएंसर), सामग्री निर्माताओं (कंटेंट क्रिएटर्स) और विचारकों (थॉट लीडर्स) को एक ही मंच पर एक साथ ला दिया। तेलंगाना पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य विभाग के विशेष मुख्य सचिव, श्री सव्यसाची घोष, आईएएस, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रसिद्ध फूड ब्लॉगर और इंफ्लुएंसर मोहम्मद ज़ुबैर अली ने किया, जो अपने लोकप्रिय इंस्टाग्राम पेज, हैदराबाद फूड डायरीज़ के लिए जाने जाते हैं। यह कार्यक्रम क्वेक एरेना में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। फूड, लाइफस्टाइल, फैशन, यात्रा और प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों के लगभग 150 शीर्ष इंफ्लुएंसरों ने इस मीट में भाग लिया। उपस्थित लोगों ने शुरू से अंत तक इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

ज़ुबैर अली ने बताया कि यह इंस्टा मीट का सातवाँ संस्करण था। उन्होंने हाल ही में हैदराबाद में खुल रहे रेस्तरां, पब और लाउंज की संख्या में हुई वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे व्यवसायों के लिए प्रमोशन और मार्केटिंग के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसमें कहा गया कि यह सिर्फ एक या दो लोगों द्वारा हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि इसके बजाय, सामूहिक प्रयास प्रचार को बहुत आसान बनाते हैं।

सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होते ही मधुमेह और मोटापे की दवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली। मार्च 2026 में टाइप-2 मधुमेह की प्रमुख दवा सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने जा रहा है। इसके बाद भारत में इसकी जेनेरिक दवाओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे दवा की कीमत में लगभग 80 प्रतिशत तक की गिरावट होने की संभावना है। इस बदलाव से मधुमेह और मोटापे के मरीजों के लिए इलाज अधिक सस्ता और सुलभ हो जाएगा। जीएलपी-1 दवाओं का बाजार तेज़ी से बढ़ रहा है। फार्माट्रैक के एक अधिकारी के अनुसार शुरुआती उच्च कीमतों के कारण यह बाजार 1,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था। लेकिन पेटेंट खत्म होने के बाद कीमतें घटेंगी, जिससे कंपनियों की आमदनी पर असर और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। डॉ. रेड्डीज, सिप्ला, मैनकाइंड फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियां पहले से ही सेमाग्लूटाइड के जेनेरिक संस्करण के लिए तैयारी कर रही हैं। देश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से मरीजों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन जीएलपी-1 दवाओं के साइड इफेक्ट जैसे मतली, उल्टी, दस्त, कब्ज और कुछ मामलों में बालों का झड़ना भी बढ़ सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अधिक मरीजों को दवा देने से उपचार बीच में छोड़ने की दर यानी ड्रॉपआउट बढ़ सकती है। शुरुआती मांग में उछाल कुछ महीनों में स्थिर हो सकता है। हालांकि, दवा की सस्ती कीमत से उपभोक्ता आधार बढ़ेगा लेकिन कंपनियों को नई प्रतिस्पर्धा और बदलते खपत पैटर्न का सामना करना पड़ेगा।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,15 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये से लेकर 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये से लेकर 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,34,060 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी तीन...

आदिस अबाबा में वह प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली से बातचीत करेंगे और वहां के भारतीय प्रवासियों से मिलेंगे। श्री मोदी इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में श्री मोदी ओमान जाएंगे। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगी। वह ओमान के सुल्तान के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करेंगे। वह ओमान में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी का जॉर्डन ...

होंगे। वहीं, दीपक नाम के भारतीय ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कहा, पीएम मोदी महज 30 सेकंड के लिए हमारे सामने थे, और यही 30 सेकंड जिंदगीभर के लिए यादगार बन गए।सोने के कारोबार में सक्रिय मोहन ने कहा, मैं 35 सालों से यहाँ रह रहा हूँ। इसके बाद मैंने भारतीय लोगों के लिए एक संस्था बनाई, जो सभी भारतीयों को परिवार की तरह एकत्रित करती है। हम सब मिलकर सारे त्योहार मनाते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं। यहाँ सुरक्षा का माहौल भी अच्छा है।

गुजरात की रहने वाली कोमल चौधरी ने कहा, मैं गुजरात की रहने वाली हूँ और वहां कई बार पीएम मोदी को देखा है, लेकिन इतने करीब से उनसे मिलना मेरे लिए जीवन का एक यादगार अनुभव है। भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह मेरे जीवन का सपना था कि मैं उनसे मिल पाऊँ।

प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे ने जॉर्डन में बसे भारतीय समुदाय के लिए गर्व और उत्साह का माहौल पैदा कर दिया, साथ ही दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत किया।

ghmc की...

जिसकी तुलना सियोल के चेओन्गयेचेओन स्ट्रीम और लंदन में टेम्स नदी से की गई थी।हालाँकि, नदी कायाकल्प की आड़ में, मूसी नदी के किनारे स्थित कई गरीब परिवारों के घरों को कई इलाकों में ध्वस्त कर दिया गया। इस कदम ने कई लोगों को बेघर कर दिया और राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। इसी तरह, पिछली सरकार द्वारा स्थापित प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन (ईवीडीएम) विंग का उद्देश्य अतिक्रमण हटाना था, साथ ही बाढ़ और कोविड-19 महामारी जैसी आपदाओं के दौरान निवासियों की सहायता करना भी था।जून 2024 में इसका नाम बदलकर हैदराबाद डिजास्टर रिस्पांस एंड एसेट्स मॉनिटरिंग प्रोटेक्शन (HYDRA) करने के बाद, कांग्रेस सरकार ने इस नए निकाय को झील के अतिक्रमण हटाने और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा का काम सौंपा। इसके विपरीत, हाइड्रा द्वारा किए गए विध्वंसों ने कई परिवारों को बेघर कर दिया है और शहर में रियल एस्टेट की भावना को भी ठेस पहुँचाई है।इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हाइड्रा पर गरीब और मध्यम आय वर्ग के घरों को निशाना बनाने और ऊँचे तबके को बख्शने का आरोप लगने के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा। एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा संचालित फातिमा ओवैसी एजुकेशनल कैंपस को संभालने सहित इसके कथित चयनात्मक दृष्टिकोण ने विभिन्न वर्गों से तीखी प्रतिक्रियाएँ आकर्षित कीं।हैदराबाद की मजबूत सड़क बुनियादी ढाँचे, केबल पुलों और बढ़ती स्काईलाइन वाले शहर के रूप में छवि ने कभी राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया था। हालाँकि, पिछले दो वर्षों में, शहर मूसी नदी के किनारे विध्वंस, हाइड्रा की कार्रवाइयों और बिगड़ती सड़क की स्थितियों के लिए बार-बार सुर्खियों में रहा है।चिंताओं को बढ़ाते हुए, राज्य सरकार ने हाल ही में 27 शहरी स्थानीय निकायों को जीएचएमसी के साथ विलय करने का आदेश जारी किया। इस कदम को कई हितधारकों ने पसंद नहीं किया है और इसने सरकार की राजनीतिक मंशा के बारे में अटकलों को हवा दी है।

लश्कर का...

एजेंसी ने बताया कि करीब 8 महीने तक चली गहन और वैज्ञानिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले की साजिश पूरी तरह पाकिस्तान में रची गई थी। इस केस में स्थानीय आरोपियों परवेज अहमद और बशीर अहमद जोथद को भी चार्जशीट किया गया है। दोनों को 22 जून 2025 को आतंकियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उन्होंने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकियों की पहचान की और पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित एलईटी संगठन से जुड़े थे।एनआईए ने स्पष्ट किया है कि मामले की आगे की जांच अभी जारी है।

आंध्र प्रदेश में ...

होती हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित आंध्र प्रदेश पेट्रोल पर प्रति लीटर 29.06 रुपये का सबसे ज्यादा वैट लगाता है जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह सिर्फ 0.82 रुपये प्रति लीटर है। यह वैट केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूट के तौर पर लगाए जाने वाले 21.90 रुपये प्रति लीटर के अतिरिक्त होता है।

इसी तरह, आंध्र प्रदेश में डीजल की कीमत 21.56 रुपये प्रति लीटर वैट को मिलाकर 97.57 रुपये प्रति लीटर है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में ईंधन की दर 78.05 रुपये प्रति लीटर है, क्योंकि वहां वैट सबसे कम 0.77 रुपये प्रति लीटर है। आंध्र प्रदेश के बाद केरल में पेट्रोल 107.48 रुपये प्रति लीटर है।

इसके बाद कांग्रेस शासित तेलंगाना में पेट्रोल की कीमत 107.46 रुपये प्रति लीटर है। कई भाजपा शासित राज्यों में भी पेट्रोल की कीमतें ज्यादा हैं। इसमें मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 106.52 रुपये प्रति लीटर, पटना में 105.23 रुपये (जहां भाजपा और जनता दल यूनाइटेड गठबंधन में सरकार चला रहे हैं), राजस्थान के जयपुर में 104.72 रुपये और मुंबई में 103.54 रुपये प्रति लीटर हैं।तृणमूल कांग्रेस शासित बंगाल की राजधानी कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर है, क्योंकि इस पर 15.40 रुपये प्रति लीटर वैट है। दूसरे राज्य जहां पेट्रोल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा हैं, उनमें ओडिशा (भुवनेश्वर में 101.11 रुपये प्रति लीटर), कर्नाटक (बेंगलुरु में 102.92 रुपये), तमिलनाडु (चेन्नई में 100.80 रुपये) और जम्मू-कश्मीर (श्रीनगर में 100.71 रुपये) शामिल हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अत्तापुर में श्री बालाजी बाबोसा मंदिर का भव्य लोकार्पण सम्पन्न

हर दिशा में बाबोसा भगवान के जयघोष की गूंज

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन धर्म की आस्था को समर्पित श्री बालाजी बाबोसा मंदिर का अत्तापुर में भव्य लोकार्पण परम आराधिका मंजू बाईसा के करकमलों द्वारा श्रद्धा, भक्ति एवं विधिविधान के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर पूर्णतः भक्तिरस में डूबा रहा और चारों ओर बाबोसा भगवान के जयघोष गूंजते रहे।

मंदिर परिसर में अनेक देवी–देवताओं की दिव्य प्रतिष्ठा

मंदिर परिसर में बाबोसा भगवान के साथ–साथ सनातन धर्म के प्रमुख देवी–देवताओं ˉ श्री लक्ष्मी–गणेश, श्री नृसिंह भगवान, श्री राम दरबार, श्री रामदेव जी, भैरव जी, श्री राधा–कृष्ण, विश्वकर्मा भगवान, तिरुपति बालाजी, नवग्रह सहित अन्य देवी–देवताओं के भव्य एवं दिव्य स्थान स्थापित किए गए हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बन गए हैं।

भक्तों ने प्राप्त किया मंजू बाईसा का आशीर्वाद

लोकार्पण अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तजन परम आराधिका मंजू बाईसा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य अनुभव करते नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा।

150 बाबोसा भगवान की मूर्तियों का वितरण

इस शुभ अवसर पर मंजू बाईसा के करकमलों द्वारा लगभग 150 बाबोसा भगवान की मूर्तियों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित परिवारों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी सहभागिता रही।लोकार्पण समारोह ने श्रद्धा, आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ किया।

मिधानि में स्वच्छता पखवाड़ा–2025 का सफल समापन

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में स्वच्छता पखवाड़ा02025 का आयोजन 01 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी), रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप किया गया। पखवाड़े के दौरान मिधानि संयंत्र, निगम कार्यालय, एएमटीएल तथा आवास परिसर में कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण, प्लास्टिक उपयोग में कमी और जन–जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

स्वच्छता पखवाड़ा02025 का समापन समारोह आज श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त) की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन सेवाएँ (ईएमएस) विभाग द्वारा पखवाड़े के दौरान किए गए स्वच्छता कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल पखवाड़े तक सीमित न रहकर वर्षभर अपनाई जानी चाहिए। सतर्कता एवं सुरक्षा की तरह ही स्वच्छता भी प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है, न कि किसी एक विभाग या व्यक्ति की।

स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ 01 दिसंबर 2025 को स्वच्छता शपथ एवं मार्च पास्ट के साथ हुआ। इसके उपरांत स्वच्छता जागरूकता के लिए पोस्टर एवं बैनरों का प्रदर्शन किया गया। पखवाड़े के दौरान कार्यालयों, शॉप फ्लोर, क्रेच, बच्चों के पार्क, नालियों एवं जल निकासी प्रणालियों की सफाई की गई। साथ ही स्क्रैप सामग्री, प्लास्टिक कचरा तथा ई–वेस्ट का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निपटान किया गया।प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग में कमी हेतु जागरूकता कार्यक्रम, संग्रह अभियान तथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संयंत्र एवं आवास परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया।

सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए बीपीडीएवी विद्यालय में कर्मचारियों के बच्चों हेतु चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त आवास परिसर में कीटनाशक फ्यूमिगेशन कर मच्छरों एवं कीटों की रोकथाम सुनिश्चित की गई। पखवाड़े की सभी गतिविधियों का व्यापक प्रचार–प्रसार प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर श्री एम. पी. रमेश, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) (प्रभारी 0 सुरक्षा, ईएमएस एवं टी एंड डी); लेफ्टिनेंट कर्नल एन. शेषगिरी राव, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा, ईएमएस एवं टी एंड डी); डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार); श्री रामचंद्र बेहरा, प्रबंधक (ईएमएस); श्रीमती नीना साहा, शिक्षिका, बीपीडीएवी विद्यालय; छात्र, प्रशिक्षु तथा ईएमएस विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।स्वच्छता पखवाड़ा02025 के माध्यम से मिधानि ने स्वच्छ, हरित एवं सतत कार्यस्थल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया तथा स्वच्छ भारत मिशन में अपना सक्रिय योगदान सुनिश्चित किया।

पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा 156वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप आयोजित

229 से अधिक रोगियों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा एवं वासवी कॉलोनी रेसिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से 156वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप वासवी कॉलोनी रोड नंबर–6 स्थित वासवी आध्यात्मिक केंद्र में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2–डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

किम्स सनशाइन अस्पताल की विशेषज्ञ सेवाएं

शिविर में डॉ. ध्रुव, डॉ. सानिया सहित नर्सिंग स्टाफ संगीता, अनुषा, माहेश्वरी, निकिता ने अपनी सेवाएं दीं। बीएमडी तकनीशियन मोहन एवं अनिल, 2–डी इको में अक्षिता, तथा मार्केटिंग में उदय कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

नेत्र जांच, दंत परीक्षण व कृत्रिम अंग सेवा

इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा 154 रोगियों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 55 लोगों को निशुल्क चश्मे प्रदान किए गए तथा 5 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अस्पताल की ओर से अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने अपनी सेवाएं दीं।

शिविर में सामान्य जांच डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा की गई। दंत परीक्षण एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज ने किया।

इसके अतिरिक्त श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक रोगी को कृत्रिम अंग प्रदान किया गया।

समाजसेवियों व संगठनों का सराहनीय योगदान

शिविर में 229 से अधिक रोगियों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजन को सफल बनाने में अग्रवाल सेवा दल एवं शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, अग्रवाल समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा, वासवी कॉलोनी रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि किशन सोंथालिया सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। यह मेगा मेडिकल कैंप समाजसेवा, मानवता और सामूहिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बना।

बेगम बाजार में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सफला एकादशी के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,राजेश सर योगा, विनोद तोषनीवाल, गोविंदराम पचेरिया, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय आदि उपस्थित थे।

जन सेवा संघ उत्तर संभाग की बैठक सम्पन्न

छठ पूजा महोत्सव के सफल आयोजन पर कुसाईगुड़ा टीम सम्मानित

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ उत्तर संभाग (नॉर्थ ज़ोन) की बैठक नॉर्थ ज़ोन के जोनल प्रेसिडेंट श्री राधे श्याम राय यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उत्तर संभाग के सात एरिया अध्यक्षों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान कुसाईगुड़ा एरिया अध्यक्ष श्री रुदल साहनी एवं उनकी टीम द्वारा छठ पूजा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए उन्हें केंद्रीय समिति की ओर से शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके प्रत्युत्तर में कुसाईगुड़ा टीम द्वारा भी जन सेवा संघ की केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था के प्रमुख पदाधिकारी अध्यक्ष श्री आर. पी. सिंह, उपाध्यक्ष श्री गोविंद तिवारी, महासचिव श्री राजीव चौबे, संचालन समिति के संयोजक मदनलाल रावल, पी. पी. पांडेय, संजय कुमार भगत एवं जोनल प्रेसिडेंट राधे श्याम राय यादव उपस्थित रहे।

एरिया अध्यक्षों में कुसाईगुड़ा–रुदल साहनी, नेरेडमेट –बबन सिंह, तुकाराम गेट– तुलसाराम जी, तिरुमलागिरी– श्याम सुंदर कुमावत और अलवाल एरिया– महेंद्र सिंह।

उपस्थित अन्य सदस्यों में बबन सिंह, एम. बी. सिंह, धर्मचंद सीरवी, प्रकाश, बैजनाथ, अनूज, दुर्गेश, जनार्दन रेड्डी, मोहेंदर, बलराम, सुखराम, जितेंद्र चौधरी, राम कृष्णा, पारसनाथ सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

सेवा में अहंकार नहीं, समर्पण ही सच्ची भक्ति है : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में संयोजक सतीश गुप्ता ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि सेवा कार्य में किसी प्रकार का अहंकार नहीं होना चाहिए। हम सभी तो केवल माध्यम हैं, वास्तविक करने और करवाने वाला ईश्वर ही है।उन्होंने कहा कि निष्काम भाव से की गई सेवा ही सच्ची भक्ति कहलाती है। अन्नदान जैसे पुण्य कार्य से न केवल जरूरतमंदों की भूख शांत होती है, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा और सद्भाव का भाव भी प्रबल होता है। जब सेवा समर्पण के साथ की जाती है, तब उसका प्रभाव स्वयं दिखाई देने लगता है।सतीश गुप्ता ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य सेवा के माध्यम से मानवता को मजबूत करना है और यह कार्य ईश्वर की कृपा व समाज के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज की सेवा सोनम मित्तल वूमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट सिकंदराबाद की ओर से स्वर्गीय श्रीमती जी सोनम मित्तल की पुण्य तिथि पर की गई। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल,उमाकांत गुप्ता, ई जगन चंपापेट, संदीप अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, शिवचरण मित्तल,अनिरुद्ध मित्तल, प्रतिकाअग्रवाल,भगत राम गोयल आदि उपस्थित थे।

डॉ. विनीत अनिया को मिला आईईआई यंग इंजीनियर अवार्ड

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी हैदराबाद के केमिकल इंजीनियरिंग एंड प्रोसेस टेक्नोलॉजी विभाग में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विनीत अनिया को वर्ष 2025 के लिए इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) यंग इंजीनियर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।यह पुरस्कार 6-7 दिसंबर, 2025 को इंजीनियर्स भवन, चंडीगढ़ में आयोजित केमिकल इंजीनियर्स के 40वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। यह उल्लेखनीय सम्मान उन्हें औद्योगिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के लिए टिकाऊ प्रक्रिया और सामग्री विकास, रिएक्टर डिजाइन और स्केल-अप के क्षेत्रों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है।डॉ. अनिया का कार्य नवीकरणीय संसाधनों से बायोडिग्रेडेबल/कम्पोस्टेबल पॉलिमर के विकास पर केंद्रित है, साथ ही चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अपशिष्ट प्लास्टिक के डिपॉलीमराइज़ेशन से मूल्य वर्धित रसायनों के निर्माण पर भी उनका काम चल रहा है।डॉ. अनिया की टीम ने कम्पोस्टेबल कैरी बैग, एमसीसी से नैनोसेल्यूलोज, बायो-आधारित सैनिटरी पैड पल्प और पीईटी कचरे से ग्रीन प्लास्टिसाइज़र के लिए सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण किया है।

डॉ. अजय अग्रवाल ने अभिनेता अनुपम खेर का नगरागमन पर किया स्वागत

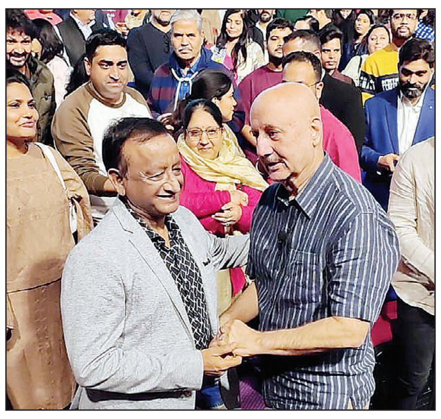

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल ने मशहूर फिल्म अभिनेता एवं निर्देशक श्री अनुपम खेर से मुलाकात कर उनके हैदराबाद आगमन पर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर डॉ. अजय अग्रवाल ने अनुपम खेर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सिनेमा जगत में एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में उनके शानदार योगदान के लिए बधाई दी। साथ ही फिल्म इंडस्ट्री में उनके द्वारा जीते गए अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए भी शुभकामनाएँ दीं।

डॉ. अजय अग्रवाल ने अनुपम खेर को पब्लिक रिलेशन्स और समाज सेवा के क्षेत्र में अपने द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान श्अनुपम खेर ने डॉ. अग्रवाल की पुस्तक पीआर-ए टूल फ़ॉर सक्सेस की सराहना करते हुए इसे जनसंपर्क के क्षेत्र में उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।उल्लेखनीय है कि अनुपम खेर अपने लोकप्रिय शो कुछ भी हो सकता है के सिलसिले में हैदराबाद पहुंचे थे। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच सिनेमा, समाज और सकारात्मक सोच पर सार्थक संवाद भी हुआ।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने जरूरतमंदों में राशन किट और स्वेटर वितरित किए

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने हर माह की भांति दिसंबर माह में 30 राशन किट जरूरतमंदों को वितरित किए।संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह किट हाईकोर्ट रोड पर स्थित मुर-लीधर मंदिर में बांटी गईं। इनके प्रायोजक मंगत राय जी राम कुमार जी परिवार के श्री राधेश्याम जी गुप्ता एवं श्री केदार नाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) थे। पिछले सात महीनों से राशन किट जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों में बांटे जा रहे हैं।सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पिछले माह नवंबर में राशन किट के साथ ब्लैंकेट बांटे गए थे, जबकि इस माह स्वेटर वितरित किए गए। उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने इस नेक कार्य की सराहना की।कार्यक्रम में प्रायोजक श्री राधेश्याम जी गुप्ता, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, आर. ए. अग्रवाल, सुरेश कुमार टंडन, सदस्यगण मनीष मिंडा, श्रीमती संतोष अग्रवाल, रेणु मिंडा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल एवं गायत्री अग्रवाल के परिवार द्वारा सेवा प्रदान की गई।

अयोध्या धाम से पधारे स्वामी श्री हरिनारायण आचार्य जी महाराज के सान्निध्य में आध्यात्मिक कार्यक्रम सम्पन्न

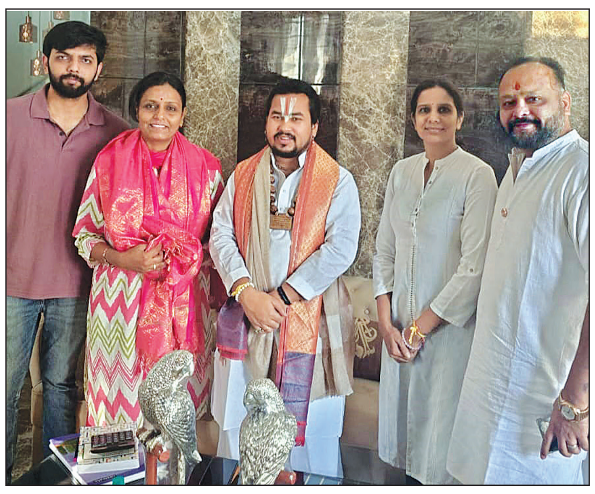

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अयोध्या धाम से पधारे परम पूज्य स्वामी श्री हरिनारायण आचार्य जी महाराज के सान्निध्य में संजीव अग्रवाल के निवास पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूजा गुप्ता एवं अक्षत गुप्ता ने स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान परिवारजनों एवं आमंत्रित अतिथियों ने स्वामी श्री हरिनारायण आचार्य जी महाराज का सम्मान किया। स्वामी जी के सान्निध्य में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं दिव्य अनुभूति का अनुभव किया।

इस अवसर पर वातावरण भक्तिमय एवं शांतिपूर्ण रहा, जहाँ स्वामी जी के आशीर्वचन एवं आशीर्वाद से सभी का मन प्रसन्न और भाव-विभोर दिखाई दिया।

हैदराबाद चैप्टर को मिला पीआरएसआई सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि पीआरएसआई (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर ने पीआरएसआई सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार - 2025 जीता है।यह पुरस्कार उत्तराखंड के देहरादून में 13 से 15 दिसंबर, 2025 तक आयोजित 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन के समापन समारोह में उत्तराखंड सरकार के माननीय संसदीय कार्य और वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल द्वारा प्रदान किया गया। पीआरएसआई, हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन डॉ. यादगिरी कम्भंभाटी, सचिव श्री के. राजेश और चैप्टर के सदस्यों ने समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया।

सम्मेलन में लगभग 25 चैप्टर्स का प्रतिनिधित्व करते हुए 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के जनसंपर्क सोसायटी ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल थे। कई कॉर्पोरेट पीआर उद्योग भी इस सम्मेलन में शामिल हुए।सम्मेलन का उद्घाटन उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने किया, जो उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। उत्तराखंड सरकार की माननीय अध्यक्ष (स्पीकर) श्रीमती रितु खंडूरी भूषण, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मेलन के विभिन्न सत्रों की शोभा बढ़ाई।

पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजित पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) श्री यू.एन. शर्मा, महासचिव श्री पीएलके मूर्ति और राष्ट्रीय समिति के सदस्यों ने हैदराबाद चैप्टर को लगातार यह पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी।

गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जयंती समारोह की तैयारियों का निरीक्षण

27 दिसंबर को होने वाले समारोह को भव्य बनाने के निर्देश

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस माह की 27 तारीख को सिखों के दसवें धर्मगुरु गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले समारोहों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयारियों का निरीक्षण किया गया।शनिवार को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधियों ने गोशामहल के बीआरएस नेता आनंद कुमार गौड़ से उनके आवास पर मुलाकात कर जयंती समारोह की व्यवस्थाओं के संबंध में अनुरोध किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आनंद कुमार गौड़, गुरुद्वारा प्रतिनिधियों के साथ दारुस्सलाम स्थित पार्टी कार्यालय में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से मिले और उनसे गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जयंती की तैयारियों के संबंध में निवेदन किया।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार, सोमवार को एमएलसी रहमत बेग, मल्लेपल्ली कॉर्पोरेटर जफर भाई, बीआरएस नेता आनंद कुमार गौड़ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने गौलीगुडा गुरुद्वारा क्षेत्र में पैदल यात्रा कर जयंती समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए तथा कई सुझाव और सलाह भी दी गईं।

इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जयंती समारोह के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

बीआरएस नेता आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि सिखों के धर्मगुरु गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए वे अपनी ओर से पूर्ण सहयोग करेंगे और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से निरंतर संपर्क कर रहे हैं और राजनीति से ऊपर उठकर जन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि जन समस्याओं के समाधान के लिए वे मजलिस प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से तथा आवश्यकता पड़ने पर कांग्रेस मंत्रियों से भी संपर्क कर समाधान कराने का प्रयास करते हैं। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए वे संबंधित अधिकारियों पर दबाव डालकर समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं।

आनंद कुमार गौड़ ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज जयंती समारोह के लिए भव्य व्यवस्थाओं के निर्देश देने पर सांसद असदुद्दीन ओवैसी, तैयारियों का निरीक्षण करने वाले एमएलसी रहमत बेग, मल्लेपल्ली कॉर्पोरेटर जफर भाई तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्वाचन क्षेत्र की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर गौलीगुडा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधि जसपाल सिंह, हरदीप सिंह, हरमीत सिंह, दलजीत सिंह, तरविंदर सिंह, त्रिलोक सिंह, हरि सिंह, तेजिंदर सिंह, हरदीप सिंह (चिंटू), बप्पी सिंह, कुलबीर सिंह, भजन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, YANUMULA PRAVALLIKA is legal spouse of No-14684737L Rank-HAV, Name- YANUMULA RAMANA REDDY, R/o H.No-4/66A, Kurichedu(MD) Reddynapalli, West Gangavaram, Prakasam, A.P.. I have to change my Name from PRAVALLIKA to YANUMULA PRAVALLIKA for all purpose vide affidavit dated: 12/12/2025.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 732952A Sub Clk (IM) KADAM KISHORE RAGHUNATH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my daughter name is to be changed from KESAR K KADAM to KESAR KISHORE KADAM.

CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 733683L Sub SUDHIR KUMAR of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that father name is to be changed from SHIVRAM SINGH to SHIVRAM.

CHANGE OF NAME
I, REKHA Spouse of Service No. 6943532P Hav PRADIP KUMAR SINGH, R/o.L-40, 1st Floor, L-Block Extn Part-2, DK Mohan Garden (SO) Mohan Garden, Teh:Janakpuri, West Delhi, Delhi-110059 have changed my name from REKHA to REKHA SINGH vide Affidavit dt:15-12-2025 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, JONGPONGYANGER JAMIR S/o. NUNGSHICHUBA JAMIR R/o.H No 176 A, Lane-2, Ward-20 United Colony, Half Nagarjan, Dimapur Sadar, Dimapur, Nagaland – 797112, have changed My Name to JONGPONGYANGER for all purposes

CHANGE OF NAME
I, MEENA SHARMA W/o. MUKESH KUMAR SHARMA R/o. B-21, 1st Floor, Sarvodaya Enclave, Delhi-110017 have changed my name to MEENA KUMARI for all purposes

CHANGE OF NAME
I, RAGHAV S/o. MUKESH KUMAR SHARMA R/o. B-21, 1st Floor, Sarvodaya Enclave, Delhi- 110017 have changed my name to RAGHAV SHARMA. for all purposes

CHANGE OF NAME
I, VIMLA Spouse of Service No.Ex 14916963H Ex Sep. B.VENKATESH, Resident of H.No.30-55/9, Mogal Colony, Old Safilguda, Malkajgiri, Neredmet, Medchal Malkajgiri Dist-500056 have changed my name from VIMLA to BALA VIMALA vide affidavit dt:15-12-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, M PREETHA Spouse of Service No.JC 344003M Sub MURUGAN OC, Resident of D.No.4/267B Chinna Orappam Village, Orappam Post, Bargur Taluq, Krishnagiri Dist, Tamilnadu - 635108 have changed my name from M PREETHA to PREETHA M vide affidavit dt:15-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHINNA PAIYAN father of Service No.JC 344003M Sub MURUGAN OC, Resident of D.No.4/267B Chinna Orappam Village, Orappam Post, Bargur Taluq, Krishnagiri Dist, Tamilnadu-635108 have changed my name and DOB from CHINNA PAIYAN, DOB:13-08-1960 to CHINNAPAIYAN VEDIGOUNDAR, DOB:10-10-1954 vide affidavit dt:15-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, C LAKSHMI Mother of Service No.JC 344003M Sub MURUGAN OC, Resident of D.No.4/267B Chinna Orappam Village, Orappam Post, Bargur Taluq, Krishnagiri Dist, Tamilnadu-635108 have changed my name and DOB from C LAKSHMI, DOB:12-06-1964 to LAKSHMI CHINNAPAIYAN, DOB:18-06-1964 vide affidavit dt:15-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I. No.16126821K Nk SANJAI GANESH, Resident of Charoor Vadakkathil, Kappil, Krishnapuram Alappuzha, Kerala-690533 hereby declare that my father name is to be changed from GANESAN to GANESHAN N vide affidavit dt:15-11-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No. 16119909L Hav RAJEESH R, Resident of Kochuputhuvalil, Muthukulam North, Choolatheruvu, Muthukulam South, Alappuzha, Kerala-690506 hereby declare that my father name is to be changed from RETHNAN to RATNAN P vide affidavit dt:15-12-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I. No.16126821K Nk SANJAI GANESH, Resident of Charoor Vadakkathil, Kappil, Krishnapuram, Alappuzha, Kerala-690533 hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from REMA, DOB:10-06-1978 to REMA K, DOB:12-11-1978 vide affidavit dt:15-11-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, JYOTI Spouse of Service No. 6943595X Nk RAKESH KUMAR, R/o.V.P.O:Rambass, Teh:Kanina, Dist:Mohinder Garh, Haryana - 123027 have changed my name from JYOTI toJYOTI DEVI vide affidavit sworn before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No. JC 734932L Sub HARI RAM SINGH YADAV of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my Daughter name is to be changed from KUMAR NEHA YADAV to NEHA YADAV.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15815679F Hav YADAV ABHIJIT HANUMANT of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name and DOB is changed from YADAV HANUMANT VYNKAT, DOB:01-08-1961 to YADAV HANUMANT VYANKAT, DOB:06-06-1962.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 15815679F Hav YADAV ABHIJIT HANUMANT of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from YADAV JANABAI HAUNUMANT, DOB:01-06-1965 to YADAV JANABAI HANUMANT , DOB:30-12-1970.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No. 6948842K Nk ANIL KUMAR MISHRA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my father name and DOB is changed from MANGLA PRASAD MISHRA, DOB:12-03-1952 to MANGAL PRASAD MISHRA, DOB:01-01-1967.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.JC 732997A Sub BHOOP SINGH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name and DOB is changed from SOMVATI DEVI, DOB:02-11-1944 to SOMVATI, DOB:01-01-1955.

CHANGE OF NAME
I. SANDHYA RAJESH, Spouse of SC No.JC-700826-L. Rank: SUB, Name: RAJESH R M, R/o. 11/220, SIVA SBI COLONY, PALAPPURAM, OTTAPALAM, PALAKKAD, KERALA- 679103, and I have change my name from SANDHYA RAJESH to SANDHYA E V, vide Affidavit Dt: 13-12-2025, Notary By: MOHD HAMEED KHAN (Advocate) in my husband service record

CHANGE OF NAME
I, GHODKE SWATI is legally wedded Spouse of service No-15686574X, Rank-HAV, Name-Ghodke Dnyandev Bhaskar. R/o Havelock Lines, Karkhana, Tirumalgherry, Secunderabad, State-Telangana, PIN-500009, have changed my name from GHODKE SWATI to SWATI DNYANDEV GHODKE add in my husband service documents vide affidavit date 12 Dec 2025 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-15686574X, Rank-HAV, Name-Ghodke Dnyandev Bhaskar. R/o Havelock Lines,Karkhana, Tirumalgherry, Secunderabad, State-Telangana, PIN-500009, have changed my father name from BHASKAR to BHASKAR SARJERAV GHODKE and also DOB changed from 01/07/1958 to 01/01/1949 add in my service documents vide affidavit date 12 Dec 2025 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-15686574X, Rank-HAV, Name-Ghodke Dnyandev Bhaskar. R/o Havelock Lines,Karkhana, Tirumalgherry, Secunderabad, State-Telangana, PIN-500009, have changed my mother name from GHODKE GANGURAI to GANGUBAI BHASKAR GHODKE and also DOB changed from 01/07/1963 to 01/01/1949 add in my service documents vide affidavit date 12 Dec 2025 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, ZANJURNE AMIT BHIMRAO, son of ZANJURNE BHIMRAO NAMDEV, occupation Army Employee, Designation Havildar. Service No 15821093F, Unit-AOC Record, C/o 56 APO, do hereby solemnly affirm and state of oath as follows. That my father's name and mother's name as originally recorded in my service document and other records is ZANJURNE BHIMRAO NAMDEV, ZANJURNE SANGITA BHIMRAO. That my parents have legally changed their names as BHIMRAO NAMDEV ZANJURNE, SANGITA BHIMRAO NAMDEV, that both names ZANJURNE BHIMRAO NAMDEV, ZANJURNE SANGITA BHIMRAO, BHIMRAO NAMDEV ZANJURNE, SANGITA BHIMRAO ZAJURNE pertain to one and the same same person.

तीसरे चरण के चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था विजय रैलियों पर प्रतिबंध : नितिका पंत

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में तीसरे चरण के पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत (आईपीएस) ने स्पष्ट किया है कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली की अनुमति नहीं होगी तथा चुनाव नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एसपी नितिका पंत ने बताया कि जिले में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले और दूसरे चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिला पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी तर्ज पर तीसरे चरण के चुनाव के लिए भी पूरी तैयारी कर ली गई है।उन्होंने जानकारी दी कि आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरियानी और

कागजनगर मंडलों में 17 दिसंबर को तीसरे चरण के तहत 108 ग्राम पंचायत सरपंच और 938 वार्ड सदस्य पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

मौन अवधि और निषेधाज्ञा लागू

एसपी ने बताया कि मतदान से 48 घंटे पूर्व, यानी सोमवार शाम 5 बजे से मौन अवधि लागू रहेगी। इस अवधि के दौरान चुनावी सभाएं, जनसभाएं, घर-घर जाकर प्रचार, लाउडस्पीकर का उपयोग, रैलियां और बाइक रैलियां पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी।उन्होंने बताया कि सोमवार शाम 5 बजे से चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक जिले में सीआरपीसी की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) लागू रहेगी। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों के आसपास एकत्र होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

795 अधिकारियों की तैनाती

एसपी नितिका पंत ने बताया कि तीसरे चरण के चुनाव के लिए कुल 795 अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इनमें 611 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी तथा 184 अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल हैं, जिनमें वन विभाग, सिंगारेनी, उत्पाद शुल्क, ट्रांसको और एसीबी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। मतदान केंद्रों पर विशेष गार्ड, निगरानी दल, क्षेत्र सुरक्षा दल, गश्ती दल और स्ट्राइक फोर्स तैनात की गई है।उन्होंने दोहराया कि मतदान से 48 घंटे पहले से किसी भी प्रकार के प्रचार कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद किसी भी प्रकार की विजय रैली या बाइक रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी। विजय समारोह केवल तीसरे चरण के चुनाव समाप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित तिथियों पर ही आयोजित किए जा सकेंगे।अंत में एसपी नितिका पंत ने जनता, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करने तथा शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन को पूरा सहयोग देने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

आरक्षण के जनक साहू महाराज को श्रद्धांजलि

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोल्हापुर के प्रथम महाराजा एवं आरक्षण के जनक माने जाने वाले राजर्षि शाहू महाराज की 276वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को जेतवान विहार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उनके चित्र पर पुष्पमालाएं अर्पित की गईं तथा पंचशील का पाठ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक महुलकर, समता सैनिक दल के जिला अध्यक्ष दुर्गम संदीप तथा मंडल भारतीय बौद्ध महासभा के मानद अध्यक्ष जयराम उप्रेलू ने कहा कि राजर्षि शाहू महाराज ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि साहू महाराज एक दूरदर्शी शासक थे, जिन्होंने भारत में शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए आरक्षण प्रणाली की आवश्यकता को समय रहते समझा और इसे अपने राज्य में लागू किया।

वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने बाद में इसी आरक्षण व्यवस्था को भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान शामिल किया, जिससे सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी गई।

इस कार्यक्रम में अंबेडकर संगम समाज के अध्यक्ष श्याम राव लाहुजी दरगाह, नेता प्रताप, रमेश, विवेक, सुरेश, नूतन, प्रकाश, श्रीधर सहित बड़ी संख्या में अनुयायी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमेरिका से तेलंगाना तक: एक वोट ने बहू को बनाया सरपंच

आसिफाबाद/निर्मल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकतंत्र में हर वोट की अहमियत को दर्शाने वाली एक रोचक और प्रेरक घटना निर्मल जिले से सामने आई है। यहां सरपंच चुनाव में बहू की जीत केवल एक वोट से तय हुई, और यह एक वोट अमेरिका से आए परिवारजन द्वारा डाला गया था। यह घटना स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है।तेलंगाना में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के तहत निर्मल जिले के लोकेश्वरम मंडल स्थित बागपुर गांव में सरपंच पद के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गांव की मुत्याला श्रीवेदा ने सरपंच उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। उनके समर्थन में अमेरिका में रह रहे उनके ससुर पक्ष के परिजन मुत्याला इंद्रकरण रेड्डी विशेष रूप से अपने गृहनगर लौटे और मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग किया।रविवार को बागपुर गांव में मतदान शांतिपूर्ण लेकिन बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। गांव में कुल 426 मतदाता थे, जिनमें से 378 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतगणना के दौरान मुत्याला श्रीवेदा को 189 वोट प्राप्त हुए, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी हर्षस्वती को 188 वोट मिले। इस प्रकार श्रीवेदा ने मात्र एक वोट के अंतर से जीत दर्ज कर सरपंच पद हासिल किया।परिवारजनों और ग्रामीणों का कहना है कि अमेरिका से आए मुत्याला इंद्रकरण रेड्डी द्वारा डाला गया एक वोट ही जीत का निर्णायक कारण बना। उनका मानना है कि यदि वे मतदान के लिए विदेश से गांव नहीं आते, तो परिणाम कुछ और हो सकता था।यह घटना लोकतंत्र की ताकत को दर्शाती है और यह संदेश देती है कि हर एक वोट का महत्व होता है, चाहे वह कितनी भी दूर से आकर क्यों न डाला गया हो।

किनवट नगर परिषद चुनाव: परिणाम से पहले सियासी सरगर्मी तेज

किनवट, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। किनवट नगर परिषद के चुनाव संपन्न हुए करीब 14 दिन बीत चुके हैं और अब मतगणना में महज पांच दिन शेष हैं। नगराध्यक्ष समेत नगरसेवक प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद है, जिसे लेकर शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

नगराध्यक्ष पद के लिए महाविकास आघाड़ी (उबाठा) की ओर से सुजाता विनोद एड्रलवार और महायुति-भाजपा की ओर से पुष्पा आनंद मच्छेवार के बीच सीधी टक्कर मानी जा रही है। दोनों ही प्रमुख दलों के समर्थक अपनी-अपनी जीत को लेकर दावे कर रहे हैं।

इस बीच, नगरसेवक पद के कुछ उम्मीदवार खुलकर जीत का दावा कर रहे हैं, तो कुछ परिणामों को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। चर्चाओं के बीच यह सवाल भी प्रमुखता से उठ रहा है कि किन नगरसेवक उम्मीदवारों ने अपने संपूर्ण पैनल और नगराध्यक्ष प्रत्याशी के साथ ईमानदारी निभाई और किन्होंने केवल अपनी जीत को प्राथमिकता दी। माना जा रहा है कि नतीजों के बाद इस

मुद्दे पर बड़ी राजनीतिक बहस छिड़ सकती है।

चुनाव के बाद से ही किनवट नगर में हर दिन सियासी हवा का रुख बदलता नजर आ रहा है। शहर की गलियों, चाय होटलों और प्रमुख चौराहों पर चुनाव परिणामों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। कुछ लोग बदलाव के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं, जबकि कुछ मतदाता पहले जैसी व्यवस्था को ही सही मान रहे हैं।गौरतलब है कि इस चुनाव में शिवसेना ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता करण की माताजी सुजाता एड्रलवार मैदान में हैं, वहीं भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार की पत्नी पुष्पा मच्छेवार ने भी जोरदार चुनौती पेश की है। नगरसेवक पद के कई उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के बीच आपसी तालमेल और गणित को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं।सूत्रों के अनुसार, कुछ वार्डों में नगरसेवक उम्मीदवारों द्वारा पैनल के साथ ईमानदारी न रखने और केवल व्यक्तिगत जीत के लिए सहयोगी उम्मीदवारों एवं नगराध्यक्ष प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। इन सभी सवालों का जवाब मतगणना के बाद रविवार, 21 दिसंबर को स्पष्ट हो जाएगा, जब नतीजे सार्वजनिक होंगे।

लोकतंत्र के इस पर्व में नगर परिषद चुनाव के दौरान कथित आर्थिक लेन-देन को लेकर बुजुर्गों और जागरूक नागरिकों ने नाराजगी भी व्यक्त की है।उल्लेखनीय है कि मतगणना और परिणामों की घोषणा 21 दिसंबर को की जाएगी। ईवीएम को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में सुरक्षित कक्षों में रखा गया है, जहां पुलिस द्वारा कड़ा बंदोबस्त तैनात किया गया है।

समय पर मतदान केंद्रों पर पहुंचें अधिकारी व कर्मचारी : जिला निर्वाचन अधिकारी

मंचेरियाल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले में द्वितीय सामान्य पंचायत चुनावों के तहत 17 दिसंबर को होने वाले तीसरे चरण के मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर कुमार दीपक ने चुनाव ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं।सोमवार को कलेक्टर कुमार दीपक ने कोटपल्ली, चेन्नूर, भीमाराम, जयपुर और मंधमर्री मंडलों में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर को सभी अधिकारी

एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर वितरण केंद्रों पर रिपोर्ट करेंगे तथा मतदान केंद्रवार आवश्यक चुनाव सामग्री प्राप्त करेंगे।

कलेक्टर ने कहा कि तीसरे चरण में 17 दिसंबर को संबंधित मंडलों में ग्राम पंचायत सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के चुनाव संपन्न होंगे। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक कराया जाएगा, जबकि मतगणना दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। उन्होंने मतदाताओं से निर्भय होकर मतदान करने तथा अधिकारियों से निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने का आह्वान किया।इसके पश्चात कलेक्टर ने कोटपल्ली मंडल स्थित सरकारी आदिवासी बालिका आश्रम हाई स्कूल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में पेयजल, शौचालय, रसोई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सहित अन्य सुविधाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को छात्रों को गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पंचायत चुनाव की रंजिश में जानलेवा हमला, आरोपी हिरासत में

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंचायत चुनाव में हार सहन न कर पाने के कारण एक गंभीर आपराधिक घटना सामने आई है। हारने वाले सरपंच उम्मीदवार के पति मोरले ने भाजपा उम्मीदवार की ओर से चुनाव जीतने वाली सरपंच वदाई तनुबाई के पति पोसेट्टी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने का प्रयास किया।

घटना के दौरान ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही रोक लिया। ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांधकर काबू में किया और उसकी पिटाई भी की। घटना की सूचना मिलते ही सिरपुर (टी) पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

तीसरे चरण के चुनाव शांतिपूर्ण कराने सभी व्यवस्थाएं पूरी : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में दूसरे आम पंचायत चुनावों के तहत सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के पदों के लिए होने वाले तीसरे चरण के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। यह बात जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कही।

सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टर कार्यालय भवन परिसर के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से ज़ूम मीटिंग के माध्यम से तीसरे चरण के चुनावों के संचालन को लेकर तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों (एमपीडीओ) तथा आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरियानी और कागजनगर मंडलों के संबंधित रोड अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि दूसरे आम पंचायत चुनाव-2025 के तीसरे चरण में सरपंच और वार्ड सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले में चिन्हित संवेदनशील एवं समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मतदान सामग्री वितरण केंद्रों पर मतदान कर्मचारियों को समय पर सभी आवश्यक चुनाव सामग्री उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, दूरस्थ ग्राम पंचायतों के मतदान कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर पहले रवाना किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त कुर्सियां, मेजें और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदान कर्मियों और मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि तीसरे चरण में जिले की 104 ग्राम पंचायतों और 744 वार्ड सदस्यों के चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कलेक्टर ने आगे कहा कि मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना कार्य शीघ्रता से संपन्न किया जाए तथा उप-सरपंच के चुनाव के लिए आवश्यक कर्मचारियों की समय पर नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चुनाव से संबंधित सभी रिपोर्ट टी-पोल के निर्धारित प्रारूपों में समयबद्ध रूप से दर्ज की जाएं।अंत में कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारी पूरी तत्परता और सतर्कता के साथ कार्य करें, ताकि तीसरे चरण के चुनाव भी पहले और दूसरे चरण की तरह शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकें।इस बैठक में जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़ सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

क्या मंचेरियाल नगर निगम के चुनाव होंगे, विकास की राह कब खुलेगी?

मंचेरियाल, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक वर्ष से अधिक समय से अस्तित्व में आने के बावजूद मंचेरियाल नगर निगम विकास की दिशा में ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। शासी निकाय के अभाव में निगम का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है, जिससे आम जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा मंचेरियाल, नासपुर, वेमपल्ली, मुल्काला, गुडीपेट, चंदनपुर सहित अन्य गांवों को मिलाकर नगर निगम का गठन किया गया था। इसके बाद मंचेरियाल नगरपालिका के प्रशासन के अधीन आए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं अभी भी केवल 'गारंटीशुदा' स्तर तक ही सीमित हैं। अधिकारी इस तर्क को मानने से इनकार कर रहे हैं कि नगर निगम बनने मात्र से विकास अपने आप हो जाएगा।

सफाई के नाम पर लापरवाही

स्थानीय लोगों की शिकायत है कि वार्डों में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर इस बात का प्रमाण हैं कि नगर निगम शहर के साथ-साथ विलय किए गए गांवों में भी स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहा है। दैनिक कूड़ा संग्रहण अव्यवस्थित है। नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण बारिश के समय निचले इलाकों में सीवेज का पानी भर जाता है। हालांकि, आधिकारिक फाइलों में सफाई पर 'विशेष ध्यान' दिए जाने का उल्लेख किया जा रहा है।

सड़कें: बिना रख-रखाव के विकास

मंचेरियाल शहर ही नहीं, बल्कि निगम में विलय किए गए गांवों की कई बस्तियों की सड़कें भी गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। एक स्थान पर सड़क की मरम्मत चल रही होती है, तो दूसरे स्थान पर खुदाई कर दी जाती है। इस अव्यवस्थित कार्यप्रणाली के कारण न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि सरकारी धन की भी बर्बादी हो रही है। इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है, इस पर अधिकारी भी स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

पेयजल और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था बदहाल

पेयजल समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया है, जबकि पिछले ग्रीष्मकाल में यह समस्या चरम पर पहुंच गई थी। वहीं, स्ट्रीट लाइटों के रख-रखाव में लापरवाही के कारण रात के समय सड़कें और बस्तियां अंधेरे में डूबी रहती हैं, जिससे दुर्घटनाओं और असुरक्षा की आशंका बनी रहती है।

शिकायतों पर चुप्पी

नगर निगम क्षेत्र में बढ़ती समस्याओं के बावजूद जनता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतें कार्यालयों की फाइलों तक ही सीमित रह जाती हैं। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली उपलब्ध होने के बावजूद, समयबद्ध कार्रवाई के अभाव में यह केवल आंकड़ों तक सिमट कर रह गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकारी जनता की समस्याओं के समाधान की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रहे हैं।

अपर्यवेक्षित शासन

नगर निगम के शासी निकाय का कार्यकाल समाप्त होने और निगम के गठन की प्रक्रिया के बाद से प्रशासनिक निगरानी कमजोर पड़ गई है। प्रभारी अधिकारियों और कलेक्टर स्तर पर की जाने वाली जांच-पड़ताल केवल औपचारिकता बनकर रह गई है, जिससे जवाबदेही लगभग समाप्त हो गई है और लापरवाही आम बात बनती जा रही है।मंचेरियाल नगर निगम को नए वादों की नहीं, बल्कि जिम्मेदार और जवाबदेह शासन की आवश्यकता है। अधिकारियों को केवल फाइलों तक सीमित न रहकर सीधे जनता से जुड़ना होगा। अन्यथा, यह नगर निगम केवल नाम मात्र का रह जाएगा और नागरिकों की समस्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जाएंगी।

जनता की स्पष्ट मांग है कि राज्य में चरणबद्ध रूप से चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के बाद मंचेरियाल नगर निगम के चुनाव शीघ्र कराए जाएं, ताकि एक निर्वाचित शासी निकाय के माध्यम से विकास कार्यों को गति मिल सके।

पंचायत चुनाव तीसरे चरण के लिए 17 दिसंबर को अवकाश की घोषणा

आसिफाबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दूसरे आम पंचायत चुनाव के संदर्भ में जिले में इस माह की 17 तारीख को होने वाले तीसरे चरण के मतदान के लिए संबंधित क्षेत्रों में अवकाश घोषित किया गया है।उन्होंने कहा कि मतदान क्षेत्र में स्थित सरकारी कार्यालयों, स्थानीय निकायों और सरकारी संस्थानों के लिए मतदान दिवस

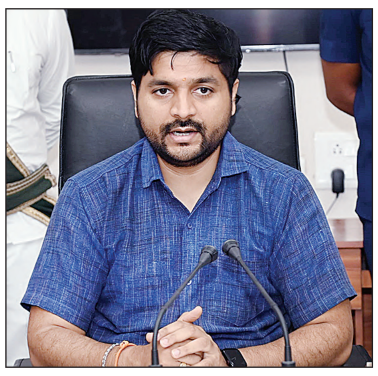

सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। केंद्र सरकार के कर्मचारी जो अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहते हैं, उन्हें सेवाओं की तात्कालिकता के अधीन उस दिन कार्यालय में देर से आने/जल्दी जाने/अल्पकालिक अनुपस्थिति नीति का उपयोग करने का अवसर दिया जाएगा।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मतदान दिवस सार्वजनिक भवनों, शैक्षणिक संस्थानों और चुनाव के लिए उपयोग किए जाने वाले अन्य भवनों के लिए सार्वजनिक अवकाश माना जाएगा। साथ ही, मतदान दिवस से एक दिन पहले स्थानीय अवकाश माना जाएगा। यह घोषणा की गई है कि मतदान के दिन सरकारी और निजी संस्थानों/संगठनों के कर्मचारियों को घोषित क्षेत्रों में मतदान करने के लिए स्थानीय अवकाश दिया गया है। संबंधित अधिकारियों, सरकारी और निजी संस्थानों/व्यापार/औद्योगिक मालिकों से अनुरोध है कि वे अपने कर्मचारियों को मतदान करने के लिए उपरोक्त दिनों में सवैतनिक अवकाश घोषित करें।

एफटीएस वन बंधु परिषद तेलंगाना की वार्षिक सभा में 'संस्कार गुरुकुल' का शुभारंभ

आदिवासी व दूरस्थ ग्रामों के बच्चों को शिक्षित-संस्कारित बनाने का आह्वान

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी (एफटीएस) वन बंधु परिषद तेलंगाना, एकल विद्यालय की वार्षिक साधारण सभा एवं दानदाता बैठक शनिवार को बेगमपेट स्थित वेल्किस हाइट्स के डॉल में आयोजित की गई। इस अवसर पर समाज बंधुओं से आदिवासी तथा देश के दूरस्थ ग्रामों में बच्चों को शिक्षित और संस्कारी बनाने के लिए तन-मन-धन से एकल विद्यालय अभियान से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में 'संस्कार गुरुकुल' का विधिवत शुभारंभ किया गया।

संस्कार गुरुकुल के शुभारंभ के पश्चात त्रिदंडी श्रीश्रीश्री देवनाथ रामानुज जीयर स्वामीजी ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वन बंधु परिषद द्वारा बच्चों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए किए जा रहे सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि एफटीएस केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण का भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

स्वामीजी ने विकास तरंगिणी द्वारा वर्ष 1990 से किए जा रहे सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि यह संस्था चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्य कर रही है

संस्कार विकास: सत्संग, ज्ञान प्राप्ति और उसे आचरण में उतारकर राष्ट्र निर्माण।

प्रज्ञा विकास: बच्चों को वैदिक संस्कृति, पूर्वजों और देवताओं के जीवन से परिचित कर संस्कार निर्माण।

युवा विकास: दिशाहीन युवाओं को मार्गदर्शन देकर परिवार व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाना।

आरोग्य विकास: महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर, विशेष रूप से कैंसर जांच, जिससे लाखों महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

उन्होंने कहा कि धन की कमी नहीं है, बल्कि सेवा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। सभी मिलकर कार्य करेंगे तो सेवा अधिक लोगों तक पहुंचेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों का देश रहा है और हजारों वर्षों की कठिनाइयों के बावजूद सनातन संस्कृति आज भी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि एकल विद्यालय अभियान की शुरुआत 1989 में शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि आज सुरक्षित और संस्कारी वातावरण की आवश्यकता है, जिसे एकल विद्यालय और संस्कार गुरुकुल जैसे प्रयास पूरा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में अब तक 44 केंद्रों से कार्य किया जा रहा है और इस वर्ष 50,000 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

विशेष अतिथि गोविंद नारायण राठी, महामंत्री, राजस्थानी अग्रवाल समाज ने कहा कि एकल विद्यालय जैसी पहल से देश स्वतः आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण जैसी समस्याओं को रोकने के लिए संस्कार आधारित शिक्षा आवश्यक है और इसमें युवाओं की भागीदारी बढ़ानी होगी।

संगठन अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने स्वागत भाषण में कहा कि हर गांव का हर बच्चा शिक्षा का अधिकारी है। पिछले एक वर्ष में आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के साथ-साथ आशा के केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे बच्चों ने भविष्य के सपने देखने शुरू किए हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए एफटीएस उपाध्यक्ष ठाकुर अशोक सिंह ने सचिव की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सभी के सहयोग से अब तक 1148 स्कूलों के लिए दान एकत्र किया गया है। एक विद्यालय पर लगभग 30,000 रुपये वार्षिक खर्च आता है। इस वर्ष 1500 विद्यालयों तक विस्तार और 150 से अधिक नए दानदाताओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

तेलंगाना महिला समिति की कोषाध्यक्ष सृष्टि अडकिया ने महिला समिति की गतिविधियों की जानकारी दी, वहीं युवा संगठन के प्रतिनिधियों ने संस्कार गुरुकुल के माध्यम से बच्चों को दिए जाने वाले संस्कारों की विस्तृत जानकारी साझा की।

इस अवसर पर एकल विद्यालय अभियान के संरक्षक केदारनाथ अग्रवाल का राष्ट्रीय स्तर पर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दानदाताओं ने सहयोग राशि के चेक प्रदान किए।

सभा में जगदीश्वर, संदीप पटनायक, अतुल शाह, जनमत भाई पटेल, चंद्रकांत डाकोतिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, मल्लारेड्डी एकल विद्यालय से आए विद्यार्थी, दानदाता और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंत्री अज़हरुद्दीन ने क्रिसमस की भावना पर व्यक्तिगत स्मृतियाँ साझा कर भाईचारे व सद्भाव का दिया संदेश

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने कहा कि क्रिसमस आनंद, खुशियों और आपसी भाईचारे का पर्व है, जो समाज में प्रेम, शांति और करुणा का संदेश फैलाता है।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित सचिवालय ईसाई कर्मचारी क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने ईसाई संस्थानों से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक ईसाई शिक्षण संस्थान में अध्ययन किया, जहाँ हर वर्ष क्रिसमस की सच्ची भावना को अनुभव करने का अवसर मिलता था। उन्होंने मित्रों और शिक्षकों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में क्रिसमस मनाने की स्मृतियाँ स्नेहपूर्वक साझा कीं।

मंत्री अज़हरुद्दीन ने बॉक्सिंग डे की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि छात्र जीवन में इस दिन क्रिकेट मैच खेलना एक प्रिय परंपरा थी। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों से उन्हें अनुशासन, टीमवर्क, खेल भावना और आपसी सम्मान जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों की सीख मिली।

उन्होंने कहा कि क्रिसमस हमें साझा करने, जरूरतमंदों की देखभाल करने और विभिन्न समुदायों के बीच संबंधों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। ऐसे त्योहार साम्प्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं और भारत की एकता में विविधता की परंपरा को सुदृढ़ करते हैं।

मंत्री ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी धार्मिक त्योहारों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी उत्सव शांतिपूर्ण, समावेशी और आनंदमय ढंग से मनाए जाएँ। उन्होंने ईसाई समुदाय को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और पर्व के माध्यम से हर घर में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही ईसाई समुदाय की समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर आदरणीय डॉ. जॉन वेस्ली ने प्रेरणादायी ईसाई संदेश देते हुए प्रेम, शांति, करुणा और सेवा भावना पर बल दिया तथा समाज में सौहार्द और सद्भाव फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रधान सचिव बी. महेश दत्त एक्का, प्रबंध निदेशक, क्रिश्चियन माइनॉरिटी फाइनेंस कॉर्पोरेशन; सबिता (सदस्या, सचिवालय ईसाई कर्मचारी संघ), शास्त्री, चिट्टी बाबू, शशिभूषण, मनोहरम्मा, जैकब रॉस सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लॉरी-बाइक की टक्कर में युवक की मौत, चालक फरार

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल जिले के कीसारा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक भीषण सड़क दुर्घटना की घटना सामने आई है। कथित रूप से ट्रक (लॉरी) चालक की लापरवाही के कारण एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।यह हादसा अंकीरेड्डीपल्ली चौराहे पर हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो गईं।

खेलों में छात्रों की भागीदारी अत्यंत लाभकारी

पढ़ाई के साथ खेल लीडरशिप और फिटनेस विकसित करते हैं : के. विशाल कुमार

हैदराबाद, 15 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पूर्व राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी एवं राष्ट्रीय कोच के. विशाल कुमार ने कहा कि छात्रों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भागीदारी बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इससे लीडरशिप क्वालिटी, शारीरिक फिटनेस और लगन की भावना का विकास होता है।के. विशाल कुमार ने सोमवार को हैदराबाद के गुंडला पोचमपल्ली स्थित डीआरएसआईएस कैंपस में आयोजित डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल की 23वीं तीन दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर छात्रों ने मार्च पास्ट के दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसके बाद उन्होंने स्पोर्ट्स मीट को औपचारिक रूप से खुला घोषित किया।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल बच्चों को न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से उनके मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को भी बेहतर करते हैं, जिससे वे पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को खेल खेलने से रोकने में कोई समझौता न करें।उन्होंने आगे कहा कि खेल खेलने से छात्र स्वस्थ और फिट रहते हैं, बेहतर कोऑर्डिनेशन विकसित होता है और वे रचनात्मक (क्रिएटिव) बनना सीखते हैं। इस अवसर पर डीआरएसआईएस के डायरेक्टर अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि खेलों की बहुआयामी भूमिका को ध्यान में रखते हुएजो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि टीम वर्क, टाइम मैनेजमेंट और स्पोर्ट्समैनशिप जैसे जीवन-मूल्यों को भी बढ़ावा देती है डीआरएस जैसे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय स्कूल छात्रों को खेलों के लिए अत्याधुनिक उपकरण और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। डीआरएसआईएस के प्रिंसिपल आई. वेणुगोपाल ने कहा कि खेल अनुशासन, समय प्रबंधन और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाकर शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार लाते हैं। उन्होंने कहा कि जीत-हार से परे, खेल छात्रों को मजबूत, अनुशासित और सहयोगी बनाते हैं तथा अभ्यास और खेल के दौरान अनेक अनमोल जीवन-पाठ सिखाते हैं।इस कार्यक्रम में डीआरए-सआईएस स्पोर्ट्स हेड डॉ. मुरमल्ला भरत कुमार, वाइस प्रिंसिपल पूजा सक्सेना, हॉस्टल हेड राजेंद्र प्रसाद, एडमिन हेड विनोदा रंजन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

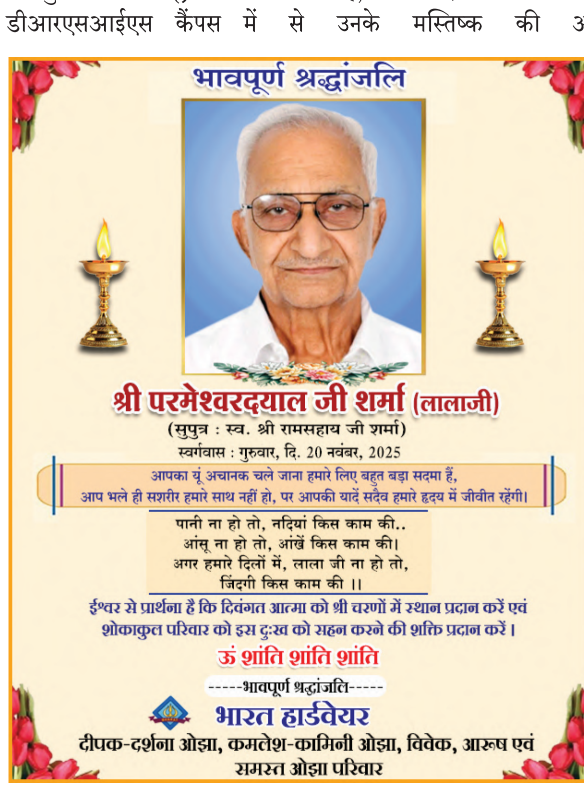

सनतनगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान अय्यप्पा स्वामी की विशेष पूजा का आयोजन किया गया। पूजा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अय्यप्पा स्वामी से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता दयानंद, सपना गुप्ता, विनय, भारत, लोढ़ा, उपाध्यक्ष श्रीधर कर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पूजा-अर्चना में भाग लिया और आयोजन की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.